THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वर्ष-29 अंक : 48 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख शु.3 2081 शुक्रवार, 10 मई-2024**

यह चुनाव परिवार और विकास के बीच : अमित शाह

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव केवल कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच है। यदाद्री भुवनागिरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, ये चुनाव परिवार के विकास और देश के विकास के बीच है। तेलंगाना में भाजपा ने 2019 के चुनावों में चार सीटें जीती थीं। लेकिन इस बार, हम 10 सीटें जीतने जा रहे हैं। हम पहले ही तीन चरणों में 200 सीटें जीत चुके हैं और हमें बाकी चरणों में सभी 400 सीटें जीतने का भरोसा है, उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए दावा किया।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि कांग्रेस ने मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दिया था। उन्होंने वादा किया, अगर भाजपा को राज्य में 10 सीटें दी जाती हैं, तो मुसलमानों के लिए आरक्षण हटा दिया जाएगा और एससी, एसटी और ओबीसी को दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में राहुल गांधी द्वारा किए गए कर्ज माफी के वादे को अभी तक लागू नहीं किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस अपने वादों को कभी पूरा नहीं करेगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं उसे जरूर पूरा करेंगे। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही दिखा दिया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण उनके वादे के अनुसार हुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के इस बयान का जिक्र करते हुए कि राजस्थान और तेलंगाना के लोगों का कश्मीर से कोई लेना-देना नहीं है, शाह ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया और कश्मीर में तिरंगा फहराया गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी माओवादी विचारधाराओं को खत्म करने के अलावा आतंकवाद और उग्रवाद को भी खत्म कर रहे हैं। शाह ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां तेलंगाना में ओवैसी को रोक सकती हैं। उन्होंने कहा, "ए का मतलब असदुद्दीन, बी का मतलब बीआरएस और सी का मतलब कांग्रेस है।" केंद्रीय गृह मंत्री ने उल्लेख किया कि इन पार्टियों ने अतीत में हैदराबाद मुक्ति दिवस भी नहीं मनाया और लोगों से इन पर भरोसा न करने का आग्रह किया।

शाह ने आरोप लगाया कि समाप्त किए गए ट्रिपल तलाक को पुनर्जीवित करने के प्रयास जारी हैं।

उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने भुवनगिरी कपड़ा उद्योग के लिए काम किया। हमने 1500 करोड़ रुपये के साथ राष्ट्रीय कपड़ा नीति को लागू किया है। हमने भुवनगिरी से भूपालपल्ली तक एक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया। हमने बीबी नगर एम्स बनाया है और गरीब लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। हमने जनगामा से भुवनगिरी तक रेलवे लाइनों का आधुनिकीकरण किया है। हम कोमुरवेली में एक अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन का निर्माण कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार तेलंगाना को एटीएम के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

एनटीआर जिले में 8 करोड़ रुपये जब्त, दो गिरफ्तार

अमरावती, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिला में पुलिस ने पाइप लदे एक ट्रक से 8 करोड़ रुपये कैश जब्त किए हैं। कैश के साथ दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह पैसा हैदराबाद से गुंटूर ले जाया जा रहा था। पुलिस ये पैसे जांच टीमों को सौंपेंगी। चुनाव आयोग के अधिकारी और फ्लाइंग स्क्वॉड टीम आगे की कार्रवाई करेगी। आंध्र प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों और 175 विधानसभा सीटों पर चौथे फेज में 13 मई को चुनाव हैं। चुनाव को लेकर राज्य में तलाशी अभियान तेज कर दी गई है।

हिन्दू घटे... मुसलमान बढे...

सरकार की रिपोर्ट में दावा- मुस्लिम 43.15 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत में 1950 से लेकर 2015 तक हिंदुओं की आबादी में 7.8 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि मुस्लिम की आबादी में 43.15 प्रतिशत का इजाफा हुआ। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में ये बात सामने आई है।

रिलीजियस माइनॉरिटीज : क्रॉस-कंट्री एनालिसिस (1950-2015) रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि जैनों की जनसंख्या में भी गिरावट आई है। 1950 में जैनों की आबादी 0.45 प्रतिशत थी, जो 2015 में घटकर 0.36 प्रतिशत रह गए। ये रिपोर्ट इकोनॉमिस्ट शमिका रवि, अब्राहम जोस और अपूर्व कुमार मिश्रा ने तैयार की है। अब लोकसभा चुनाव के बीच ईएसी-पीएम की आबादी रिपोर्ट पर राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, कांग्रेस के दशकों के शासन ने हमारे साथ यही किया है। उनके भरोसे छोड़ दिया जाए तो हिंदुओं के लिए कोई देश नहीं बचेगा। वहीं, एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने इसे वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट करार दिया। प्रियंका गांधी ने कहा, हमें उन मुद्दों पर बात करनी चाहिए, जो लोगों के जीवन से जुड़े हैं। भाजपा अपने हिसाब से मुद्दे बनाती है।

>14

प्रशांत भूषण ने पासपोर्ट कानून के प्रावधान की संवैधानिक वैधता को दी चुनौती

कोर्ट ने टाली सुनवाई

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वकील प्रशांत भूषण की एक याचिका पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी है। इस याचिका में प्रशांत भूषण ने पासपोर्ट कानून के प्रावधान को चुनौती दी है। प्रशांत भूषण के वकील जयंत भूषण के उपलब्ध न होने के चलते जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइंया की पीठ ने याचिका पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी। प्रशांत भूषण ने पासपोर्ट कानून के प्रावधान के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में प्रावधान में संशोधन की मांग की गई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने जनवरी 2016 में प्रशांत भूषण की याचिका खारिज कर दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। याचिका में पासपोर्ट कानून, 1967 की धारा 6(2)(एफ) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है, जिसमें कहा गया है कि किसी अपराध के आरोपी को पासपोर्ट जारी नहीं किया जा सकता। साल 1993 में एक नोटिफिकेशन के जरिए इसमें थोड़ा बदलाव किया गया और बदलाव के तहत आरोपी को अदालत से एनओसी जारी करने पर एक साल के लिए पासपोर्ट जारी किया जा सकता है। दरअसल प्रशांत भूषण ने एक धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके तहत उन्हें गाजियाबाद स्थित पासपोर्ट के रीजनल सेंटर से सिर्फ एक साल के लिए पासपोर्ट जारी हो रहा था। ऐसे में प्रशांत भूषण ने इस प्रावधान को चुनौती देने का फैसला किया।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीएम ममता बनर्जी को नहीं दिखाएंगे सीसीटीवी फुटेज

राजभवन ने बताया कौन देख सकेगा रिकॉर्डिंग

कोलकाता, 9 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ। सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक महिला कर्मचारी द्वारा छेड़छाड़ का आरोप लगाये जाने की पृष्ठभूमि में राजभवन ने कहा कि वह राजनीतिक नेता ममता बनर्जी और उनकी पुलिस को छोड़कर 100 लोगों को संबंधित सीसीटीवी फुटेज दिखाएगा। राज्यपाल पर आरोप के बाद पुलिस ने राजभवन से संबंधित सीसीटीवी फुटेज साझा करने का अनुरोध किया था। राज्यपाल ने हालांकि अपने कर्मचारियों को इस संबंध में पुलिस के साथ सहयोग नहीं करने का निर्देश दिया है। राजभवन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिस के मनगढ़ंत आरोपों की पृष्ठभूमि में राज्यपाल बोस ने सच के सामने कार्यक्रम शुरू किया है। उसने लोगों से राजभवन में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ईमेल या फोन पर अनुरोध भेजने को कहा और पहले 100 लोगों को बृहस्पतिवार सुबह राजभवन के अंदर फुटेज देखने की अनुमति दी जाएगी। पोस्ट में कहा गया है, 'राज्यपाल ने फैसला किया है कि सीसीटीवी फुटेज को पश्चिम बंगाल का कोई भी नागरिक देख सकता है सिवाय राजनीतिक नेता ममता बनर्जी और उनकी पुलिस के क्योंकि उन्होंने जो रुख अपनाया है वह सबके सामने है।'

महिला कर्मचारी ने लगाय है छेड़छाड़ का आरोप

राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने शुक्रवार को राज्यपाल पर गवर्नर हाउस में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोलकाता पुलिस में लिखित शिकायत दायर की है। राज्यपाल बोस ने आरोप को बेतुका नाटक बताया था और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीति को गंदी करार दिया था। कोलकाता पुलिस ने महिला कर्मचारी द्वारा बोस पर लगाए गए छेड़छाड़ के आरोप की जांच के लिए एक जांच दल का गठन किया है। पुलिस ने आरोप की जांच के सिलसिले में राजभवन के कुछ अधिकारियों और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को तलब किया है। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत किसी राज्यपाल के खिलाफ उसके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती है।

तृणमूल दर्ज कराएगी शिकायत

दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस निर्वाचन आयोग में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कर दावा करेगी कि पार्टी के एक नेता ने कैमरे पर कबूल किया है कि संदेशखालि मामले में दुष्कर्म के आरोप मनगढ़ंत थे। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस निर्वाचन आयोग को एक पत्र सौंपेगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उनकी शिकायत एक कथित वीडियो पर आधारित है, जिसमें संदेशखालि में भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाधर कायल होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अधिकारी हैं।

666 करोड़ रुपये के सोने के गहनों से भरा ट्रक पलटा, देखते ही जुट गई भीड़

चेन्नई, 9 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में सोने के गहनों से भरा एक ट्रक सड़क हादसे का शिकार हो गया। इसकी वजह आगे जा रहे वाहन में लगी तिरपाल उड़कर ट्रक के विंडो शील्ड पर आ गई, जिससे अचानक ड्राइवर का ट्रक पर कंट्रोल नहीं रहा और ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही ट्रक में मौजूद सोने के गहनों को दूसरे ट्रक में रखवाकर मंजिल के लिए रवाना कर दिया है। यह ट्रक एक प्राइवेट लॉजिस्टिक कंपनी का बताया जा रहा है, जो कि कोंयबटूर से सेलम जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, सिथोडु के पास यह ट्रक हादसे का शिकार हुआ है। इस दौरान यह ट्रक यहां से जा रहा था। इसी समय ट्रक के आगे एक दूसरा वाहन जा रहा था, जिसमें एक तिरपाल लगी हुई थी।

यह तिरपाल तेज हवा होने के कारण उड़कर ट्रक की विंडो शील्ड पर आ गई, जिससे मौके पर मौजूद ट्रक ड्राइवर को कुछ नहीं दिखने की वजह से ट्रक से कंट्रोल खो गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों में चीख पुकार मच गई और वहां लोग पहुंच गए। लोगों ने पुलिस को कॉल कर मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रक में मौजूद ड्राइवर और एक शख्स को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के बाद उनकी हालत सही बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, इस ट्रक के अंदर करीब 810 किलो सोने के गहने भरे हुए थे। इन गहनों की कीमत 666 करोड़ रुपये थी। इन्हें ट्रक में भरकर कोयंबटूर से सेलम ले जाया जा रहा था। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस की टीम की ओर से गहनों को हाई सिक्योरिटी वाले एक दूसरे ट्रक को मौके पर भेजा गया।

औरंगजेब का जन्म गुजरात के दाहोद में हुआ था

बोलते-बोलते बहुत कुछ कह गए संजय राउत

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक विवादित बयान दिया है। संजय राउत ने पीएम मोदी को महाराष्ट्र की धरती में गाड़ने की धमकी दी है। दरअसल अहमदनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संजय राउत ने यह विवादित बयान दिया है। संजय राउत ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म महाराष्ट्र में हुआ और औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ। इसका इतिहास है, आप देख लीजिए इतिहास। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि वह (गुजरात की) मिट्टी औरंगजेब की है और उस मिट्टी के ये दो व्यापारी (नरेंद्र मोदी और अमित शाह) हैं।

लोकसभा चुनाव में औरंगजेब की एंट्री

संजय राउत ने आगे कहा कि आप इतिहास देखिए, औरंगजेब का जन्म नरेंद्र मोदी के गांव में हुआ है। अहमदाबाद के बगल में दाहोद नाम का गांव है, जहां औरंगजेब का जन्म हुआ था। गुजरात में औरंगजेब का जन्म हुआ, यही वजह है कि वह (पीएम मोदी और अमित शाह) हमारे साथ औरंगजेब की तरह बर्ताव कर रहे हैं। लेकिन याद रहे कि एक औरंगजेब को हमने इस महाराष्ट्र की धरती में गाड़ा है। 27 साल तक औरंगजेब महाराष्ट्र को जीतने के लिए महाराष्ट्र की धरती पर लड़ रहा था। अंत में हमने उस औरंगजेब को महाराष्ट्र की धरती में गाड़ कर उसकी कब्र खोद दी। संजय राउत यही नहीं रुके।

पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल

उन्होंने आगे जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी तू कौन है? यह मराठाओं का इतिहास है। यह मराठी का इतिहास है। आप अगर हमारे अंग पर आए तो हम जल उठेंगे। हम सब महाराष्ट्र के स्वाभिमान के लिए लड़ते रहेंगे। बता दें कि ठीक इसी तरह का बयान बीते दिनों संजय राउत ने बुलढाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया था। उन्होंने यहां कहा था कि महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था। वहीं नरेंद्र मोदी का जन्म गुजरात में हुआ था। उसके पड़ोस वाले गांव में ही औरंगजेब का जन्म हुआ था।

नोएडा में आर्थिक तंगी से परेशान पत्रकार ने किया सुसाइड, 6 महीने से डिप्रेशन में थे उमाकांत

ग्रेटर नोएडा, 9 मई (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में आर्थिक तंगी से परेशान पत्रकार ने आत्महत्या कर ली। उमाकांत राही (उम्र 40) एक न्यूज चैनल में वीडियो एडिटर के रूप में कार्यरत थे। वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सोसायटी में रहते थे। उन्होंने देर रात जहर खाकर अपनी जान दे दी। परिवार के लोगों से बातचीत के दौरान पता चला है कि पिछले छह महीने से वह डिप्रेशन में थे। वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उमाकांत मूल रूप से ग्राम गुढारी थाना हसनपुर जिला औरंगाबाद बिहार के रहने वाले थे। वह वर्तमान में थाना बिसरख क्षेत्र की कन्हा रेजिडेंसी में रह रहे थे। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है कि पत्रकार की कई बैंक किस्त कट रही थी जिसमें घर के अलावा कई अन्य चीजें शामिल हैं।

'श्रीकांत शिंदे के माथे पर लिखा है- मेरा बाप गद्दार'

प्रियंका चतुर्वेदी की टिप्पणी पर घमासान

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के तहत तीन चरण का चुनाव पूरा हो चुका है। वहीं, आने वाले 4 चरणों की वोटिंग के लिए सभी राजनीतिक दलों के नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। हालांकि, दूसरी ओर नेताओं द्वारा एक दूसरे का अपमान करने के चक्कर में सीमाएं भी लांघी जा रही हैं। अब शिवसेना यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी काफी विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। आइए जानते हैं कि क्या है ये पूरा मामला। एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा श्रीकांत शिंदे के माथे पर लिखा है 'मेरा बाप गद्दार है'। देर शाम प्रियंका चतुर्वेदी उत्तर मुंबई से शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार संजय दिना पाटील के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। अपने भाषण में प्रियंका चतुर्वेदी ने एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे पर जमकर निशाना साधा और उन्हें गद्दार कहा। प्रियंका ने कहा- गद्दार, गद्दार ही रहेगा। एक फिल्म आई थी दीवार जिसमें अमिताभ बच्चन अपना हाथ दिखाते हैं, उनके हाथ पर लिखा था मेरा बाप चोर है। यह इनके माथे पर लिखा है। श्रीकांत शिंदे के माथे पर लिखा है मेरा बाप गद्दार है। दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) के नेता और महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी हार के करीब है और यही वजह है कि वह हिंदू-मुसलमान कर रही है। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी देश का संविधान बदलना चाहती है।

इसीलिए संविधान की रक्षा के लिए हम सड़क पर उतरे हुए हैं, जनता हमें ही वोट देगी। चुनाव आयोग के शेड्यूल के मुताबिक, महाराष्ट्र में पहले, दूसरे, तीसरे , चौथे और पांचवें चरण में इलेक्शन हैं। इसमें पहले चरण में 19 अप्रैल को 5 सीट पर, दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 8 सीटों पर, तीसरे चरण में 7 मई को 11 सीटों पर चुनाव हो गए हैं। वहीं, चौथे चरण में 13 मई को 11 सीटों पर और पांचवे चरण में 20 मई को 13 सीटों पर चुनाव होने हैं।

तस्करी कर ले जाए जा रहे पशुओं को पुलिस ने कराया मुक्त,

अनूपपुर, 9 मई (एजेंसियां)। अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने पशु तस्करी कर ले जाते हुए ट्रक को जब्त कर 26 मवेशियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने ट्रक चालक और मलिक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। थाना प्रभारी कोतवाली अरविन्द जैन ने बताया गया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नेशनल हाईवे पर बुधवार की मध्य रात्रि घेराबंदी की गई। नेशनल हाईवे 43 पर पटेल ढाबा के आगे कोतमा तरफ से एक ट्रक आता हुआ दिखाई दिया। जिसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वाहन चालक भागने का प्रयास करने लगा। तेज गति से ले जाते हुए चालक पटेल ढाबा के पास रोड के किनारे ट्रक खड़ा कर फरार हो गया। वाहन की जांच करने पर ट्रक क्रमांक एम पी 19 एच ए 0092 में अवैध पशु भैस पड़ा 26 नग बूचड़खाना ले जाते पाये जाने पर अज्ञात चालक और वाहन स्वामी पर पशु व्यापारी के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

'बच्चे पैदा करने की मशीन नहीं हैं महिलाएं'

पंजाब महिला आयोग ने आखिर क्यों कही इतनी बड़ी बात, जानिए पूरा विवाद

अमृतसर, 9 मई (एजेंसियां)। दमदमी टकसाल के प्रमुख सेवादार भाई हरनाम सिंह खालसा के उस बयान पर बवाल मच गया है, जिसमें उन्होंने प्रत्येक सिख को कम से कम पांच बच्चे पैदा करने को कहा है। पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल ने इस बयान का गंभीर नोटिस लेते हुए दो टूक कहा है कि महिला कोई बच्चे पैदा करने वाली मशीन नहीं है जो पांच-पांच बच्चे पैदा करें। खालसा ने कहा है कि प्रत्येक सिख परिवार कम से कम पांच बच्चे पैदा करें, परिवार उनका पालन करने में असमर्थ होगा तो उक्त परिवार एक बच्चा अपने पास रख ले और शेष चार बच्चे उन्हें सौंप दें, वे उनका पालन पोषण करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की संख्या अधिक होने से पारिवारिक मूल्यों को बचाने में सहायता मिलेगी और समाज मजबूत होगा। बता दें कि दमदमी टकसाल एक सिख संगठन है।

इस संगठन का प्रमुख जरनैल सिंह भिंडरावाले भी रह चुका है। तारीख 6 जून 1984 में स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान भिंडरावाले अभियान में मारा गया था। इस अभियान में स्वर्ण मंदिर को भारी नुकसान हुआ। यही कारण था कि बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी।

एक दशक पहले हुई थी दाभोलकर की हत्या, आज आ सकता है मामले में फैसला

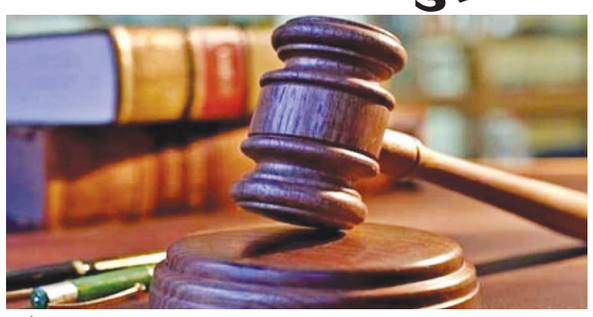

औरंगाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में पुणे की एक विशेष अदालत 10 मई यानी आज अपना अंतिम फैसला सुना सकती है। करीब 11 साल बाद दाभोलकर के परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद है।

2013 में हुई थी हत्या

दरअसल, 68 साल के दाभोलकर 20 अगस्त 2013 की सुबह सैर पर गए थे। वह पुणे के ओंकारेश्वर पुल पर सुबह की सैर पर निकले थे। तभी मोटरसाइकिल सवार दो लोग आकर रुके और उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

भाग गए थे औरंगाबाद

माना जाता है कि दोनों बदमाशों ने पिस्तौल निकाली और उनके सिर पर एक और तीन करीब से गोली मारी। इससे डॉक्टर की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुल पर मौजूद नगर निगम के दो सफाईकर्मियों ने गोलीबारी के बाद दो लोगों को मोटरसाइकिल से भागते हुए देखा था। जांचकर्ताओं का कहना है कि हमलावरों ने मोटरसाइकिल एक तीसरे व्यक्ति को सौंप दी थी, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं था। इसके बाद इन लोगों ने एक बस पकड़ी और औरंगाबाद भाग गए, जिसका नाम अब छत्रपति संभाजी नगर हो गया है। पिछले महीने विशेष लोक अभियोजक सूर्यवंशी ने कहा था, 'आज की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त विशेष सत्र न्यायाधीश ए ए जाधव ने मामले में फैसला सुनाने के लिए 10 मई की तारीख तय की है।' नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा चल रहा है। कल इस मामले में अंतिम फैसला आने की उम्मीद है। पुणे की एक अदालत इस मामले में अपना फैसला सुना सकती है।

इन पर आरोप

हत्या के मामले की जांच पुणे पुलिस ने शुरू की थी। लेकिन 2014 में इस मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया था। सीबीआई ने इस मामले में वीरेंद्र सिंह तावड़े, सचिन आंदुरे और शरद कालस्कर को गिरफ्तार किया था। तावड़े कथित तौर पर सनातन संस्था से जुड़ा था। जबकि आंदुरे और कालस्कर कथित तौर पर शूटर थे। सीबीआई इन तीनों के अलावा वकील संजीव पुनालेकर और उनके सहायक विक्रम भावे के खिलाफ 2019 में आरोप पत्र दायर किया था। सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी आरोप लगाए थे। तावड़े, आंदुरे और कालस्कर जेल में हैं। जबकि पुनालेकर और भावे जमानत पर बाहर हैं। कौन थे नरेंद्र दाभोलकरडॉक्टर नरेन्द्र अच्युत दाभोलकर का जन्म एक नवंबर 1945 में महाराष्ट्र के सतारा ज़िले में हुआ था। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉक्टर बनने की बजाए उन्होंने खुद को सामाजिक कार्यों में लगाया। साल 1982 से वो अंधविश्वास निर्मूलन आंदोलन में पूरी तरह से जुट गए थे। साल 1989 में उन्होंने महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की स्थापना की। यह संस्था किसी भी तरह के सरकारी अथवा विदेशी सहायता के बिना काम करती है। हालांकि कई कट्टर दक्षिणपंथी संगठन उन्हें हिंदूविरोधी मानते थे। उनकी हत्या के बाद गोविंद पानसरे और कर्नाटक में प्रोफेसर एमएम कलबुर्गी और पत्रकार गौरी लंकेश की हत्याएं हुईं थीं।

15 सेकंड क्या? आप 1 घंटा लीजिए, हम भी तो देखें', बीजेपी नेता नवनीत राणा को ओवैसी का जवाब

हैदराबाद, 9 मई (एजेंसियां)। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बीजेपी नेता नवनीत राणा के '15 सेकंड' वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने गुरुवार को कहा, मैं कहता हूं कि आप 15 सेकंड क्या, 1 घंटा ले लीजिए हम भी तो देखें आप में कितनी इंसानियत बाकी रह गई है। महाराष्ट्र के अमरावती से बीजेपी उम्मीदवार नवनीत राणा हैदराबाद में चुनाव प्रचार करने पहुंची थीं। वह बीजेपी प्रत्याशी माधवी लता के लिए वोट मांग रही थीं। इसी दौरान उन्होंने ओवैसी भाइयों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ 15 सेकंड लगेंगे। पुलिस को हटा दीजिए फिर आप दोनों भाइयों को पता नहीं चलेगा कहां से आए और कहां चले गए। नवनीत राणा के इस बयान पर ओवैसी ने कहा, मैं पीएम मोदी को बोलता हूं आप दे दीजिए 15 सेकंड का समय। आप कैसा हाल करते हैं। आप 15 सेकंड क्या 1 घंटा ले लीजिए, हम भी तो देखें आपमें कितनी इंसानियत बाकी रह गई है। तेलंगाना की सभी 17 सीटों पर 13 मई को वोट डाले जाएंगे। हैदराबाद में भी इसी दिन वोटिंग है। नवनीत राणा बीजेपी उम्मीदवार माधवी लता के लिए प्रचार करने पहुंचीं थीं। इस दौरान उन्होंने एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के विवादित बयान का जिक्र करते कहा, छोटा कहता है कि पुलिस को 15 मिनट के लिए हटा दो, तो हम दिखाएंगे क्या कर सकते हैं, छोटे को मेरा कहना है कि तुम्हें 15 मिनट लगेंगे, मगर हमको सिर्फ 15 सेकंड लगेंगे, 15 सेकंड के लिए पुलिस को हटाया तो छोटे (अकबरुद्दीन ओवैसी) और बड़े (असदुद्दीन ओवैसी) को पता नहीं चलेगा कहां से आए और कहां चले गए। साल 2012 में अकबरुद्दीन ओवैसी ने भड़काऊ बयान दिया था। ओवैसी ने कहा था कि 15 मिनट पुलिस को हटा लो हम बता देंगे कि किसमें कितना दम है। हालांकि इस मामले में कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया है। नवनीत राणा के बयान पर एआईएमआईएम ने चुनाव आयोग से एक्शन लेने की मांग की है। पार्टी के प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि बीजेपी के नेता इस तरह का बयान दे रहे हैं, जो चुनाव आयोग के नियमों का उल्लंघन करता है।चुनाव आयोग को नवनीत राणा के इस बयान पर कार्रवाई करनी चाहिए। वारिस पठान ने कहा कि अकबरुद्दीन ओवैसी ने 15 मिनट पुलिस हटा दो वाला बयान दिया था। बाद में उन्होंने खुद सरेंडर कर दिया था और जेल भी गए थे। बाद में उनकी जमानत हो गई। लेकिन दस साल उन्होंने कोर्ट में अपने बयान की लड़ाई लड़ी और बरी हो गए।

कुलगाम के रेडवानी इलाके में लगभग 40 घंटे तक चला अभियान समाप्त, तीन आतंकी ढेर

कुलगाम, 9 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के रेडवानी इलाके में लगभग 40 घंटे तक चला अभियान गुरुवार सुबह समाप्त हो गया। इस दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए।

इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है।

देर रात इलाके में तीन आतंकियों बासित अहमद डार, फहीम अहमद बाबा और मोमिन की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में अभियान शुरू किया था। इस दौरान शुरू हुई मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी मंगलवार को मार गिराए गए थे, जिसमें बासित डार और फहीम अहमद बाबा शामिल थे। बुधवार को एक अन्य आतंकी मोमिन को मार गिराया गया। मोमिन व बसित पर 10-10 लाख रुपये का इनाम था और यह आतंकवादी टारगेट हत्याओं में शामिल थे। भारतीय सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि कुलगाम के क्षेत्र रेडवानी पाइन में 6-7 मई की मध्यरात्रि को शुरू हुआ एक संयुक्त अभियान लगभग 40 घंटे की निरंतर निगरानी के बाद समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

रेडवानी इलाके में सोमवार से चल रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने बुधवार शाम को एक और आतंकी को मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके साथ ही इस मुठभेड़ में तीन आतंकियों को सुरक्षाबलों ने ढेर किया। इससे पहले मंगलवार को टीआरएफ का शीर्ष कमांडर बासित अहमद डार और उसका साथी फहीम अहमद बाबा मारा गया था। भारतीय सेना ने 40 घंटे की निगरानी के बाद तीन आतंकवादियों को मार गिराते हुए ऑपरेशन रेडवानी पाईन का समापन किया है। मुठभेड़ स्थल से युद्धक सामान भी बरामद हुआ है।

सेक्सटॉर्शन के आरोपियों को अग्रिम जमानत देने से एचसी का इनकार

कहा-ये किसी भी रहम के हकदार नहीं

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सेक्सटॉर्शन के मामले में आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि इससे समाज प्रभावित होगा और ऐसे आरोपी रहम के हकदार नहीं हैं। चंद पैसों के लिए पीड़ितों की अंतरंग फोटो और वीडियो का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे गंभीर मामले में आरोपी अग्रिम जमानत के हकदार नहीं हैं। याचिका दाखिल करते हुए 19 अप्रैल, 2023 को जालंधर में दर्ज एफआईआर में अग्रिम जमानत की मांग की गई थी। आरोप के अनुसार याचिकाकर्ता अंतरंग फोटो व वीडियो के माध्यम से पीड़ितों को ब्लैकमेल करते थे और पैसे वसूलते थे। हाईकोर्ट ने इन याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि अग्रिम जमानत देते हुए अदालत को अपराध की गंभीरता, आरोपी की भूमिका, समाज पर पड़ने वाले प्रभाव और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की आवश्यकता पर भी विचार करना चाहिए। फैसला करते समय उसे व्यक्तिगत अधिकारों की रक्षा और सामाजिक हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना होगा। अग्रिम जमानत से जांच एजेंसी के स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करने के अधिकारों में अनावश्यक रूप से बाधा नहीं आनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं पर आरोप है कि वे किराए के मकान में वेश्यालय चला रहे थे। महिलाएं निर्दोष लोगों को वीडियो कॉल करके ब्लैकमेल कर पैसे वसूलती थीं। एफआईआर में लगाए गए आरोपों और राज्य द्वारा दायर रिपोर्ट में दिए गए कथनों के अनुसार याचिकाकर्ताओं पर यौन शोषण करने वालों का गिरोह चलाने का आरोप है। ऐसे मामले में जहां आरोप सेक्सटॉर्शन का है अग्रिम जमानत देना उचित नहीं है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

परथमपुर गांव में फिर से होगा मतदान

दाहोद, 9 मई (एजेंसियां)। गुजरात में गुजरात में दाहोद लोकसभा क्षेत्र के परथमपुर गांव में फिर से मतदान होगा। बता दें, परथमपुर गांव में बीते बुधवार को बूथ कैप्चरिंग का एक वीडियो वायरल हुआ था। यहां स्थानीय बीजेपी नेता के बेटे ने बूथ पर कब्जा कर लिया था। इतना ही नहीं, आरोपी ने बूथ कैप्चरिंग की पूरी घटना को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीम भी किया था। इसके चलते चुनाव आयोग ने दाहोद के परथमपुर में दोबारा वोटिंग के आदेश दिए हैं। वोटिंग को लेकर आगे की जानकारी जल्द ही कलेक्टर द्वारा दी जाएगी।

वर्ष-29 अंक : 48 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख शु.3 2081 शुक्रवार, 10 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ** : 16 **मूल्य** : 8 रुपये

गेम चेंजर होगा आर्थिक गलियारा : मोदी

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) रेशम मार्ग (सिल्क रूट) की तरह एक बड़ा गेम चेंजर साबित होगा। आईएमईसी के लिए पिछले साल भारत की मेजबानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता हुआ था।

एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने आईएमईसी को लेकर कहा, खाड़ी देशों ने सकारात्मक भूमिका निभाई है। अमेरिका और यूरोप ने भी इस पर भारत का समर्थन किया है। जी-20 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के हाथ मिलाने की तस्वीरों ने विश्व स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने कहा, जब हम वैश्विक भलाई के लिए काम करते हैं, तो कोई अगर-

मगर की बात नहीं होती। आप दुनिया को अपने साथ ले सकते हैं और मेरी यही कोशिश थी। आप मुझे बताएं कि जी-8 और जी-20 का जन्म कैसे हुआ।

जिन मुद्दों के लिए इनका गठन किया गया है, हमें उन मुद्दों से कभी भटकना नहीं चाहिए। मैंने हर किसी को आश्वस्त किया। कुछ लोगों के साथ मुझे निजी तौर पर बात करने की जरूरत थी। मैंने वैसा ही किया। दूसरी बात, मेरा इरादा ये था कि मैं आखिरी सत्र में प्रस्ताव नहीं लाऊंगा। मैं इसे इतनी जल्दी करूंगा कि लोग हैरान हो जाएंगे। इसलिए मैंने दूसरे दिन की घोषणा का काम पहले दिन ही पूरा कर लिया। यह मेरी रणनीति थी और वह रणनीति काम कर गई।

बाइडन और मोहम्मद बिन सलमान के हाथ मिलाने के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी दोनों नेताओं से मित्रता है। उन्होंने कहा, हमने आईएमईसी पर काम किया है, जो सिल्क रूट की तरह एक बड़ा गेम चेंजर होने जा रहा है। खाड़ी देशों की सकारात्मक और सक्रिय भूमिका थी। भारत को अच्छी भूमिका निभाने का मौका मिला। अमेरिका और यूरोप हमारे साथ थे। सभी ने सोचा कि एक ठोस और सकारात्मक परिणाम होगा। इसलिए हम उस पर मिलते थे। पीएम ने आगे कहा, इसलिए सऊदी किंग और राष्ट्रपति बाइडन को एक साथ लाने का अवसर था और मेरी दोनों के साथ अच्छी दोस्ती है।

रॉबर्ट वाड्रा बोले- राज्यसभा जाकर लोगों की सेवा करूंगा

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। अमेठी से टिकट ना दिए जाने के बाद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने इशारा किया कि वो राज्यसभा सदस्य बनकर राजनीति में उतर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वो कुछ समय बाद राजनीति में जरूर उतरेंगे।

16 अप्रैल को वाड्रा ने कहा था कि अगर कांग्रेस को लगता है कि मैं बदलाव ला सकता हूं तो मैं एक्टिव पॉलिटिक्स में आ जाऊंगा। जरूरी नहीं कि मैं अमेठी से चुनाव लड़ूं, मैं मुरादाबाद या हरियाणा से भी लड़ सकता हूं। हालांकि कांग्रेस ने वाड्रा को टिकट नहीं दिया है।

मैं किसी को जवाब देने के लिए राजनीति में नहीं आना चाहता। मैं इस देश के लोगों की सेवा करना चाहता हूं, हो सकता है राज्यसभा के जरिए ऐसा करूंगा।

>14

बेटे से वोट डलवाने वाले भोपाल जिपं सदस्य पर एफआईआर

पीठासीन अधिकारी समेत पूरी पोलिंग पार्टी सस्पेंड

भोपाल, 9 मई (एजेंसियां)। नाबालिग बेटे से वोट डलवाने वाले भोपाल जिला पंचायत सदस्य विनय मेहर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वहीं, बूथ के पीठासीन अधिकारी संदीप सैनी, उनके सहायक सीआर बाथम, मनोज कुमार मौर्य और मदन गोपाल पटेल को सस्पेंड कर दिया गया है। बूथ पर तैनात प्रधान आरक्षक संतोष को लाइन अटैच किया गया है। भोपाल संसदीय सीट पर वोटिंग के दिन 7 मई को बैरसिया तहसील के मतदान केंद्र क्रमांक 71 खितवास पर मेहर ने नाबालिग बेटे से वोट डलवाया था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। वायरल होने के बाद इसे डिलीट भी कर दिया।

>14

अयोध्या के रामसेवकपुरम में लगी आग

6 से ज्यादा कॉटेज पूरी तरह जले, भगवान राम की दो प्रतिमाएं यहीं रखी हैं

अयोध्या, 9 मई (एजेंसियां)। अयोध्या के रामसेवकपुरम में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगने से भगदड़ मच गई। 6 से ज्यादा कॉटेज पूरी तरह जल गए। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन कॉटेज होने के चलते आग तेज हो गई। तुरंत दमकल को सूचना दी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के आग पर काबू पाया जा सका।

रामसेवकपुरम में ही भगवान राम की 3 मूर्तियां बनाई गई थी। इनमें से एक की राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। जबकि दो मूर्तियां अभी यहीं रखी हैं। दोनों मूर्तियां सुरक्षित हैं। राम मंदिर से रामसेवकपुरम की दूरी करीब 2 किमी है। यहां इस वक्त बहुमंजिला इमारत का निर्माण किया जा रहा है। करीब 60-70 लोग कॉटेज में रहते हैं।

दमकल अफसरों के मुताबिक, आग करीब 2.30 बजे लगी। शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट वजह बताई जा रही है। आग से रामसेवकपुरम में लाखों का नुकसान हुआ है।

विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया, आग कैसे लगी अभी ये पता नहीं चल सका है। धुआं उठते ही फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गई। लेकिन फायर प्रशासन ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने फायर ब्रिगेड की छोटी गाड़ी भेज दी। बड़े वाहन के न पहुंचने पर विहिप और रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभाला।

बाद में बड़ी गाड़ी के पहुंचने पर आग पर काबू पाया जा सका। इंस्पेक्टर मनोज शर्मा ने बताया कि आग से प्लास्टिक और कपड़े से बने 6 से ज्यादा कॉटेज जल गए हैं।

>14

हरियाणा में जेजेपी को तोड़ने की तैयारी

दो तिहाई बहुमत से पार्टी पर दावा ठोकेंगे बागी विधायक, दुष्यंत को बीजेपी पर शक

हिसार, 9 मई (एजेंसियां)। हरियाणा की जननायक जनता पार्टी (जजपा) में बड़ा सियासी खेल हो सकता है। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी की तर्ज पर यहां भी जजपा में टूट हो सकती है। जिसके बाद जजपा के बागी विधायक मिलकर जजपा पर अधिकार का दावा ठोक पार्टी को तोड़ सकते हैं। जजपा के बागी विधायक पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली ने इसके संकेत दिए हैं। जजपा के 10 में से 6 विधायक बागी हो चुके हैं। अब इन बागी विधायकों में से टोहाना से विधायक देवेंद्र बबली

ने 11 से 13 मई तक अपने घर पर समर्थकों की मीटिंग बुला ली है। यहां जजपा के बागी विधायक इकट्ठा होकर विधायक दल का नेता चुन सकते हैं और उसके बाद चुनाव आयोग के आगे जजपा पर दावा ठोक सकते हैं।

जजपा से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दुष्यंत चौटाला को शक है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे भाजपा हो सकती है। इसे देखते हुए ही उन्होंने हरियाणा की भाजपा सरकार के अल्पमत में होने का दावा करते हुए फ्लोर टेस्ट की मांग उठाई है। वहीं इसी बीच मनोहर लाल खट्टर ने पानीपत में जजपा के 3 बागी विधायकों से बात की है। सूत्रों की मानें तो इसमें सरकार गिरने की स्थिति में बागियों के समर्थन को लेकर चर्चा हुई।

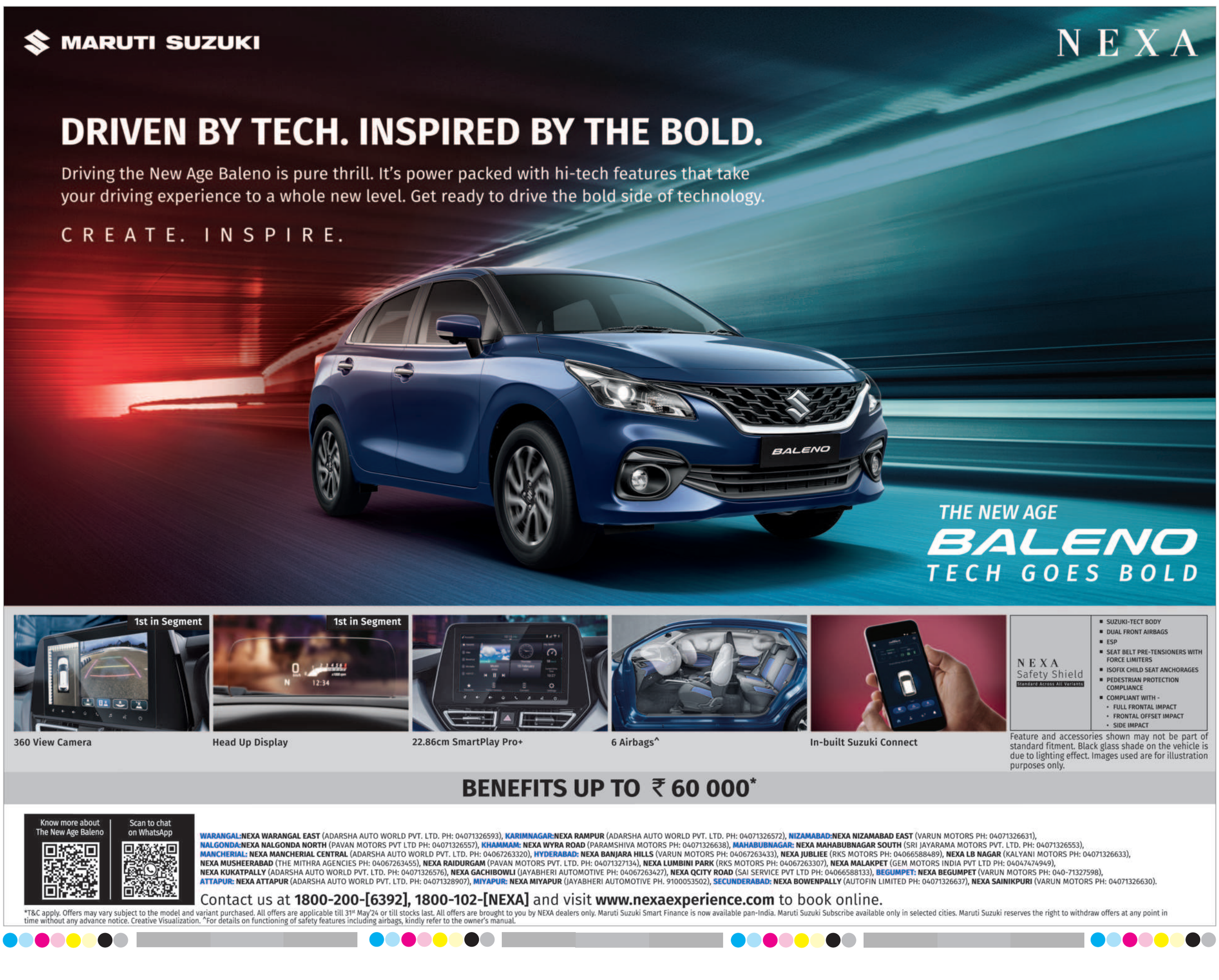

अफजाल अंसारी के साथ बेटी नुसरत ने भी खरीदा पर्चा

कोर्ट तय करेगा कौन लड़ेगा चुनाव

गाजीपुर, 9 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में एक जून को होने वाले मतदान के लिए गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सांसद अफजाल अंसारी के अलावा उनकी बेटी ने भी चार-चार सेट का नामांकन पत्र खरीदा है। गाजीपुर में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 14 मई अंतिम तिथि है। अफजाल और उनकी बेटी नुसरत अंसारी के पर्चा खरीदने पर चर्चा छिड़ गई है कि यहां से साइकिल की सवारी कौन करेगा। कृष्णानंद राय हत्याकांड में गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामले में गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने अफजाल को चार वर्ष की सजा सुनाई थी। इस फैसले को अफजाल ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है और 13 मई को इस पर सुनवाई होनी है।

माना जा रहा है कि यदि अफजाल को हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली तो अपनी जगह बेटी नुसरत को चुनाव लड़वा सकते हैं। गाजीपुर संसदीय सीट पर सात मई से नामांकन शुरू है। सपा से अफजाल अंसारी व बेटी नुसरत के नाम से चार-चार सेट पर्चे लिए गए। सपा हाईकमान ने अफजाल को प्रत्याशी घोषित किया है, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान पिछले दिनों आइएनडीआइए के घटक दलों की बैठक में अफजाल ने स्पष्ट किया कि अगर कोई विषम परिस्थिति पैदा होती है तो बेटी नुसरत ही राजनीतिक वारिस होंगी। उन्होंने नुसरत को अपने पास बुलाकर सबसे उनका परिचय भी कराया था। नुसरत भी पिता के पक्ष में प्रचार के लिए चुनाव मैदान में उतर गई हैं। मंदिरों में मत्था टेक रही हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज गरजे

लव जिहाद खूब हुआ, अब वोट जिहाद हो रहा; मंदिर तोड़ने की बात उठाई

बेगूसराय, 9 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री व बेगूसराय से भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी ने एक फिर से सुर्खियों में हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की दिशा देखें। देश में जो हो रहा है, वह देखें। पूरे देश में पीएम मोदी को हराने के लिए वोट जिहाद हो रहा है। लव जिहाद हुआ, लैंड जिहाद हुआ और अब वोट जिहाद हो रहा है। इस वोट जिहाद को टक्कर देना तो पीएम मोदी के साथ एक-एक सनातनी को खड़ा होना पड़ेगा। तभी इसे टक्कर दे पाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमसे तो आप लड़ लेंगे। आपका अधिकार है। हम आपके पास रहेंगे। हम आपकी बात को मानेंगे और सुनेंगे। लेकिन, यह समय तानाशाह का समय है। समय जरूर बदल गया। तारीख जरूर बदल गई है। लेकिन, माहौल बिगड़ते जा रहा है। आपको पता है इसी बेगूसराय में एक अतिपिछड़े समाज का मुखिया था। उसकी हत्या हो गई। आप जानते हैं उसकी हत्या क्यों हो गई? 60 प्रतिशत वहां हिन्दू थे। 40 प्रतिशत अन्य धर्म के थे। बीरेंद्र शर्मा की हत्या हो गई। यह हत्या नहीं चुनौती थी।

चुनावी संग्राम के बीच अदालत की तरफ रहेंगी लालू परिवार की निगाहें

जमीन के बदले नौकरी मामले में होगी सुनवाई

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। रेलवे में जमीन के बदले नौकरी मामले में शुक्रवार को सुनवाई होने वाली है। सीबीआई के इस केस में दिल्ली के राउज एवन्यू कोर्ट में 10 मई को ये अहम सुनवाई होगी। तत्कालीन रेल मंत्री लालू यादव समेत अन्य लोगों को आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए सीबीआई ने मामला दर्ज किया था। बीते मार्च महीने में इस मामले में तीसरी सप्लीमेंट्री चार्टशीट सीबीआई ने दाखिल की थी जिसमें भोला यादव को भी आरोपित बनाया गया है। वहीं इस मामले में आरोपित अमित कात्याल की जमानत याचिका पर फैसला अदालत ने पिछले दिनों टाल दिया था। जिसपर अब आगे सुनवाई होगी।

शुक्रवार को होगी अहम सुनवाई

रेलवे में जमीन के बदले नौकरी मामले में शुक्रवार 10 मई को अहम सुनवाई होगी। बता दें कि लालू यादव व उनके परिवार के कई सदस्य भी इस मामले में आरोपित हैं और कोर्ट से उन्हें जमानत मिली हुई है। सीबीआई ने इस मामले में कई अन्य लोगों को भी आरोपित बनाया है। जिसमें तत्कालीन रेलमंत्री लालू यादव के सचिव रह चुके भोला यादव को भी जांच एजेंसी ने अपने रडार पर लिया है। 6 मार्च को भोला यादव को आरोपित बनाते हुए सीबीआई ने तीसरी सप्लीमेंट्री चार्टशीट दाखिल की थी। पूरक चार्जशीट में सीबीआई ने कहा है कि भोला यादव ही लालू यादव का सारा काम देखते थे और अफसरों को निर्देश देते थे।

अमित कात्याल की जमानत याचिका

गौरतलब है कि रेलवे के लैंड फॉर जॉब मामले में जांच एजेंसी ने अमित कात्याल को भी आरोपित बनाया है और हाल में ही राऊज एवेन्यू कोर्ट में अमित कात्याल की जमानत याचिका पर फैसला टला है। इससे पहले कोर्ट ने फरवरी में इस मामले में कई आरोपितों को जमानत दी है। जमानत लेने वालों में पूर्व सीएम राबड़ी देवी, राजद सांसद मीसा भारती, हेमा यादव समेत अन्य आरोपित हैं। ईडी ने इस मामले में जांच के दौरान अमित कात्याल को गिरफ्तार किया था।

क्या है लैंड फॉर जॉब मामला

बता दें कि रेलवे में जमीन के बदले नौकरी का यह मामला उस दौरान का है जब लालू यादव रेलमंत्री थे। आरोप है कि जमीन को औने-पौने दाम में लिखवाकर रेलवे में नौकरी दी गयी। लालू परिवार के कई सदस्य इस मामले में जांच एजेंसियों के रडार पर चढ़े। लालू यादव और तेजस्वी यादव को ईडी ने अपने दफ्तर में भी बुलाया था और दोनों से लंबी पूछताछ चली थी।

उपेंद्र कुशवाहा इधर प्रचार में थे व्यस्त

लालू यादव ने कर दिया खेला; चुनाव के बीच बड़ा झटका

सासाराम, 9 मई (एजेंसियां)। (रोहतास)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के प्रदेश उपाध्यक्ष व लोजपा के पूर्व प्रत्याशी शिवशंकर सिंह कुशवाहा ने अपने कार्यकर्ताओ के साथ राजद की सदस्यता प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की उपस्थिति में ग्रहण किया।

शिवशंकर कुशवाहा ने बताया की राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की नीति तथा तेजस्वी के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर वे राजद में शामिल हुए हैं। उन्होंने उपेंद्र कुशवाहा पर कई आरोप लगाए और कहा कि वे अपनी राजनीतिक लाभ के लिए समाज के किसी भी नेता को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते हैं। कहा कि वे शुरू से ही महिलाओं और पिछड़ों के सम्मान की लड़ाई लड़ते रहे हैं।

काराकाट से चुनाव लड़ रहे उपेंद्र कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा एनडीए की तरफ से काराकाट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ पवन सिंह और भाकपा (माले) से राजाराम सिंह कुशवाहा मैदान में हैं।

प्रयागराज में एसडीएम ज्योति मौर्य के देवर पर जानलेवा हमला, घर के ही मेंबर पर लगा आरोप

प्रयागराज, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एसडीएम ज्योति मौर्य के देवर पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। जिस कारण उनके सिर पर गंभीर चोट लगी है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। ज्योति मौर्य के देवर ने हमला करवाने का आरोप अपनी ही पत्नी पर लगाया है। जिसके बाद, पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, विनोद कुमार मौर्य प्रयागराज के गंगानगर में रहते हैं। बुधवार को कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी और अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। विनोद की तहरीर पर उनकी पत्नी सुभ्रा और उनके कई सार्थियों के खिलाफ जानलेवा हमले की एफआइआर दर्ज की गई है। बता दें, शुभ्रा पेशे से टीचर हैं। इस घटना के बाद से एक बार फिर एसडीएम ज्योति मार्य चर्चा में आ गई हैं। क्योंकि हमले की आरोपित सुभ्रा ज्योति मौर्या की देवरानी हैं। और जिन पर हमला हुआ वो ज्योति मौर्य के देवर हैं। बता दें, एसडीएम ज्योति मौर्य ने अपने देवर विनोद, पति सहित कई लोगों पर दहेज उत्पीडन का केस दर्ज कराया था। जानकारी के मुताबिक, विनोद कुमार मौर्य जीएसटी विभाग में कर्मचारी हैं। उनका आरोप है कि दो दिन पहले पत्नी सुभ्रा अपने कई साथियों के साथ प्लाट पर आई और सभी ने मिलकर हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि पत्नी- पत्नी के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मामले में एफआइआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उधर दूसरी तरफ, एसडीएम ज्योति मौर्य और उनके सफाई कर्मी पति आलोक कुमार मौर्य के बीच विवाद तलाक की अर्जी पर प्रयागराज की फैमिली कोर्ट में लगातार सुनवाई हो रही है।

'पत्नी के रहते मुस्लिम शख्स लिव-इन रिलेशन के अधिकारों का दावा नहीं कर सकता'

इलाहाबाद हाईकोर्ट का पूरा फैसला क्या है

प्रयागराज, 9 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट का कहना है कि इस्लाम का पालन करने वाला कोई भी शादीशुदा शख्स लिव इन रिलेशनशिप में रहने के अधिकार का दावा नहीं कर सकता। वह भी ऐसी स्थिति में जब उनका जीवनसाथी जीवित हो।

इस्लाम में इस तरह के संबंधों की इजाजत नहीं है।

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कहा कि इस्लाम में शादी के दौरान लिव इन रिलेशनशिप में रहने की इजाजत नहीं है। अगर पुरुष और महिला अविवाहित और बालिग हैं तो, बेशक स्थिति अलग हो सकती है और वे अपने हिसाब से जिंदगी जी सकते हैं। जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस एके श्रीवास्तव की पीठ ने उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के रहने वाले स्नेहा देवी और मोहम्मद शदाब खान की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि वे दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं लेकिन महिला के परिजनों ने खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है कि उसने उनकी बेटी को अगवा कर उससे शादी कर ली। इस पर याचिकाकर्ताओं ने पुलिस सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि वे दोनों व्यस्क हैं और लिव इन रिलेशनशिप में रह सकते हैं।

कोर्ट ने क्या कहा ?

लेकिन इस दौरान पीठ को पता चला कि शादाब खान पहले से शादीशुदा है। उसकी 2020 में फरीदा खातून नाम की महिला से शादी हुई थी और दोनों का एक बच्चा भी है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने उनकी पुलिस सुरक्षा की मांग ठुकरा दी। कोर्ट ने कहा कि इस्लाम में इस तरह के संबंधों की इजाजत नहीं दी गई है। हाईकोर्ट का कहना है कि वैवाहिक संस्थानों के मामले में संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक नैतिकता में संतुलन बनाने की जरूरत है। ऐसा ना होने पर समाज में शांति और सौहार्द कायम नहीं रह सकेगा। यह कहते हुए पीठ ने महिला (स्नेहा देवी) को उसके परिजनों के पास भेजने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि जब किसी नागरिक के वैवाहिक स्थिति की व्याख्या पर्सनल लॉ और संवैधानिक अधिकारों दोनों कानूनों के तहत की जाती है, तब धार्मिक रीति-रिवाजों को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि एक बार जब हमारे संविधान में रीति-रिवाजों और प्रथाओं को वैध कानून के रूप में मान्यता मिल जाती है, तब ऐसे कानून भी उचित मामले में लागू होते हैं। इस्लाम में आस्था रखने वाला कोई भी शख्स लिव इन रिलेशनशिप के अधिकार का दावा नहीं कर सकता, खासकर तब जब उनका जीवनसाथी जीवित हो।

स्वामी प्रसाद मौर्य को रास नहीं आया मायावती का फैसला

कहा- 'डेढ़ साल बाद उनको लगा कि आकाश आनंद अपरिपक्व है'

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। जिस पर स्वामी प्रसाद मौर्य की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि मायावती को अब डेढ़ साल बाद पता चला है कि आकाश आनंद अपरिपक्व हैं।

दरअसल बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को दोनों महत्वपूर्ण पदों से हटाते हुए उन्हें अपरिपक्व बताया था। जिसे लेकर राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने मायावती पर ही सवाल उठाए और बसपा सुप्रीमो को ही अपरिपक्व बता दिया।

उन्होंने कहा कि डेढ़ वर्ष बाद मायावती को लगा है आकाश आनंद इम्योच्योर (अपरिपक्व) है। लेकिन, आकाश आनंद को जिम्मेदारी देने में ही मायावती का निर्णय अपरिपक्व था।

मायावती के फैसले पर बोले मौर्य

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बसपा ने आकाश आनंद को भाजपा के खिलाफ दिए गए बयान की वजह से हटाया है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद को हटाए जाने की असल वजह हाल में भाजपा को लेकर उनका दिया गया बयान बना है। इस दौरान उन्होंने ईवीएम और नीरव मोदी को लेकर भी भाजपा को घेरा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने नीरव मोदी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा, कि अधिकतर पैसा तो भाजपाईयों ने ही डकारा है। वहीं ईवीएम पर सवाल उठाते हुए मौर्य ने निशाना साधा और कहा कि टेक्नोलॉजी है इसमें कुछ भी सम्भव है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने जिस तरह से बीच चुनाव में आकाश आनंद को सभी पदों से हटाया है उसे लेकर विपक्षी दलों द्वारा कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि आकाश आनंद ने जिस आक्रामक अंदाज से भाजपा को घेरा था वो मायावती को पसंद नहीं आया। वहीं बसपा सुप्रीमो की इस कार्रवाई पर आकाश आनंद की भी प्रतिक्रिया आई है उन्होंने मायावती के फैसले को सिर माथे पर रखते हुए कहा कि उनके संघर्ष की वजह से बहुजन समाज ने सम्मान से जीना सीखा है।

होमगार्ड की वर्दी मिलते ही पत्नी को दहेज लाने भेजा और दूसरी लड़की से कर ली शादी

भागलपुर, 9 मई (एजेंसियां)। भागलपुर जिले के बाखरपुर निवासी सोनम कुमारी ने अपने पति पर दहेज प्रताड़ना और जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि दहेज नहीं मिलने के कारण रंजीत ने प्रियंका नामक दूसरी लड़की से शादी भी कर ली है। सोनम ने एसपी को बताया कि रंजीत कुमार की 11 मई 2011 को सोनम कुमारी से शादी हुई। शादी के कुछ ही दिन बाद पति-पत्नी में दहेज की बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। हालांकि उसके पिता ने शादी के वक्त ही डेढ़ लाख कैश और सामान दिए थे। इस बीच होमगार्ड की नौकरी लगते ही रंजीत ने दहेज की रकम बढ़ाकर पांच लाख कर दी। किसी तरह से सोनम भाग कर अपने ननिहाल पहुंच गई। लेकिन इस बीच रंजीत ने दूसरी लड़की से शादी कर ली। होमगार्ड का मामला देखकर पुलिस ने कुछ नहीं किया। सोनम ने बताया कि वह शादी के कुछ महीने बाद से ही पति का घर छोड़ मायके में रह रही है।

स्मृति ईरानी ने दी राहुल-प्रियंका गांधी को बहस की चुनौती

कहा- 'दम है तो दोनों भाई-बहन एक तरफ और भाजपा के एक प्रवक्ता एक तरफ'

अमेठी, 9 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लगातार अमेठी और रायबरेली के चुनाव प्रचार में जुटी हुई है और अपने आक्रामक अंदाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमले कर रही है। प्रियंका ने कहा कि पीएम मोदी मुद्दों की बात नहीं करते जिस पर अमेठी से भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी ने पलटवार करते हुए चुनौती दी कि कांग्रेस खुद मुद्दों से भाग रही है। पता चल जाएगा किसमें कितना दम है। सांसद स्मृति ईरानी ने प्रियंका गांधी के बयान पर जवाब देते चुनौती दी और कहा, मेरी आज इन सबको चुनौती है।।आप अपना चैनल पिक करिए, एंकर चुनिए। मुद्दा चुनिए। स्थल चुनिए। तारीख चुनिए।।दोनों भाई बहन एक तरफ और भाजपा के एक प्रवक्ता एक तरफ़।।दूध का दूध, पानी का पानी वहीं हो जाएगा किसमें कितना दम है। स्मृति ईरानी ने कहा, कांग्रेस पार्टी खुद मुद्दों से भाग रही है। अगर मुद्दों पर बात करने का दम है तो फिर कहती हूं चैनल बताएं,रिपोर्टर बताएं।।स्थल बताएं। तारीख बताएं।। मुद्दा बताएं। हमारी पार्टी से सुधांशु त्रिवेदी जी है काफी हैं। दोनों भाई-बहन एक तरफ और त्रिवेदी जी एक तरफ।।पता चल जाएगा। दरअसल उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी ने जब से चुनाव प्रचार की कमान संभाली है, तब से यहां की सियासत गर्माई हुई है। ओबीसी रिजर्वेशन में मुस्लिमों का आरक्षण देने के सवाल पर प्रियंका गांधी ने बीजेपी पर लोगों को भटकाने के लिए झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाया और पीएम मोदी को चुनौती दी थी कि पीएम मोदी उनके भाई राहुल गांधी से महंगाई, रोज़गार और गरीबी जैसे मुद्दों पर बहस करें हम तैयार हैं।

हत्या या आत्महत्या : मीरगंज में दो बहनों की मौत, वजह प्रेम प्रसंग या कुछ और

बरेली, 9 मई (एजेंसियां)। फतेहगंज पश्चिमी के गांव सफरी में दो सगी बहनों के शव मिले। दोनों बहनों के गले में निशान फंदे के हैं। एक जहर की शीशी भी मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस बल मौके पर पहुंच गए। पिता की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले देवर-भाभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर प्रेम प्रसंग में आत्महत्या मान रही है।

ससुराल में रहते हैं दोनों बहनों के पिता

मूलरूप से भोजीपुरा के गांव मुकुंदपुर निवासी उत्तम चंद काफी समय से अपनी ससुराल गांव सफरी में परिवार के साथ रहते हैं। उत्तम चंद ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी कल्पना ने 12वीं और तुलसी ने 11वीं की परीक्षा पास की थी। बुधवार दोपहर बाद वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ खेत में काम करने के लिए गए थे। शाम को सात बजे खेत से वापस आए तो उनके घर का दरवाजा खुला था। अंदर पहुंचे तो उनकी दोनों बेटियों के शव फंदे पर लटके मिले। दो बेटियों की मौत के बावजूद परिजनों के चेहरे पर कोई सिकन नहीं थी। ऐसे में पुलिस परिजनों से भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस पहुंची तो जमीन पर पड़ा था बड़ी बेटी का शव

सूचना पर पुलिस पहुंची तो बड़ी बेटी कल्पना (18) का शव जमीन पर पड़ा था, जबकि उसकी छोटी बहन तुलसी (17) का शव छत में कुंडे के सहारे साड़ी के फंदे से लटक रहा था। घर में ही जहर की एक शीशी भी पड़ी हुई थी। देर रात पुलिस ने वीडियोग्राफी के बाद दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। आईजी डॉ। राकेश सिंह, एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान, एसपी देहात दक्षिणी मुकेश चन्द मिश्रा समेत फॉरेन्सिक टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की। पुलिस ने पिता की तहरीर पर पड़ोसी महिला चांदनी मौर्या और उसके देवर आकाश मौर्या के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आकाश ने तुलसी को दिया था फोन

पुलिस जांच में सामने आया कि तुलसी की मां आरोपी आकाश के बाबा दयाराम की बहन हैं। आकाश का तुलसी के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। आकाश दिल्ली में काम करता है। उसने तुलसी को एक मोबाइल फोन दिया था। जिसे उसके परिजनों ने पकड़ लिया था। यह बात आकाश को पता चली तो आकाश हाल ही में दिल्ली से आया और तुलसी को एक नया फोन दिया। जिसमें अभी सिम भी नहीं लगे थे। दोनों के प्रेम प्रसंग में आकाश की भाभी भी मदद करती थी। इसका परिजनों ने कई बार विरोध भी किया था। पुलिस जांच में पता चला है कि कल्पना अपनी छोटी बहन और उसके प्रेमी आकाश की मदद करती थी। वह दोनों के बारे में परिजनों को भी बताती थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी कार्रवाई

एसएसपी घुले सुशील कुमार ने कहा कि पुलिस को दो सगी बहनों के आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। पिता की तहरीर पर युवक और उसकी भाभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

100 वारंट के बाद भी पेश नहीं हुए सपा विधायक रफीक अंसारी, 29 साल पुराना केस अब पड़ा भारी

मेरठ, 9 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक रफीक अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। 100 वारंट के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं होने और 29 साल बाद हाईकोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने 1995 के एक मामले में अंसारी के खिलाफ आपराधिक केस को रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें 1997 और 2015 के बीच लगभग 100 गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट के सामने पेश नहीं हुए। जस्टिस संजय कुमार सिंह ने अंसारी की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। जस्टिस का कहना है कि मौजूदा विधायक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट पर ध्यान न देना और उन्हें विधानसभा सत्र में भाग लेने की इजाजत देना एक खतरनाक और गंभीर मिसाल कायम करेगा। गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे लोगों को कानूनी जवाबदेही से बचने की अनुमति देकर हम कानून के प्रति दंडमुक्ति और अनादर की संस्कृति को कायम रखने का जोखिम खड़ा करते हैं। रफीक अंसारी ने धारा 482 के तहत एक याचिका दाखिल की थी। उनकी मांग थी कि मेरठ में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में आपराधिक मामला चल रहा है, जिसे रद्द किया जाए। ये केस 1995 में मेरठ के नौचंदी थाने में दर्ज किया गया था। मामले की जांच के बाद पहली चार्जशीट 22 आरोपियों के खिलाफ दायर की गई थी। इसके बाद विधायक अंसारी के खिलाफ एक और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की गई। जिसको लेकर मेरठ कोर्ट अगस्त 1997 में संज्ञान लिया था।

अंसारी ने हाईकोर्ट में दी ये दलील

विधायक अंसारी कोर्ट में सुनवाई के दौरान पेश नहीं हुए। इसके बाद उनके खिलाफ 12 दिसंबर 1997 को एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया। इसके बावजूद भी वह पेश नहीं हुए। उनके खिलाफ लगातार गैर-जमानती वारंट जारी होते रहे, जिनकी संख्या 101 है। वहीं, इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अंसारी की ओर से पेश हुए वकील ने दलील दी कि अंसारी के खिलाफ आपराधिक मुकदमे को मूल रूप से 22 आरोपियों को बरी किए जाने के आधार पर रद्द किया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 10 मई, 2024 5

युविचार

अपनी वाणी को जितना हो सके निर्मल और पवित्र रखे क्योंकि संभव है कि कल आपको उन्हें वापस लेना पड़ सकता है।

भारतीय संविधान खतरे में है : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोकसभा चुनाव लोगों के लिए जीवन-मरण का सवाल है, क्योंकि भारतीय संविधान अब खतरे में है।

गुरुवार को एलबी नगर के सरूर नगर स्टेडियम में जन जतरा सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान में संशोधन करने और आरक्षण को खत्म करने की कोशिश कर रही है, जिससे देश में एससी, एसटी और बीसी के संवैधानिक अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देने का आग्रह किया, जो लोगों के अधिकारों की रक्षा करती है और आरक्षण और संविधान की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा, अगर आरक्षण को लागू करना है और संविधान की रक्षा करनी है, तो केंद्र में इंडिया गठबंधन को सत्ता में आना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जहर उगलने के लिए भाजपा नेताओं की भी आलोचना की और कहा कि वे चुनाव में लाभ पाने के लिए लोगों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

वोटों की खातिर कर रहे नाटक : रेड्डी

सीएम ने नवनीत राणा की टिप्पणी पर की आलोचना

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी के 2013 के भड़काऊ बयान के जवाब में भाजपा नेता नवनीत राणा की टिप्पणी पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल 'वोटों' की खातिर 'नाटक' का सहारा ले रहा है। नवनीत ने अकबरुद्दीन की 2013 की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कि उनके समुदाय को यह दिखाने में सिर्फ '15 मिनट' लगेंगे कि वह देश में जनसांख्यिकीय संतुलन सुनिश्चित करने के लिए क्या कर सकते हैं? उन्होंने कहा था कि अगर पुलिस को हटा दें तो हमें 15 सेकंड का समय लगेगा।

गुरुवार को सीएम रेड्डी ने कहा कि मुझे अकबरुद्दीन का बयान याद नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हताशा भरे बयान दे रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें पर्याप्त वोट नहीं मिल रहे हैं। हालांकि, तेलंगाना के लोग बहुत चतुर और बुद्धिमान हैं और उन्हें ऐसे उत्तेजक बयानों से मूर्ख नहीं बनाया जा सकता है जो केवल वोट हासिल करने के लिए हैं। यह वोट के लिए नाटक के अलावा कुछ नहीं है। मैं भाजपा नेताओं को सलाह दूंगा कि वे वोट हासिल करने के लिए यह सब नाटक बंद करें।

सत्तारूढ़ दल 'वोटों' की खातिर 'नाटक' का सहारा ले रहा है

'कुटिल नेताओं' को रोकने के लिए करो वोट

केटीआर ने युवाओं से की अपील

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने युवाओं से आग्रह किया कि वे लंबे सप्ताहांत का बहाना बताकर 13 मई को लोकसभा चुनाव में मतदान न छोड़ें। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने आगाह किया कि इससे बचने से 'कुटिल और चोर नेताओं' को अनियंत्रित रूप से सत्ता पर दावा करने में मदद मिल सकती है। गुरुवार को मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र में बीआरएस युवा नेताओं के साथ बातचीत करते हुए रामा राव ने युवाओं से अपने वोटों के माध्यम से कांग्रेस के 5 महीने के शासन पर अपना फैसला देने को कहा।

उन्होंने पानी और बिजली संकट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में विफलता के लिए कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने अपने चुनावी वादों को पूरा करने और कंपनियों को दूसरे राज्यों में स्थानांतरित होने से रोकने के उपाय शुरू करने में कांग्रेस की विफलता पर भी सवाल उठाया, जिससे नौकरी के अवसर कम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी शर्तें तय करेंगे और उनके सांसद उनकी बात सुनेंगे। लेकिन बीआरएस सांसद संसद में तेलंगाना के अधिकारों के लिए लड़ेंगे। रामा राव ने नफरत और भय फैलाने वाली, हिंदू धर्म या पाकिस्तान जैसी विभाजनकारी राजनीति के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने भाजपा के ट्रैक रिकॉर्ड को चुनौती दी और अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान खासकर हैदराबाद के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस को 12-14 लोकसभा सीटें दें, छह महीने के भीतर के चंद्रशेखर राव राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

केंद्र राज्यों के अधिकार छीन रहा है : कांग्रेस

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक कपिलवई दिलीप कुमार ने आरोप लगाया है कि केंद्र की भाजपा सरकार राज्यों के अधिकार छीन रही है और अपनी शक्तियों से राज्यों पर हावी होने की कोशिश कर रही है। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए दिलीप कुमार ने पूर्व मंत्री पुष्प लीला और कांग्रेस प्रवक्ता लिंगम यादव के साथ कहा कि केंद्र सरकार पंचायत राज अधिनियम के दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रही है और ग्राम पंचायतों के फंड पर भी नियंत्रण करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आई तो लोग अपने अधिकार खो देंगे। इसके अलावा राज्य सरकारें स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पाएंगी और उनके अधिकार पूरी तरह खत्म होने का खतरा है। पूर्व एमएलसी दिलीप कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अबकी बार 400 पार' नारे का भी मजाक उड़ाया और कहा कि भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव में 200 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी देश में सत्ता में आएगी और राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री होंगे। पूर्व मंत्री पुष्पा लीला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ग्राफ 100 फीसदी गिर चुका है और इस बार भाजपा के सत्ता में वापस आने की संभावना नहीं है। मोदी अब हताशा में हैं, उन्हें इस बात का अहसास हो गया है कि वह दोबारा प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। उन्होंने अपने दिमाग पर नियंत्रण खो दिया है और वह समझ नहीं पा रहे हैं कि विभिन्न मुद्दों पर वह क्या बोल रहे हैं।

तेलंगाना का छात्र अमेरिका में लापता

पुलिस के संपर्क में है भारतीय वाणिज्य दूतावास

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना का 25 वर्षीय छात्र अमेरिका के शिकागो में लापता हो गया है। शिकागो में भारतीय वाणिज्य दूतावास उसका पता लगाने के लिए अमेरिकी पुलिस और भारतीय प्रवासियों के संपर्क में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्र की पहचान रूपेश चंद्र चिंताकिंडी के रूप में हुई है, जो कॉनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी, विस्कॉन्सिन से मास्टर डिग्री कर रहा है। छात्र के पिता सीएच सदानंदम, जो तेलंगाना के हनमकोंडा जिले के मूल निवासी हैं, ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को पत्र लिखकर रूपेश चंद्र का पता लगाने में मदद का आग्रह किया।

किशन रेड्डी के कार्यालय ने 8 मई को विदेश मंत्रालय को लिखे एक पत्र में शिकागो में भारतीय वाणिज्य दूतावास से लापता छात्र का पता लगाने में मदद करने का आग्रह किया। सदानंदम ने बताया कि 2 मई की दोपहर को उनकी अपने बेटे से व्हाट्सएप पर बात हुई थी। कॉल के बाद वह ऑफलाइन हो गया। हालांकि परिवार ने रूपेश के रूममेट्स से उसके बारे में पता लगाने की कोशिश की, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है। उसके रूममेट्स ने छात्र के परिवार को सूचित किया कि वह टेक्सास से किसी से मिलने गया था। कोई नहीं जानता कि वह व्यक्ति कौन था।

अमेरिका के शिकागो में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने स्थानीय पुलिस के संपर्क में रहते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा कि वाणिज्य दूतावास यह जानकर बहुत चिंतित है कि भारतीय छात्र रूपेश चंद्र चिंताकिंडी 2 मई से संपर्क में नहीं है। वाणिज्य दूतावास पुलिस और प्रवासी भारतीयों के साथ संपर्क में है और रूपेश से संपर्क स्थापित करने की उम्मीद कर रहा है। हाल ही में हैदराबाद का 25 वर्षीय छात्र मोहम्मद अब्दुल अरफात अमेरिका के शहर क्लीवलैंड में लापता हो गया। बाद में वह मृत पाया गया। तेलंगाना के छात्र रूपेश के मामले में अमेरिका के शिकागो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास जल्द से जल्द उसका पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

दोषियों को दी जाएगी सजा

रोहित वेमुला मामले पर बोले सीएम रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के पीएचडी विद्वान रोहित वेमुला की मौत के मामले में 'विस्तृत जांच' की जाएगी और कहा कि दोषियों को दंडित किया जाएगा। तेलंगाना के सीएम ने कहा कि क्लोजर रिपोर्ट 2019 में ही दे दी गई थी। हाल के दिनों में यह कोर्ट के सामने आया। जैसे ही हमें पता चला हमने मामले को दोबारा खोला। मामले की जांच अपराध शाखा, अपराध जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) कर रही है। विस्तृत जांच की जाएगी और दोषियों को दंडित किया जाएगा।

राजा सिंह, जी नागेश पर एमसीसी उल्लंघन का मामला

निर्मल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जी नागेश और पार्टी के एक स्थानीय नेता महेंद्र पर बुधवार शाम को खानापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते समय आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया। खानापुर इंस्पेक्टर सईदराव ने कहा कि वीडियो निगरानी टीम के प्रभारी राजू से मिली शिकायत के आधार पर शहर के एक जंक्शन पर पुलिस द्वारा अनुमति समय से परे रैली आयोजित करने के लिए राजा सिंह, नागेश और महेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

नाबालिग से रेप के दोषी को 10 साल की सजा

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर की एक फास्ट ट्रैक अदालत ने गुरुवार को सरूरनगर में 2017 में दर्ज एक नाबालिग लड़की के बलात्कार मामले में एक युवक को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 11,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने पीड़िता को 1 लाख रुपये का मुआवजा दिया। मई 2017 में दोषी मोहम्मद खाजा मोइनुद्दीन (19), जो सरूरनगर के कर्मनघाट का एक निजी कर्मचारी है, ने लड़की को खाने का लालच देकर अपने घर में बुलाया और बलात्कार किया। पीड़िता के माता-पिता की शिकायत पर सरूरनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया और बाद में खाजा मोइनुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। रचाकोंडा के पुलिस आयुक्त तरुण जोशी ने जांच अधिकारी और टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें पुरस्कार देने की घोषणा की।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

तेजस जाजू
माता : निशा जाजू
पिता : हरिगोपाल जाजू

वंदे भारत ट्रेन: देश के लिए एक आशाजनक यात्रा का अनुभव

2 करोड़ 15 लाख से अधिक लोग यात्रा कर चुके

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे छोटी दूरी, लंबी दूरी, आरक्षित, अनारक्षित आदि का संचालन करके आबादी के सभी वर्गों को किफायती परिवहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, देश भर में वंदे भारत ट्रेनों की 102 सेवाएं संचालित की जाती हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस लोकप्रिय ट्रेन के रूप में उभरी है। दमरे के अनुसार वंदे भारत ट्रेनों की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च, 2024 तक 2 करोड़ 15 लाख से अधिक लोग इससे यात्रा कर चुके हैं। 07 मई 2024 को वंदे भारत ट्रेनों की ऑक्यूपेंसी 98 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2024-25 में 7 मई तक औसत ऑक्यूपेंसी 103 प्रतिशत होने के साथ वंदे भारत ट्रेन सेवाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान वंदे भारत ट्रेनों की कुल ऑक्यूपेंसी 96 प्रतिशत से अधिक रही। वंदे भारत एक्सप्रेस लोगों को हवाई यात्रा जैसा अनुभव प्रदान कर रही है। यही वजह है कि लोग वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा करना पसंद करते हैं। एक तरह से वंदे भारत एक्सप्रेस विकास, आधुनिकता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का पर्याय बन गई हैं। देश भर के कुल 284 जिले वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा से जुड़ चुके हैं। भविष्य में यह संख्या बढ़ती रहेगी। रेलवे नेटवर्क के 100 रूटों पर कुल 102 वंदे भारत ट्रेनें सेवाएं दे रही हैं।

वंदे भारत ट्रेनों ने एक साल में पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर दूरी तय की :

वित्तीय वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों द्वारा तय की गई दूरी, यानी अप-डाउन मूवमेंट की मात्रा, पृथ्वी का लगभग 310 चक्कर लगाने के बराबर है। रेल यात्रियों के बीच वंदे भारत की लोकप्रियता को देखते हुए अब वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए बहुत तेजी से काम चल रहा है।

वंदे भारत को खास बनाने वाली खूबियां :

वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी कोच में ऑटोमेटिक दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, वाई-फाई सेवा और आरामदायक सीटें लगी हैं। एग्जीक्यूटिव कोच में 180 डिग्री घूमने वाली सीटों की अतिरिक्त सुविधा है। सभी कोच में गर्म खाना और कोल्ड ड्रिंक परोसने के लिए पेंट्री की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, स्पीड, सुरक्षा और आराम इस ट्रेन की खासियत हैं। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए वंदे भारत ट्रेन में रीजेनरेटिव ब्रेक सिस्टम लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच साउंड प्रूफ हैं। इसके अलावा वंदे भारत एक्सप्रेस के नए डिजाइन में हवा को शुद्ध करने के लिए रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट (आरएमपीयू) में फोटो-कैटेलिटिक अल्ट्रावॉयलेट एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगाया गया है।

शहीद श्रीकांत चारी की मां शंकरम्मा कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य आंदोलन के अंतिम चरण के पहले शहीद कासुजू श्रीकांत चारी की मां कासोजू शंकरम्मा ने बीआरएस छोड़ दी और अपने पूर्व राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की उपस्थिति में गुरुवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। कांग्रेस का 'खंडुवा' (तिरंगा दुपट्टा) पहनने के बाद गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि बीआरएस द्वारा उनके परिवार के साथ अन्याय किया गया। उन्होंने कहा कि यह मेरे बेटे श्रीकांत का सर्वोच्च बलिदान था, जिसने यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को तेलंगाना राज्य बनाने के लिए प्रेरित किया था।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि हालांकि शंकरम्मा ने अतीत में बीआरएस पर उनके खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन उनके बीच कोई गलत भावना नहीं थी। उन्होंने कहा कि नलगोंडा लोकसभा क्षेत्र में हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र से बीआरएस का लगभग सफाया हो गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तम कुमार ने इस सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि कांग्रेस को निश्चित रूप से 13 सीटें मिलेंगी, लेकिन कहा कि आलाकमान ने 15 सीटें देने का लक्ष्य दिया है।

मतदान तक शराब की बिक्री पर प्रतिबंध

11 मई को शाम 6 बजे से 14 मई को शाम 6 बजे तक लागू रहेंगे प्रतिबंध

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचाकोंडा पुलिस ने 13 मई को होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव मतदान के संबंध में आंदोलन और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध 11 मई को शाम 6 बजे से 14 मई को शाम 6 बजे तक लागू रहेंगे। राचनकोंडा पुलिस ने गुरुवार को कहा कि रंगा रेड्डी, मेडचल-मलकजगिरी और यादगिरी भुवनगिरी जिलों के सभी मतदाताओं को कतारें बनानी होंगी, एक पुरुषों के लिए और दूसरी महिला मतदाताओं के लिए। पुरुषों एवं महिलाओं के लिए एक से अधिक कतार बनाने की अनुमति नहीं है।

सर्कुलर में कहा गया है कि 13 मई को मतदान के दिन राचाकोंडा पुलिस क्षेत्राधिकार के तहत धारा 144 लागू की जाएगी, जिससे एक स्थान पर 4 से अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि यह 5 से कम व्यक्तियों के घर-घर जाने पर प्रतिबंध नहीं लगाता है। नागरिकों को जुलूसों में झंडे के साथ या उसके बिना लाठी या कोई अन्य हथियार ले जाने पर भी प्रतिबंध है। रचाकोंडा पुलिस ने मतदान केंद्रों से 1 किलोमीटर के दायरे में बड़ी सभाओं या बैठकों पर भी रोक लगा दी है।

रचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय की संपूर्ण सीमा में जनता को संबोधित करने के लिए लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मतदान के दिन नागरिकों को शामियाना और पंडाल लगाने से भी मना किया गया है। जनता को संबोधित करने के लिए संगीत, गायन या भाषण या कोई अन्य वाद्ययंत्र भी प्रतिबंधित है।

प्रारूप सी-1

(अभ्यर्थी के लिए समाचार पत्रों, टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा:

(माननीय सर्वोच्च न्यायालय की रिट याचिका-डब्ल्यूपी (सिविल) नं.536 वर्ष 2011 के निर्णय दि.25 सितंबर, 2018 के अनुसार (पब्लिक इन्टरेस्ट फाउण्डेशन एण्ड अदर्स बनाम युनियन आफ इण्डिया एण्ड अनदर)

अभ्यर्थी का नाम व पता: **श्रीनिवास यादव गड्डम** सुपुत्र स्व.जी. गंगाधर, (आयु 55 वर्ष), निवास स्थल-म.नं.15-3-405/407, गौलीगुडा चमन, हैदराबाद पिन 500012, तेलंगाना

राजनीतिक दल का नाम: भारत राष्ट्र समिति

चुनाव का नाम:: हाउस आफ पीपल

निर्वाचन क्षेत्र का नाम: 09 हैदराबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, तेलंगाना राज्य

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम, क्रम सं.319, भाग सं.151)

मैं, श्रीनिवास यादव गड्डम, उपरोक्त चुनाव का अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए, मेरे आपराधिक पृष्ठभूमि से संबंधित निम्न विवरण की घोषणा करता हूं।

(5) लंबित आपराधिक मामले:

(ए)	संबंधित पुलिस स्टेशन का नाम व पता-सहित एफआयआर नं.	एफआयआर नं.188/2023, सुल्तान बाजार पीएस	एफआयआर नं.134/2018, काचीगुडा पीएस	एफआयआर नं.1/2010, सीआयडी पीएस हैदराबाद
(बी)	न्यायालय के नाम सहित केस नं.	शून्य	शून्य	96/2021, एसपीइ एण्ड एसीबी केसेज हैदराबाद की सुनवाई के लिए प्रधान विशेष न्यायाधीश
(सी)	शामिल, संबंधित एक्ट्स/कोड्स की धारा(एं) (धारा सं. प्रस्तुत करें, उदा. के लिए, आयपीसी आदि की धारा)	आयपीसी 509 और 506	आयपीसी 448 और 427	आयपीसी 403, 409, 420, 477-ए और आर/डब्ल्यू 120(बी) व 109 आयपीसी 12(बी) व 13(सी), पीसी एक्ट, 1988
(डी)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	धमकी देने का आरोप व आपराधिक धमकी	अतिक्रमण का आरोप एवं शरारत और नुकसान	गबन का आरोप, विश्वास का आपराधिक उल्लंघन, बेईमानी करना, खातों में हेराफेरी करना
(इ)	क्या आरोप तय किये गये हैं (हां या ना का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	हां
(एफ)	यदि उपरोक्त(इ) के बारे में जवाब हां में है, तो आरोप तय करने की तारीख बताएं	नहीं	नहीं	13.12.2021
(जी)	क्या कार्यवाही के विरुद्ध कोई अपील/आवेदन तत्संबंधित संशोधन दायर किया गया है।	नहीं	नहीं	नहीं

हस्ता. श्रीनिवास यादव गड्डम
भारत राष्ट्र समिति
09- हैदराबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 10 मई - 2024

चुनावी रंगत शबाब पर

मतदान के तीन चरण पूरे होने के बाद चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। ऐसे समय में कोई भी राजनीतिक दल के नेता फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं कि कहीं छोटी से छोटी गलती न निकल जाए। सभी नेता जानते हैं कि यदि उनकी जरा भी दिशा बदली तो दशा खराब होते देर नहीं लगेगी। ऐसे माहौल में इंडियन ओवरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा कांग्रेस अपनी आग उगलती वाणी से कांग्रेस के लिए नई मुसीबत खड़ी करने में भला कैसे पीछे रहते। कुछ दिन पहले ही उन्होंने अमेरिका में विरासत टैक्स का हवाला देकर कांग्रेस को उलझा दिया था तो शब्दों के खिलाडी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पित्रोदा के बयान को लपक लिया और विरासत टैक्स को मुद्दा बना दिया था। प्रधानमंत्री ने तो यहां तक कह दिया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो विरासत टैक्स के नाम पर आपकी संपत्ति छीन लेगी। यह मुद्दा अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पित्रोदा ने फिर एक विवादित बयान दे कर कांग्रेस के गले में हड्डी फंसा दिया है। उन्होंने कह दिया कि भारत में पूर्व वाले चीनी जैसे लगते हैं और साउथ वाले अफ्रीकन जैसे। बस क्या था, भाजपा ने उन्हें घेरने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। प्रधानमंत्री ने इसे मुद्दा बना दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस रंग के आधार पर लोगों का अपमान करने पर तुली है। यहां तक कि पीएम मोदी ने तो यहां तक कहा कि आज मैं उनके बयान से बेहद गुस्से में हूं। शाम होते-होते सैम पित्रोदा का इस्तीफा आ गया और वे कांग्रेस से मुक्त कर दिए गए। लगे हाथ पीएम अडानी- अंबानी को लेकर राहुल गांधी को आड़े हाथ लेने से भी नहीं चूके। उन्होंने कहा- शहज़ादे ने आजकल अडानी - अंबानी को गाली देना बंद कर दिया है। लगता है कोई गुप्त समझौता हो चुका है। बहरहाल, यह मुद्दा चल ही रहा था कि बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने प्यारे भतीजे आकाश आनंद को अपनी ज़िम्मेदारियों से अचानक मुक्त करके भारतीय राजनीति को चौंका दिया। बता दें कि कुछ दिन पहले ही भतीजे आकाश आनंद को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था और पार्टी का नेशनल कोआर्डिनेटर भी बनाया था। मायावती का कहना है कि अभी आकाश में परिपक्वता की बहुत कमी है। कुछ साल वे राजनीति का ककहरा सीख लें फिर उसके बाद उन पर विचार किया जाएगा। उनको हटाने के पीछे यह कहा जा रहा है कि वे अपने भाषणों में भाजपा और भाजपा नेताओं पर कुछ ज़्यादा ही हमलावर हो रहे थे। राजनीतिक गलियारों में मायावती के इस निर्णय के बाद बसपा को भाजपा की बी पार्टी कहा जा रहा है। हो सकता है आकाश को पद से हटाने के मायावती के अन्य कारण भी रहे हों, लेकिन उनके कदम के लाभार्थी दल इस निर्णय को भाजपा से जोड़ कर ही देख रहे हैं। जैसा कि कहा जा रहा है उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन के सामने भाजपा ने बसपा से अंदरखाने दोस्ती कर ली है। आकाश आनंद कुछ ही महीनों में कुछ ज़्यादा ही पॉपुलर हो गए थे। लगता है अब वे मंचों से नहीं, पर्दे के पीछे से पार्टी के लिए काम करेंगे। कुल मिलाकर चुनाव प्रचार में अब इतनी रंगत आ चुकी है और इतनी तेज़ी कि एक घंटे पहले आए बयानों को लेकर दूसरे दल मंच से उनका जवाब दे रहे हैं।

कांग्रेस का भट्टा बैठाने के बाद सैम पित्रोदा को हटना पड़ा

अशोक भाटिया

अपनी नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चल रहे विवाद के बीच सैम पित्रोदा ने बुधवार को अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। उनके इस फैसले को सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वीकार कर लिया है। यह पहली बार नहीं था कि सैम पित्रोदा ने कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी की हो. इसके पहले भी अपने विवादास्पद बयान से वे कांगेस का भट्टा बैठा चुके है व बाद में कांग्रेस को उन बयानों पर लीपा पोती करके अपने को संभालना पड़ा है ।

अक्सर राहुल गांधी के करीबी सहयोगी माने जाने वाले पित्रोदा ने हालिया बयान में कहा कि भारत के पूर्व में लोग चीनी जैसे दिखते हैं और दक्षिण में लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं। पित्रोदा का एक वीडियो सामने आया जिसमें वह भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों की तुलना इस तरह करते नजर आ रहे हैं जिससे कोई भी नाराज हो सकता है। पित्रोदा कहते हैं कि 'भारत एक अत्यंत विविधता भरा देश है, जहां पूर्वी भारत में रहने वाले लोग चीन के लोगों जैसे, पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे, उत्तर भारत में रहने वाले श्वेतों की तरह और दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी लोगों की तरह दिखते हैं लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। हम सभी भाई-बहनें हैं। वे कहते हैं कि हम अलग-अलग भाषाओं, धर्मों और रीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं। ये वही भारत है, जिस पर मेरा भरोसा है, जहां हर किसी का सम्मान है और हर कोई थोड़ा-बहुत समझौता करता है।' देखा जाए तो यह बहुत सामान्य सी बात है। हम लोग आम जीवन में इस तरह की तुलनात्मक बातें करते रहते हैं पर जब कोई शख्स आम के बजाय खास बन जाता है तो उसकी बातचीत के कई मतलब निकाले जाते हैं और जब चुनाव चल रहे हैं और आप देश की सबसे बड़ी पार्टी में से एक के जिम्मेदार सदस्य हैं तो आपकी जवाबदेही और बनती है कि आप क्या बोल रहे हैं? शायद यही कारण है कि सैम पित्रोदा का बयान वायरल होते ही भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद मोर्चा संभाल लिया। तेलंगाना के वारंगल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेस और राहुल गांधी को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि 'आज मैं बहुत गुस्से में हूं। शहजादे के एक अंकल ने आज ऐसी गाली दी है जिसने मुझे गुस्से में भर दिया है। संविधान सिर पर रखने वाले लोग देश की चमड़ी का अपमान कर रहे हैं।' आखिर प्रधानमंत्री को कांग्रेस पर हमला करने का मौका किसने दिया? इससे पहले कांग्रेस नेता पित्रोदा ने विरासत कर के बारे में बात करके विवाद खड़ा कर दिया था जिसे भाजपा ने चुनावी मुद्दा बना लिया। पित्रोदा ने कांग्रेस के घोषणापत्र में संपदा के पुनः वितरण के मुद्दे पर बात करते हुए अमेरिका में विरासत कर का उल्लेख किया था। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधना शुरू कर दिया था। पित्रोदा ने 6 अप्रैल 2019 को कहा था कि मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए। उन्हें ज्यादा टैक्स देने के लिए कमर कस लेना चाहिए। इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी सकते में आ गई। पार्टी को सफाई देनी पड़ी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वो मध्य वर्ग पर कोई अतिरिक्त कर का बोझ नहीं डालेगी।

2019 लोकसभा चुनावों के दौरान सिख दंगों पर एक बयान देकर पित्रोदा फंस गए थे। दरअसल, भाजपा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए राजीव गांधी को मास्टरमाइंड कहा था। इस पर पूर्व प्रधानमंत्री के करीबी सहयोगी रहे पित्रोदा ने 10 मई 2019 को कहा था, अब क्या है 1984 का। भाजपा ने 5 साल में क्या किया, उसकी बात करें। 84 हुआ तो हुआ, आपने क्या किया। कांग्रेस को इस बयान से भी किनारा करना पड़ा और पित्रोदा को माफी मांगनी पड़ी। पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इस पर सवाल उठाते हुए 22 मार्च 2019 को पित्रोदा ने कहा था कि ऐसे हमले होते रहते हैं। कुछ आतंकियों ने हमला किया, इसकी सजा पूरे पाकिस्तान को क्यों दी जा रही है। 6 जून 2018 को राम मंदिर पर पित्रोदा ने कहा था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसी समस्याओं के बारे में कोई बात ही नहीं करता। हर कोई राम, हनुमान और मंदिर की बात करते हैं। मंदिर बनाने से लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा।

सबसे पहला सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस जानबूझकर ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन नहीं लेती क्योंकि यह बार-बार देखा जाता है कि कांग्रेस पार्टी में एक गलती करने वाला बार-बार वैसी ही गलतियां करता है। उन गलितयों को पार्टी उनका व्यक्तिगत मामला मानकर पल्ला झाड़ लेती है। यह भी कहती है कि उनका स्टैंड पार्टी का स्टैंड नहीं है पर बाद में ऐसे शख्सियत जब पार्टी में पुरस्कृत होते हैं तो संदेह होना लाजिमी हो जाता है। एक उदाहरण दिग्विजय सिंह का है।

दिग्विजय सिंह लगातार आतंकवादियों के प्रति हमदर्दी जताने के जाने जाते हैं। कभी ओसामा बिन लादेन और हाफिज सईद के नाम के आगे जी लगाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना हुई थी। इसी तरह उन्होंने बाटला हाउस एनकाउंटर में भी मारे गए आतंकियों के लिए संवेदना जताई थी। हर बार वो इस तरह की गलतियां करते रहे हैं पर उन पर कोई एक्शन भी नहीं होता। अब लोकसभा टिकट से उन्हें उनकी गलतियों के लिए पुरस्कृत किया गया है। जाहिर है कि ऐसा ही विजय वेडट्टियार और चरनजीत सिंह चन्नी के साथ भी है। चरनजीत सिंह चन्नी ने एयरफोर्स हमले को ही फॉल्स ऑपरेशन की संज्ञा दे दी। विजय वेडट्टियार ने कसाब को निर्दोष करार दे दिया। इस तरह की बातें करने वालों पर कोई एक्शन नहीं होने से कई बार ऐसा लगता है कि क्या कांग्रेस में यह सब एक योजनाबद्ध तरीक से तो नहीं होता क्योंकि दूसरी पार्टियों में इस तरह की हरकत करने वालों को तुरंत दंडित कर दिया जाता है। पित्रोदा केस में ऐसा ही हुआ, उन्होंने इस्तीफा दिया है पर उन्हें दंडित नहीं किया गया है। ये बात खुद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट करके कही है कि सैम पित्रोदा का इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया है पर उन्होंने इस्तीफा अपनी मर्जी से दिया है। मतलब सीधा है कि कांग्रेस ने एक्शन नहीं लिया है. पित्रोदा खुद अलग हो गए हैं। कांग्रेस में अकसर ऐसा देखा गया है कि किसी खास मुद्दे पर ठीक एक दूसरे से विरोधी विचार सामने आते हैं और एक साथ आते हैं। द्रमुक नेता उदयनिधि मारन के सनातन को डेंगू मलेरिया कहने के बाद कांग्रेस में एक साथ कई विचार आए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियांक खरगे को उदयनिधि मारन की बातों में कोई बुराई नहीं दिखी पर ठीक उसी समय मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने इसका खंडन किया। देशभर में दर्जनों ऐसे नेताओं के बयान आए जो मारन की बातों से यकीन नहीं रखते थे तो बहुत से लोगों ने सीधे मारन और खरगे को सपोर्ट किया। इसी तरह राम मंदिर के मुद्दे पर पूरी पार्टी में अलग-अलग विचार सामने आते रहे। कोई समर्थन में था तो कोई इसके विरोध में । कोई भी पार्टी इस तरह के विचारों पर एक मत नहीं है तो निश्चित है कि उसके समर्थकों में कन्फ्यूजन पैदा होगा पर कांग्रेस नेताओं को लगता है कि इस तरह एक ही मुद्दे पर अलग-अलग विचार करके सभी विचार वालों को पार्टी चुनावों में साध लेगी पर जब जनता के सामने विकल्प को रूप मे ऐसी पार्टियां रहेंगी जो एक विचार पर पूरी शिद्दत से लगी हुई हैं तो जनता ऐसे ढुलमुल विचार वाले के साथ क्यों जाएगी।

यह सही है कि लोकतंत्र में एक आदर्श स्थिति यह है कि पार्टी के अंदर सभी लोगों को अपने विचार प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता हो। इस लिहाज से देखा जाए तो यह सही है पर विचार स्वतंत्रता के नाम पर पार्टी के मूल विचारों से अलग होने की स्वतंत्रता तो नहीं ही दी जा सकती है। ब्रिटेन और अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देशों में पार्टी के अंदर विचारों की स्वतंत्रता दे जाती है पर पार्टी की मूल विचारधारा को जब कोई पार करने लगता है तो उसे पार्टी से अलग ही होना होता है। जैसे कांग्रेस एक राष्ट्रवादी धर्मनिरपेक्ष पार्टी होने का दावा करती है पर जब राष्ट्रवाद से इतर बात करने वाले या धर्मनिरपेक्षता को नकारने वाले लोग अपनी बात रखने लगते हैं उसे कंट्रोल करना जरूरी हो जाता है पर कांग्रेस के अंदर ऐसा नहीं होता।

बालिका वधुओं को पढ़ाने वाले धन्नाराम की प्रेरणास्पद कहानी

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान में बाल विवाह एक बड़ी समस्या है। हर साल अक्षय तृतीय के अबूझे सावे पर राज्य में हजारों बच्चे वैवाहिक बंधन में बांध दिए जाते हैं। न्यायपालिका के कड़े आदेशों, सरकार के अभियानों और सख्त कानूनों के बावजूद राज्य में बाल विवाह पर लगाम नहीं लग पाई है। भले ही गांव-देहात के लोगों को बच्चों का विवाह न करने के लिए मनाना मुश्किल है मगर फिर भी अनेक संगठन एवं लोग इस बुराई के खात्मे के लिए जुटे हुए हैं। ऐसे लोगों में शामिल हैं नागौर जिले के सामाजिक कार्यकर्ता धन्नाराम नायक, जो बाल विवाह के खिलाफ कई दशकों से मुहिम चलाए हुए हैं। धन्नाराम नागौर जिले में जायल तहसील के झाड़ेली गांव में उरमूल खेजड़ी संस्थान नामक गैर सरकारी संस्था चलाते हैं। उन्होंने इस संस्था के जरिए न केवल बाल विवाह के खिलाफ अलख जगाई है बल्कि बचपन में ब्याह दी गईं गांवों की लड़कियों को शिक्षित कर उन्हें मुकाम तक पहुंचाया है।

मुझे धन्नाराम के काम को नजदीक से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने पत्रकारिता के लंबे कॅरियर में चार साल तक नागौर में काम किया है। इस दौरान मुझे धन्नाराम और उनकी संस्था की गतिविधियों को देखने का अवसर मिला। एक बार जब मैं झाड़ेली गांव में उरमूल खेजड़ी संस्थान में गया तो वहां दर्जनों छोटी उम्र की लड़कियां पढ़ाई करती हुई मिलीं। इनमें से कइयों के हाथों में मेहंदी और मांग में सिंदूर सजा देख मुझे हैरानी हुई। साफ पता चल रहा था कि उनकी बच्चियों का छोटी उम्र में ही विवाह कर दिया गया है। दरअसल, नागौर जिले में अशिक्षा और रूढिय़ों के कारण ज्यादातर बच्चों की शादी होश संभालने से पहले ही कर दी जाती है। लोग बड़ी बेटियों के साथ छोटी कम उम्र बच्चियों के हाथ भी पीले कर देते हैं लेकिन गौना उसके सयानी होने के बाद किया जाता है। धन्नाराम ने अपने साथियों के साथ वर्ष 2004 में आसपास के गांवों में सर्वे किया तो ऐसी बच्चियों की बड़ी तादाद सामने आई जो कभी स्कूल नहीं गई थीं या फिर जिन्होंने थोड़े समय के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें ऐसी नाबालिग बच्चियां भी थीं, जिनकी शादी हो चुकी थी। पूछने पर शादीशुदा बच्चियों ने पढऩे में दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने ऐसी लड़कियों को चिन्हित किया और गौना होने तक उन्हें पढ़ाने के लिए उनके परिजनों को राजी कर लिया।

उस समय क्षेत्र में बाल विवाह की समस्या को देख धन्नाराम ने दो काम शुरू किए। एक तो वह ग्रामीणों को बाल विवाह नहीं करने के लिए के लिए प्रेरित करने लगे। दूसरा यह कि जो लोग बाल विवाह करने पर अड़े रहे तो उन्हें विवाहित बच्चियों को पढ़ाने के लिए राजी करना शुरू किया। उन्हें दूसरे काम में ज्यादा सफलता मिली। ग्रामीण उरमूल खेजड़ी संस्था के शिक्षा शिविरों में बच्चियों को पढऩे भेजने लगे। साथ ही शिविर में पढक़र जाने वाले किसी भी किशोर अथवा किशोरी का विवाह उनके परिजनों ने निर्धारित से कम आयु में नहीं किया है, यह धन्नाराम की विशिष्ट उपलब्धि है। दरअसल, धन्नाराम ने झाड़ेली में बीस साल पहले वर्ष 2004-05 में शिक्षा से वंचित 11 से 20 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को पढ़ाने के लिए आवासीय शिविरों का सिलसिला शुरू किया था। पहले शिविर में 98 बालिकाएं आईं, जिनमें 25 विवाहित थीं। इसके बाद इन शिविरों में सैकड़ों बालिका वधुओं को पढ़ाया गया। शिविरों में पढ़ाई के बाद अनेक विवाहित लड़कियों ने आठवीं व दसवीं पास कर ली। यह सिलसिला आगे भी इसी प्रकार चला। बाल विवाह के बाद पढऩे वाली लड़कियों में एक कैलाशी भी थी, जिसने वहां आवासीय व्यवस्था में रहकर दसवीं की परीक्षा पास की। बाद में वह अपने ससुराल तंवरा में सरपंच चुनी गई। ऐसी कई लड़कियां हैं जिनके जीवन में धन्नाराम की कोशिशों से बदलाव आया। धन्नाराम अब भी बाल विवाह नहीं करने के लिए लोगों को प्रेरित करने में जुटे हैं।

यूपी में बसपा का हाथी किसे रोकेगा ?

मुनीष त्रिपाठी

लोकसभा चुनाव में अब तक घोषित 73 बसपा उम्मीदवारों में 22 मुस्लिम प्रत्याशी समाजवादी पार्टी के गढ़ में ये उम्मीदवार उसके लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं 1 उधर बसपा से 15 ब्राह्मण प्रत्याशी भी भाजपा के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं 1 मेरठ से देवव्रत त्यागी,उन्नाव से अशोक पांडेय, फर्रुखाबाद से क्रांति पांडेय, अकबरपुर से राजेश द्विवेदी, प्रतापगढ़ से प्रथमेश मिश्रा, फतेहपुर सीकरी से राम विलाश शर्मा, अलीगढ़ से हितेंद्र उपाध्याय, हमीरपुर से निर्दोष दीक्षित, बाँदा से मयंक द्विवेदी, केसरगंज से नरेंद्र पांडेय, धौरहरा श्याम किशोर अवस्थी, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडेय, गोंडा से सौरभ मिश्रा, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, मिर्जापुर से मनीष त्रिपाठी बसपा के टिकट पर चुनाव मैदान में है 1 इन सभी बसपा के ब्राह्मण प्रत्याशियों से भाजपा के परंपरागत ब्राह्मण मतों में सेंध मारी की संम्भावना बनी हुई है 1 बहुजन समाज पार्टी ने 28 अप्रैल को आजमगढ़ लोकसभा सीट पर पूर्व घोषित प्रत्याशी और पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को सलेमपुर सीट से लड़ने को भेज दिया 1 और राजभर की जगह कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की महासचिव रहीं सबीहा अंसारी को आजमगढ़ से पार्टी का उम्मीदवार बना दिया 1

इस तरह बसपा ने आजमगढ़ में वर्ष 2022 के लोकसभा उपचुनाव जैसी पृष्ठभूमि तैयार कर दी है 1 तब यहां से चुनाव लड़ रहे सपा उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव को मिलने वाले मुस्लिम मतों में भारी सेंध लगाकर बसपा उम्मीदवार गुड्डू जमाली ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ की राह आसान कर दी थी 1

इस बार लोकसभा चुनाव में गुड्डू साइकिल पर सवार हैं 1 लेकिन बसपा ने एक बार फिर आजमगढ़ सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को मुश्किल में डाल दिया है जो भाजपा के उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ से पिछली हार का बदला लेने के लिए मैदान में हैं 1 आजमगढ़ ही नहीं, राजनीतिक रूप से सपा के लिए मजबूत दुर्ग माने जाने वाली लोकसभा सीटों पर बसपा ने मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर साइकिल की चुनौतियों में और इजाफा किया है 1 बदायूं लोकसभा सीट पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव और जसवंतनगर से विधायक शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव चुनाव मैदान में है 1 बसपा ने यहां से मुस्लिम खां को टिकट दिया है 1 इसी तरह सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने की वजह से हाई प्रोफाइल बन चुकी कन्नौज लोकसभा सीट पर बसपा ने इमरान बिन जफर पर दांव लगाया है 1 फिरोजाबाद लोकसभा सीट, जहां से सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव चुनाव लड़ रहे हैं, पर बसपा ने अपना पूर्व घोषित उम्मीदवार सत्येंद्र जैन सौली को बदलते हुए चौधरी बशीर को चुनाव मैदान में उतारा है 1 बशीर 2002 में आगरा कैंट सीट से विधायक चुने गए थे 1 वे यूपी में मायावती के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री थे 1 बाद में वे समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये लेकिन कुछ समय बाद बशीर ने सपा भी छोड़ दी 1 उन्होंने फिरोजाबाद से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन असफल रहे थे 1 उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से बसपा अबतक कुल 73 प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है 1 इनमें सबसे ज्यादा 22 मुस्लिम, 18 सवर्ण, 17 ओबीसी और 15 दलित हैं. वहीं एक सिख प्रत्याशी को भी टिकट दिया है 1 इस प्रकार बसपा ने अब तक करीब 30 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं. सात सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा होनी अभी बाकी है. ऐसे में बसपा के मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या बढ़ भी सकती है 1 यह 2019 के आम चुनावों में लोकसभा उम्मीदवारों के लिए बसपा की रणनीति के बिल्कुल विपरीत है, जब सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव में उतरी पार्टी ने 38 में से केवल छह मुस्लिम उम्मीदवारों पर भरोसा किया था 1 यह कुल घोषित उम्मीदवारों का केवल 15% था. उनमें से तीन - गाजीपुर से अफजल अंसारी, अमरोहा से दानिश अली और सहारनपुर से हाजी फजलुर रहमान ने चुनाव जीता था 1

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा की मुस्लिम उम्मीदवारों पर निर्भरता अचानक नहीं है 1 मायावती ने ऐसा ही प्रयोग 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव में किया जब पार्टी ने 99 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट सौंपा था 1 राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि मायावती के इस कदम से मुस्लिम वोट बंट गए और भाजपा को भारी जीत मिली 1 भाजपा ने तब 403 विधानसभा सीटों में से 313 सीटें जीत ली थीं 1 बसपा खुद सिर्फ 19 सीटें जीत सकी, जिनमें से पांच मुसलमानों के खाते में गईं 1 वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद जहां बसपा ने सिर्फ एक सीट जीती और 13% से कम वोट शेयर हासिल किया, मई 2023 में पार्टी ने एक बार फिर से शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में मुसलमानों पर भरोसा किया 1 पार्टी ने 11 मुसलमानों को मेयर पद के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा 1 यूपी में मेयर की 17 सीटें हैं और बसपा को एक भी सीट नहीं मिली 1 पश्चिमी यूपी में अपनी रैलियों में मायावती ने कहा कि पार्टी ने अपनी मूल विचारधारा, जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के अधिकांश मुसलमानों को टिकट दिए हैं 1 यह नारा 1984 में पार्टी संस्थापक कांशी राम ने दिया था 1 मायावती ने मुसलमानों से बसपा को वोट देने की अपील भी की, क्योंकि पश्चिम यूपी में बसपा के पास भी दलित वोट बैंक है और मुस्लिम और दलित मिलकर मतदाताओं का एक मजबूत गठजोड़ बनाते हैं जो भाजपा को हरा सकते हैं 1

तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव में सात मई को दस सीटों पर मतदान हुआ 1 संभल, फिरोजाबाद, आंवला, बदायूं और एटा में बसपा के टिकट पर मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव लड़ें 1 19 अप्रैल को पहले चरण में पश्चिमी यूपी की जिन आठ सीटों पर मतदान हुआ, उनमें बसपा ने सहारनपुर, रामपुर, मुरादाबाद और पीलीभीत में मुसलमानों को मैदान में उतारा 1 दूसरे चरण में, जिसके लिए 26 अप्रैल को पश्चिमी यूपी की आठ सीटों पर मतदान हुआ, बसपा ने अमरोहा से मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में उतारा. इसके अलावा मायावती ने पश्चिमी यूपी की हर रैली में इस इलाके के लिए एक अलग राज्य की मांग करके भी मुस्लिमों को लुभाने का ही दांव खेला 1 राजनैतिक विश्लेषक बताते हैं,पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जिलों में मुस्लिम आबादी काफी संख्या में हैं 1 पश्चिमी यूपी के अलग राज्य बनने से यहां पर मुस्लिम आबादी बहुसंख्यक होगी 1 इसी को ध्यान में रखते हुए मायावती मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए ही पश्चिमी यूपी में अलग राज्य बनाने का मुद्दा चुनाव में उछाल रही हैं 1 प्रदेश में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले शीर्ष दस लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र पश्चिमी यूपी में हैं 1

अपने बॉस स्वयं बनें

रजनीश कपूर

एक दौर था जब पढ़ाई लिखाई पूरी करने के बाद हर युवक को नौकरी या व्यवसाय में प्रवेश करना ही पड़ता था। फिर शुरू होती थी उनके जीवन में 9 से 5 की दिनचर्या। जैसे-जैसे समय बदला नौकरी और व्यापार के माहौल में भी बदलाव आए। लेकिन जब से कोविड की महामारी आई उसने दुनिया भर में 'वर्क फ्रॉम होम' का चलन शुरू कर दिया। दुनिया भर में सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति के बाद, आज हर किसी के हाथ में एक स्मार्ट फ़ोन देखा जा सकता है और मेज़ पर कंप्यूटर। इस क्रांति ने दुनिया भर के हर कोने में व्यक्तियों को एक दूसरे से जोड़ दिया है। आज अधिकतर युवा और प्रोफेशनल किसी की नौकरी करना पसंद नहीं करते। वे ख़ुद के ही बॉस बनने में विश्वास रखते हैं। ऐसे काम करने वालों को 'गिग वर्कर्स' कहा जाता है।

आम तौर पर 'उबर' 'ओला' जैसी टैक्सी चलाने वाले या खाना व अन्य वस्तुएँ डिलीवर करने वालों को 'गिग वर्कर' माना जाता है। परंतु ऐसा सोचना सही नहीं है। आज के दौर में हर वो व्यक्ति या प्रोफेशनल जो किसी भी कंपनी में मासिक वेतन की सूची में नहीं है, परंतु वो किसी न किसी कंपनी के लिए कुछ न कुछ कार्य कर रहा है वो 'गिग वर्कर' की श्रेणी में आता है।

फिर वो चाहे पत्रकार हो, वकील हो, आर्किटेक्ट हो, लेखक हो, फ़ोटग्राफ़र हो, वेब डिज़ाइनर हो या अन्य कोई भी हो, जो भी किसी बड़ी या छोटी कंपनी या संस्था के लिए एक विशेष प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है वो गिग वर्कर, फ्रीलांसर या सलाहकार की श्रेणी में ही आता है। ऐसा करने से उस कंपनी को भी अपने वैतनिक कर्मचारी की संख्या बढ़ानी नहीं पड़ती। ऐसे में 'गिग वर्कर' उस कंपनी के न सिर्फ़ ऊपरी ख़र्च भी घटाते हैं बल्कि कार्य कुशलता के साथ उस प्रोजेक्ट या असाइनमेंट को पूरा भी करते हैं।

'गिग वर्कर' होने के कई फ़ायदे भी हैं। ऐसा कार्य करने वाला हर व्यक्ति अपनी मर्ज़ी का मालिक होता है। जब भी मन करे वो काम पर हो सकता है और जब भी मन करे वो छुट्टी पर हो सकता है। उसे किसी से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होती।

यदि आप इस श्रेणी में आने वाली महिला हैं और आपके घर में एक छोटा बच्चा है जिसे आपकी देखभाल की ज़रूरत है, तो आप अपने बच्चे की दिनचर्या पूरी कर, उसे सुलाने के बाद अपने कंप्यूटर की मदद से 'ऑनलाइन' आ सकती हैं। हाँ ऐसे में आपकी सेवा केवल वही कंपनी लेंगी जिनका उस समय काम का समय होगा। ऐसे में 'एक पंथ दो काज' बड़े आराम से हो सकते हैं और आप घर बैठे दुनिया के किसी भी कोने में अपनी क्षमता अनुसार किसी कंपनी को अपनी सेवा दे सकते हैं।

मुझे याद है जब 2013 में मैं दुबई गया था वहाँ टैक्सी चलाने वाले एक दक्षिण भारतीय से पूछा कि दुबई में काम करने के लिए अधिकतर लोग भारत या अन्य देशों से ही आते हैं। इन्हें दुबई में काम करने पर कैसा माहौल मिलता है? वो काफ़ी संतुष्टि से बोला कि हम बहुत सुखी हैं। यहाँ की सरकार हमारा बहुत ध्यान रखती है। हम अच्छा पैसा कमाते हैं। जब मैंने उससे उसकी औसत कमाई पूछी तो उसने बताया क़रीब एक लाख रुपए कमा लेता हूँ। जैसे ही मैंने उसकी तनख़्वाह पूछी तो वह बोला कि हमें प्रति किलोमीटर कमीशन मिलती है। हम अधिक से अधिक समय गाड़ी चलाना पसंद करते हैं। जब मन करता है ड्यूटी ऑफ कर लेते हैं। कुछ ही वर्षों बाद जब से भारत में 'उबर' 'ओला' की टैक्सियों का चलन बढ़ने लगा तो इनके ड्राइवरों से भी कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली। आज भारत में ऐप से चलने वाली कई टैक्सी सेवाएँ हैं जो आपको कभी भी और कहीं भी ले जा सकती हैं। ऐसे में यदि आप स्वयं गाड़ी ख़रीद कर रखें तो उसके रख-रखाव आदि के ख़र्च से भी बच जाते हैं। इतना ही नहीं आप प्रदूषण की रोकथाम में भी सहयोगी बनते हैं। इसके साथ ही किसी बेरोज़गार को रोज़गार भी मिल जाता है। जिस तरह आज आपको घर बैठे ही कुछ भी सामान, कभी भी और कहीं भी मंगाना हो तो आप झट से अपने स्मार्ट फ़ोन की मदद से उसे उपलब्ध करा लेते हैं। ऐसा तभी संभव होता है कि क्योंकि इसे कामयाब करने के लिए ऐसे लाखों 'गिग वर्कर्स' की एक फ़ौज दुनिया भर में तैनात है और हर दिन इसमें बढ़ौतरी हो रही है। ज़्यादातर लोग 'गिग वर्कर्स' को टैक्सी चलाने वाले और सामान डिलीवर करने वाले ही समझते हैं। परंतु ऐसा नहीं है। आँकड़ों के अनुसार अमरीका जैसे देश में 5.73 करोड़ 'गिग वर्कर' हैं। एक अनुमान के तहत 2027 आते-आते अमरीका में काम करने वालों की 50 प्रतिशत संख्या 'गिग वर्कर्स' की होगी। भारत की ही बात करें तो 2021 में ही 'गिग वर्कर्स' की संख्या क़रीब 1.5 करोड़ थी जो हर दिन बढ़ती जा रही है। एक शोध के अनुसार 2023 के अंत तक दुनिया भर की अर्थ व्यवस्था में 'गिग वर्कर' के ज़रिये क़रीब 45.5 करोड़ डॉलर का योगदान हुआ।दुनिया भर में ऐसे कई प्लेटफार्म हैं जो 'गिग वर्कर' को ऐसी कई कंपनियों या व्यक्तियों से जोड़ते हैं जो मासिक तनख़्वाह पाने वाले कर्मचारी नहीं रखना चाहते।

हमारा देश संवर गया

अर्चना सिंह

आज़ादी के बाद से कई वर्षों तक हमारा देश कई मुश्किलों से गुजरा। चाहे वो अंग्रेजों, मुगलों का शासन रहा हो, चाहे वो पाकिस्तान और चीन के आतंक से जूझता भारत रहा हो। लेकिन हमने हार नहीं मानी। हमारे देश के स्वतंत्रता के वीर सेनानी जैसे भगत सिंह, वीर सावरकर, रानी लक्ष्मी बाई और हमारे दृढ़ संकल्प व सोच के नेता लाल बहादुर शास्त्री, वल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद्र बोस आदि के साथ हमारे देश को एक सही दिशा मिलती गई। हिन्दू मुस्लिम में भेदभाव बिलकुल नहीं था। लेकिन जैसे जैसे जनसंख्या बढ़ी उसके साथ साथ रहने के लिए मकान, भोजन, रोजगार आदि मिलने में मुश्किलें आने लगी। कुछ बेईमान नेताओं ने मौके का फायदा उठाते हुए अपने देश को दूसरे देशों को बेचने का सोचा और हमारे देश को आपस में लडाने की रणनीति पर काम शुरू किया। नतीजतन समाज व समुदाय के नाम पर नफरत की आग फैलती चली गई और आज हम एक ऐसे मुहाने पर पहुंच गए हैं जहां से लौटना मुश्किल ही दिख रहा है। लोगो ने गरीबी देखी, भुखमरी से ज़िन्दगी गंवाई, बहुत तकलीफों से भारत गुज़रा। लेकिन आज हमारा भारत इतनी तकलीफों से निकलकर संवर चुका है।

आज हमने न केवल गरीबी, भुखमरी, निरक्षरता, बेरोज़गारी पर काबू पाया है बल्कि भारत को आतंकवाद और भ्रष्टाचार से छुटकारा भी दिलवाया है। जिस तरह से पाकिस्तान और चीन ने हमारी सीमाओं पर आक्रमण किया है और जिस तरह हमने सीमाओं की सुरक्षा की है वो काबिले तारीफ है।

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रबल बुद्धि और विवेक से बड़े बड़े देशों के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया और उन देशों की जरूरतों पर चाहे बाढ़ हो भूकंप हो अकाल हो या कोई भी प्राकृतिक आपदा रहा हो उसमे जो मदद की ये एक राष्ट्र की पड़ोसी राष्ट्र के प्रति अपनापन और भाईचारा का व्यवहार बनाया वग पहले कभी नहीं था। आज हमारे देश के लोग हर क्षेत्र में जैसे उत्तम शिक्षा व तकनीक में काफी आगे हैं और इसीलिए हमारा देश विकासशील नहीं बल्कि विकसित देशों की श्रेणी में अग्रसर है। आज सारे विश्व के बड़े बड़े देश जो भारत से न केवल जुड़े है बल्कि इसकी अच्छाई व गतिशील प्रगति के कायल बन गए हैं। आज हमारा देश विश्व के विकसित देशो में पांचवे से तीसरे स्थान पर पहुंचने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हम सभी को एकजुट होकर हमारे प्रधान मंत्री की योजनाओं को सफल बनाने में आगे आना है और इसे पूर्ण विकसित देश बनाने में अपनी भूमिका निभाना है।

आज धन, गज केसरी, शुक्रादित्य
रवि, शश व सुकर्मा योग का संयोग

सुरेश गांधी

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण. घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य,पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब अक्षय तृतीया का पर्व आता है तब सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहते हैं, साथ ही इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद होते हैं। माना जाता है इस दौरान सूर्य और चंद्रमा दोनों ही सबसे ज्यादा चमकीले यानी सबसे ज्यादा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इस तरह से अक्षय तृतीया पर ज्यादा से ज्यादा प्रकाश पृथ्वी की सतह पर मौजूद रहता है। इस कारण से इस अवधि को सबसे शुभ समय माना जाता है।

अक्षय तृतीया तिथि "ईश्वर तिथि" है। इसी दिन नर-नारायण, परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था। इसलिए इनकी जयंती भी इसी दिन मनाई जाती है। यह समय अपनी योग्यता को निखारने और अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए उत्तम है। यह मुहूर्त अपने कर्मों को सही दिशा में प्रोत्साहित करने के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। शायद यही मुख्य कारण है कि इस काल को 'दान' इत्यादि के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। परशुरामजी की गिनती चिरंजीवी महात्माओं में की जाती है। अतः यह तिथि "चिरंजीवी तिथि" भी कहलाती है।

मान्यता है कि यदि इस काल में हम यदि घर में स्वर्ण लाएंगे तो अक्षय रूप से स्वर्ण आता रहेगा। तिथि का उन लोगों के लिए विशेष महत्व होता है। जिनके विवाह के लिए गृह-नक्षत्र मेल नहीं खाते। लेकिन इस दिन गृह नक्षत्रों का दोष नहीं होता। इस तिथि पर गृह नक्षत्रों के मिलान का अर्थ नहीं होता।

कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही राजा भागीरथी ने अपने तपोबल के प्रभाव से मां गंगा को पृथ्वी पर लाए थे. अक्षय तृतीया के दिन गंगा में स्नान और दान करने का काफी महत्व होता है. ऐसी मान्यताएं हैं कि गंगा में स्नान करने से पिछले सात जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और पापों से मुक्ति मिलती है. इस दिन सूर्य और चन्द्रमा दोनों उच्च राशि में स्थित होते हैं. साल में सिर्फ एक दिन ये संयोग बनता है। सूर्य, मेष में होता है और चंद्रमा वृषभ में होता है। शास्त्रों में सूर्य को हमारा प्राण और चंद्रमा को हमारा मन माना गया है। सूर्य और चंद्रमा का संबंध बनने की वजह से ये तिथि बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए इस दिन जो भी काम किया जाए उसका फल दोगुना और कभी न खत्म होने वाला होगा। इसलिए इस दिन सोना खरीदना या अक्षय तृतीया के दिन टूटी झाड़ू, फटे-पुराने जूते चप्पल, देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियों को बाहर कर देना चाहिए. धार्मिक दृष्टि से सभी मासों में श्रेष्ठ वैशाख मास को पुराणों में जप, तप, दान का महीना कहा गया है इसलिए इस माह विशेष में विशेष तौर से वरुण देवता की पूजा का विशेष महत्त्व होता है।

मान्यता है कि अक्षय तृतीया सभी पापों का नाश करने वाली एवं सभी सुखों को प्रदान करने वाली अक्षय तिथि है। इस दिन शास्त्रों में दान का विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आप अपनी राशि के अनुसार अक्षय तृतीया पर दान-पुण्य करेंगे तो आपके पुण्यों में वृद्धि होकर आपको सुख-सौभाग्य प्राप्त होगा। अक्षय तृतीया के दिन किये गए शुभ कामों का फल कभी भी समाप्त नहीं होता।

इस दिन शुभ कार्यों या दान-पुण्य के अलावा इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करने का भी महत्व है। इस दिन पितरों के लिए घट दान, यानी जल से भरे हुए मिट्टी के बर्तन का दान जरूर करना चाहिए। गर्मी के इस मौसम में जल से भरे घट दान से पितरों को शीतलता मिलती है और आपके ऊपर उनका आशीर्वाद बना रहता है।

आपके आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं।धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है। नौ ग्रह इस चराचर जगत में पदार्थ, वनस्पति, तत्व, पशु-पक्षी इत्यादि सबमें अपना प्रतिनिधित्व समाहित रखते हैं। इसी तरह ऋषि, महर्षियों ने पारिवारिक सदस्यों और आसपास के लोगों में भी ग्रहों का प्रतिनिधित्व बताया है। सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरू एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है, कि जीवनसाथी को कष्ट देने पर शुक्र प्राकृतिक तौर पर निर्बल होने लगता है, जिसके कारण व्यक्ति का ऐश्वर्य कम हो जाता है। यदि सूर्य ग्रह रुष्ट है तो पिता को प्रसन्न करें, चंद्र पीड़ादायक हो तो माता अथवा माता समान स्त्रियों को प्रसन्न करें, मंगल कष्टकारी है तो छोटे भाई व बहन को प्रसन्न करें, बुध पीड़ादायक है तो मामा एवं बंधुओं को प्रसन्न करें, बृहस्पति रुष्ट है तो गुरुजन एवं वृद्धों को प्रसन्न करें, शुक्र रुष्ट है तो पत्नी को प्रसन्न करें, शनि कष्ट दे रहा हो तो दास-दासी को प्रसन्न करें, राहु कष्टकारी है तो अंगहीन को प्रसन्न करें और यदि केतु अप्रसन्न है तो दीन-हीन, रोगी की सहायता करें। यदि हम प्रेम, सत्कार व आदर का भाव रखकर ग्रहों के प्रतिनिधि के साथ उचित व्यवहार करें तो निश्चित ही रुष्ट ग्रह अपनी कोपता को त्याग कर शांत होंगें। अनुभव में आया है कि यदि ग्रह के प्रतिनिधि जीवों से संबंध खराब हों तो उपासना, पूजन, जप-तप और दान सब कुछ निष्फल ही रहते हैं।

कौन रहेगा भाग्यशाली और किसका बढ़ेगा संघर्ष

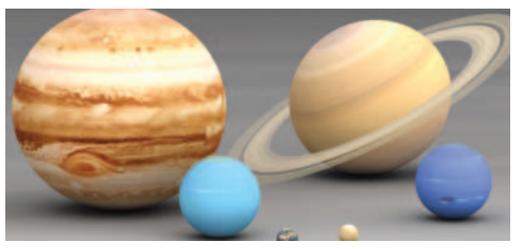

अक्षय तृतीया पर बुद्धि और विवेक के कारक ग्रह बुधदेव मेष राशि में गोचर कर रहे हैं। बुध का यह गोचर 10 मई की शाम 6 बजकर 39 मिनट पर होगा। बुध मीन राशि से निकलकर अक्षय तृतीया पर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध गोचर से सिंह, तुला सहित 5 राशियां भाग्यशाली रहेंगी, वहीं कन्या, वृश्चिक राशियों सहित कुछ राशियां लव लाइफ में उतार-चढ़ाव के साथ करियर में संघर्ष कर सकती हैं।

मेष – बुध मेष राशि में प्रवेश करेंगे। बुध का यह गोचर मेष राशि के करियर के लिए काफी उत्तम साबित होगा। आपके नए प्रयास सफल होंगे। आप अगर नई नौकरी की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, तो इस समय में वो भी सफल हो जाएगा। वहीं, बिजनेस से जुड़े लोगों को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन फिर भी उनकी मेहनत सफल हो सकती है।

वृषभ – वृषभ राशि के लिए बुध गोचर उनकी आर्थिक दिशा के लिए शुभ नहीं कहा जा सकता। करियर में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। विवाद की स्थिति में धैर्य से काम लें।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों को हर कदम पर भाग्य का साथ मिलेगा। करियर में भी भाग्य साथ देगा और आपको नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। वहीं, बिजनेस में भी लाभ कमाने का अच्छा मौका है।

कर्क: कर्क राशि वाले लोगों को कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। नौकरी के कई ऑफर मिल सकते हैं। लव लाइफ की बात करें, तो धैर्य रखने की जरुरत पड़ेगी। अंहकार में आकर कोई गलत कदम न उठाएं।

सिंह राशि का किस्मत का सितारा बुलंद रहेगा बुध का मेष राशि में गोचर सिंह राशि के जातकों के लिए बहुत ही फलदायी साबित होगा। सिंह राशि वाले जातक अपनी बुद्धि और विवेक की बदौलत सभी का ध्यान अपनी ओर आर्कषित करने में कामयाब रहेंगे। करियर में आपको मेहनत की बदौलत अपार सफलता भी मिलेगी।

कन्या आपको पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है, जिस वजह से आपका मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन सकती है। करियर में आपको मन मुताबिक परिणाम मिल सकते हैं।

तुला किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है। साथ ही आपका ध्यान अध्यात्मक में लगेगा। करियर में आपको सफलता मिलती जाएगी। प्रमोशन की सम्भावनाएं बनती दिख रही है। आर्थिक जीवन में आपको काम से अलग अन्य स्त्रोतों से भी आय हो सकती है। सेहत के लिहाज से बुध गोचर आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक विवाद का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में दबाव की स्थिति रहेगी लेकिन जो लोग बिजनेस से जुड़े हुए हैं, उन्हें लाभ हो सकता है।

धनु राशि वाले लोगों का करियर कुछ थम-सा जाएगा। नौकरी के क्षेत्र में उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं मिलेंगे। वहीं, लव लाइफ में भी काफी उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर बहस हो सकती है।

मकर राशि वाले लोगों को नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। आप अगर प्रमोशन पाने के लिए काफी समय से मेहनत कर रहे थे, तो आपकी मेहनत रंग ला सकती है। आपके काम की सराहना होगी। आप लाभ कमाने में सक्षम होंगे और आर्थिक जीवन बेहतर होता जाएगा। आर्थिक जीवन में भाग्य साथ देगा और धन कमाने के मौके मिलते जाएंगे।

कुंभ बुध गोचर का असर कुंभ राशि के लिए इतना अच्छा साबित नहीं होगा। तरक्की पाने में देरी हो सकती है। वहीं, नौकरी में दबाव की स्थिति रहेगी, जिसके चलते आप खुद को बंधा हुआ महसूस करेंगे। करियर के क्षेत्र में आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। संतान की सेहत से जुड़ी कोई परेशानी आ सकती है। आपके खर्च बढ़ेंगे। लव लाइफ में तनाव रहेगा।

मीन राशि के जातकों के लिए बुध गोचर कुछ कठिन दौर की तरह होगा। जीवनसाथी के साथ सम्बध अच्छे नहीं रहेंगे और बिजनेस में भी लगातार संघर्षों का सामना करना पड़ेगा। करियर के लिहाज से आपक लिए बुध गोचर संकट भरा ही रहेगा। काम का बोझ बना रहेगा, जिससे आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। आर्थिक जीवन में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। इस समय में आपको धैर्य रखने की सलाह दी जाती है।

अक्षय तृतीया पर हुआ था भगवान परशुराम का अवतार

हिन्दू पंचांग के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' कहा जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार यह दिन केवल एक पर्व ही नहीं बल्कि एक बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। अक्षय तृतीया के रंग विभिन्न रूप में हिन्दुओं के बीच नज़र आते हैं। ये तिथि बहुत ही पुण्यदायिनी मानी गई है। इस दिन सोना खरीदना काफी शुभ माना जाता है। खरीदारी करने के साथ ही इस दिन दान कर्म करने का बहुत अधिक महत्व होता है। साथ ही अक्षय तृतीया पर किए गए दान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। किसी भी मांगलिक कार्य के लिए ये दिन काफी शुभ माना जाता है। इस दिन बिना मुहूर्त के शादी-विवाह आदि मांगलिक कार्य किए जाते हैं। पुराणों के अनुसार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान विष्णु ने अपना 6वां अवतार लिया था। वह उनका आवेशावतार भगवान परशुराम थे। इस वजह से अक्षय तृतीया के दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है। महर्षि जमदग्नि ने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ किया और देवराज इन्द्र को प्रसन्न कर पुत्र प्राप्ति का वरदान पाया। महर्षि की पत्नी रेणुका ने वैशाख शुक्ल तृतीय पक्ष में परशुराम को जन्म दिया था। इस साल अक्षय तृतीया 03 मई दिन मंगलवार को मनाई जा रही है। आइए जानते हैं परशुराम जी से जुड़ी हुई कुछ खास बातें।

भगवान राम और परशुराम दोनों ही विष्णु के अवतार हैं। भगवान राम क्षत्रिय कुल में पैदा हुए लेकिन उनका व्यवहार ब्राह्मण जैसा था। वहीं भगवान परशुराम का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ, लेकिन व्यवहार क्षत्रियों जैसा था। भगवान शिव के परमभक्त परशुराम न्याय के देवता हैं। इन्होंने 21 बार इस धरती को क्षत्रिय विहीन किया था। यही नहीं इनके क्रोध से भगवान गणेश भी नहीं बच पाए थे।

इनके क्रोध से भगवान गणेश भी नहीं बच पाए थे।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, एक बार परशुराम भगवान शिव के दर्शन करने के लिए कैलाश पर्वत पहुंचे, लेकिन प्रथम पूज्य शिव-पार्वती पुत्र भगवान गणेश ने उन्हें शिवजी से मिलने नहीं दिया। इस बात से क्रोधित होकर उन्होंने अपने परशु से भगवान गणेश का एक दांत तोड़ा डाला। इस कारण से भगवान गणेश एकदंत कहलाने लगे।

परशुराम का नाम दो शब्दों से मिलकर बना है। परशु का मतलब है कुल्हाड़ी और राम, अर्थात कुल्हाड़ी के साथ राम। जैसे राम भगवान विष्णु के अवतार है, वैसे ही परशुराम भी भगवान विष्णु के अवतार हैं और उन्हीं की तरह ही शक्तिशाली भी हैं। परशुराम को अनेक नामों जैसे रामभद्र, भृगुपति, भृगुवंशी आदि से जाना जाता है।

भगवान परशुराम बेहद आज्ञाकारी पुत्र थे। उन्होंने अपने पिता का आदेश पाते ही तुरंत अपने परशु से अपनी मां का सिर उनके धड़ से अलग कर दिया। अपनी आज्ञा का पालन होते देख भगवान परशुराम के पिता ऋषि जमदग्नि अपने पुत्र से बेहद प्रसन्न हुए। पिता को प्रसन्न देख परशुराम ने अपने पिता से माता को पुनःजीवित करने का वरदान मांगकर अपनी मां को नवजीवन प्रदान किया।

कहा जाता है कि भगवान दत्तात्रेय के मार्गदर्शन से योद्धा ऋषि परशुराम को शास्त्रों का ज्ञान हुआ। इसके बाद उन्होंने सांसारिक गतिविधियों का त्याग कर दिया। इस प्रकार उन्हें मृत्यु और पुनर्जन्म के कर्म चक्र से मुक्ति मिल गई। महाभारत में भी इस बात का जिक्र है कि क्षत्रियों के नरसंहार के बाद परशुराम खुद हताश हो गए थे और इसके बाद वो एक सन्यासी बन गए थे।

भगवान ऋषभ के वर्षीतप का पारणा

निर्मला बैद

जैन परंपरा मानती है कि यह पर्व भगवान ऋषभ के जीवन से संबंधित है। आज के दिन भगवान ऋषभ के वर्षीतप का पारणा उन्हीं के प्रपौत्र श्रेयांस कुमार के हाथों इक्षुरस के पान से हुआ था, जो इतिहास का एक दुर्लभ दस्तावेज है। राजा सोमप्रभ राज्यसभा में बैठे थे। सहसा उनका पुत्र युवराज श्रेयांस राज्यसभा में आया । राजकुमार ने राजा को प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया और जिज्ञासापूर्वक पूछा, 'पिताजी! आज प्रातः जिस समय मेरी नींद टूटी तो मैं एक स्वप्न देख रहा था । उसके बाद मेरा मन अज्ञात आनंद से भर गया। स्वज में मैं अपने हाथों में अमृत से भरा हुआ कुंभ लेकर मेरु पर्वत का अभिषेक कर रहा हूँ। मेरा यह स्वप्न किस बात का सूचक है ?

स्वप्न कथन के सिलसिले में नगर का सम्मानित श्रेष्ठी सुबुद्धि खड़ा था । वह बोला, 'आज प्रातः मैंने भी एक स्वप्न देखा। मैंने अनुभव किया कि आकाश में सूर्य पूरे तेज के साथ दमक रहा है। सहसा हजारों किरणें उससे टूटकर इधर- उधर बिखरने लगीं। उसी समय श्रेयांस पहुँचे और उन्होंने एक-एक किरण को सहेजकर सूर्य के साथ संयोजित कर दिया । उसके बाद वह सूर्य उज्ज्वल हो और अधिक चमकने लगा ।'

सुबुद्धि ने आगे कहा, 'एक व्यक्ति चारों ओर से शत्रुओं से घिरा था । उसके लिए बचाव का कोई मार्ग नहीं था । ऐसी विकट स्थिति में वहाँ श्रेयांस कुमार पहुँचते हैं और उनके सहयोग से उसे शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। तीनों स्वप्न विचित्र थे और तीनों का संबंध युवराज श्रेयांस से था।' महाराज सोमप्रभ ने स्वप्न पाठकों को याद किया। स्वप्न पाठक कुछ भी नहीं बता पाये।

वैशाख शुक्ला तृतीया है। उस समय ऋषभ के अभिनिष्क्रमण का एक वर्ष सम्पन्न हो चुका था. पच्चीस दिन और बीत गये। इस काल में ऋषभ ने न कुछ खाया और ना ही कुछ पिया। उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उन्हें निराहार रहने का अभ्यास हो गया। अपने श्वासोच्छवास के माध्यम से वे सूर्य की रश्मियों और हवा से उन सब तत्त्वों को ग्रहण कर लेते, जो उनके शरीर के लिए आवश्यक थे। परन्तु उनके साथ चार हजार तापस थे। उन्होंने सोचा भविष्य में मुनि होंगे। वे भूखे नहीं रह सकेंगे अतः भिक्षा-विधि का प्रवर्तन करना है।

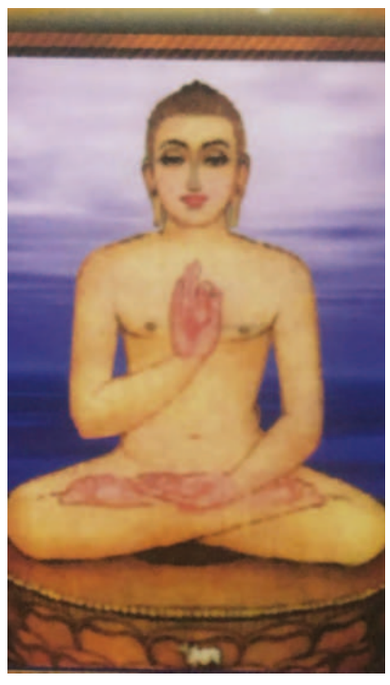

हस्तिनापुर में मुनि ऋषभ राजमहल के आगे से निकले। गवाक्ष में बैठे श्रेयांस ने नीचे की ओर देखा तो ऋषभ को देखते ही अपने चिंतन पर उहापोह करते पिछले कई जन्मों की स्मृति हो गई। इस स्मृति के साथ ही श्रेयांस को मुनि जीवन की गतिविधियों के संबंध में जानकारी मिल गई। उसी क्षण वह राजमहल से नीचे उतरे और नंगे पाँव राजपथ की ओर दौड़ पड़े। उनके साथ अन्य व्यक्ति भी दौड़कर ऋषी के चरणों में गिर पड़े। अपने प्रमाद के लिए क्षमा याचना की। स्थिर दृष्टि से भूमि का अवलोकन करते हुए, वे अपने पौत्र सोमप्रभ के आवास पर पहुँचे। उस दिन प्रातः काल ही ताजे इक्षुरस से भरे कुंभ उपहार में प्राप्त हुए से भरे कुंभ उपहार में प्राप्त हुए थे। श्रेयांस इक्षुरस के कुंभ को लेकर खड़े हो गये। भावना का प्रवाह बह रहा था। ऋषभ ने अपने हाथों से अंजलि बनाकर मुख पर टिका दी। श्रेयांस ने एक धारा इक्षुरस उंडेलना प्रारम्भ किया। ऋषभ अनासक्त भास से उसे पीते रहे। श्रेयांस का स्वप्न सफल हुआ। वास्तव में उसने अपने हाथों में पूर्ण अमृत कुंभ लेकर सुमेरु को अभिषिक्त कर दिया।ऋषभ की तपस्या का पारणा होते ही चारों ओर 'अहोदानम् अहोदानम्' की ध्वनियाँ निनादित होने लगीं। सब लोगों ने श्रेयांस के भाग्य की सराहना की लोगों के पूछने पर श्रेयांस ने बताया कि पिछले आठ वर्षों से मुझे ऋषभ का सान्निध्य उपलब्ध हुआ। इस जन्म से तीसरे जन्म में मैं इनके साथ मुनि बना था। उस जन्म की स्मृति के साथ ही मुझे भिक्षाविधि का बोध हुआ। वह बैशाख शुक्ल तृतीया का दिन था । इसलिए वह दिन अक्षय तृतीया के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस दिन वर्षीतप का पारणा करने की भी परम्परा है।

सलमान खान से पूछा जब करण जौहर ने सवाल ऐश्वर्या -कैटरीना में कौन ज्यादा शानदार?

ऐश्वर्या राय और कैटरीना कैफ के साथ अपने रिश्तों के चलते सलमान खान अक्सर सुर्खियों में रहे हैं. किसी अवॉर्ड फंक्शन या इवेंट में भी भाईजान को दोनों एक्ट्रेस से जुड़े हल्के-फुल्के सवालों का भी सामना करना पड़ा है. उनसे एक बार करण जौहर ने अपने चैट शो 'कॉफी विद करण' में पूछा था कि ऐश्वर्या राय और कैटरीना कैफ में से कौन ज्यादा बेहतर है? सुपरस्टार ने ऐसा जवाब दिया, जिसे सुनकर लोग हैरान रह गए थे.

करण जौहर ने अपने चैट शो 'कॉफी विद करण' में सलमान खान से ऐश्वर्या राय और कैटरीना कैफ संग उनके रिश्तों पर सवाल किया था, जिसका वीडियो एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहा है. भाईजान का कैटरीना और ऐश्वर्या संग अफेयर रहा है.

ऐश्वर्या के साथ सलमान के रिश्ते के बारे में सब जानते थे, लेकिन अफवाहें थीं कि वे कभी कैटरीना कैफ के साथ रिलेशनशिप में थे, हालांकि भाईजान ने स्पष्ट तौर पर कभी उनके साथ डेटिंग की पुष्टि नहीं की. सलमान खान के साथ हीरोइनों के रिश्ते का क्या हश्र हुआ, उससे प्रभावित हुए बिना भाईजान उनके प्रति अपना सम्मान जताते रहे हैं.

करण-सलमान की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर वायरल हो रहा था, जिसे अब डिलीट कर दिया गया है. 'न्यूज18 इंग्लिश' की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'कॉफी विद करण' के एक खास एपिसोड की क्लिप में करण, सलमान को ऐश्वर्या-कैटरीना में से ज्यादा स्टनिंग एक्ट्रेस चुनने के लिए कहते हैं. वे ऐश्वर्या राय बच्चन के बाद कैटरीना कैफ का नाम लेते हैं. वे तब उनके सिंगल स्टेटस पर भी तंज कसते हैं और कहते हैं, 'हम देखेंगे कि किसका सरनेम उनके नाम के साथ जुड़ेगा.'

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में साथ काम करने के बाद, ऐश्वर्या राय और सलमान खान एक-दूसरे को डेट करने लगे थे, लेकिन कुछ साल बाद उनका ब्रेकअप हो गया था. वे फिर अभिषेक बच्चन से मिलीं, जिनसे कुछ साल अफेयर के बाद साल 2007 में शादी कर ली.

ऐश्वर्या और अभिषेक ने नवंबर 2011 में अपनी बेटी आराध्या का दुनिया में स्वागत किया. दोनों सितारों ने 'धूम 2', 'गुरु' और 'रावन' सहित कई फिल्मों में साथ काम भी किया है. दूसरी ओर, कैटरीना कैफ के साथ सलमान खान के अफेयर की अफवाहें आती-जाती रहीं.

कैटरीना कैफ ने आखिरकार विक्की कौशल से 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के 'सिक्स सेंस फोर्ट बरवाड़ा' में शादी कर ली. एक्ट्रेस ने शादी से पहले 'कॉफी विद करण' में विक्की कौशल का नाम लेकर कहा था कि वे उनके साथ ज्यादा से ज्यादा फिल्में करना चाहती हैं.

19 की उम्र में डेब्यू, इंटीमेट सीन से हिट हुई फिल्म, तो दोगुनी कर दी फीस, नेशनल क्रश बन गई अनुपमा

पिछले कुछ सालों से फिल्म इंडस्ट्री की हसीनाओं के लिए एक खास टर्म का इस्तेमाल किया जाता है जो है 'नेशनल क्रश'. अब तक श्रद्धा कपूर से लेकर रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी लोगों की नेशनल क्रश बन चुकी हैं, लेकिन अब इस लिस्ट में एक और हसीना की एंट्री हो गई है जो इन दिनों खास वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं.

साल 2023 में रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' की रिलीज के बाद तृप्ति डिमरी को नेशनल क्रश कहा जाने लगा था. मूवी में उनके इंटीमेट सीन्स और अदाकारी की खूब चर्चा हुई. लोगों ने सोशल मीडिया पर तृप्ति को ढूंढ-ढूंढकर फॉलो किया. अब साल 2024 में लोगों को अपनी नई नेशनल क्रश मिल गई है. हालांकि, वह बॉलीवुड से नहीं बल्कि साउथ सिनेमा से हैं.

हम जिस खूबसूरत हसीना की बात कर रहे हैं उनका नाम है अनुपमा परमेश्वरन. वह लगभग एक दशक से मलायलम, तमिल और तेलुगु फिल्मों मे एक्टिव हैं. उन्होंने साल 2015 में महज 19 की उम्र में मलयालम फिल्म 'प्रेमम' से डेब्यू किया था. इसके बाद वह कोडी, रक्षकुडू और कार्तिकेया 2 जैसी कई फिल्मों में अपने हुनर का जलवा बिखेर चुकी हैं.

साल 2024 में अनुपमा परमेश्वरन की तेगुलु फिल्म 'टिल्लू स्क्वायर' रिलीज हुई, जिसने इंडस्ट्री में उनके कद को और ऊंचा कर दिया. यह उनके करियर की सबसे बड़ी हिट मूवी साबित हुई. 40 करोड़ के बजट में बनी 'टिल्लू स्क्वायर' ने दुनियाभर में 130 करोड़ का बिजनेस किया है.

'टिल्लू स्क्वायर' में सिद्धू जोन्नालगड्डा के साथ अनुपमा परमेश्वरन की केमिस्ट्री छा गई. इस मूवी में किसिंग और इंटीमेट सीन्स देकर अनुपमा परमेश्वरन ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं. ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर फिल्म की रिलीज के बाद एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स वाले कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं. वह देश की नई नेशनल क्रश बन गई हैं.

एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुपमा परमेश्वरन ने 'टिल्लू स्क्वायर' की सक्सेस के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है. अब वह पहले की अपेक्षा मेकर्स से दोगुनी फीस वसूल रही हैं. रिपोर्ट में बताया गया कि अनुपमा परमेश्वरन पहले 1 करोड़ फीस लेती थीं, लेकिन अब उन्होंने अपनी फीस बढ़ाकर 2 करोड़ कर दी है.

इन दिनों अनुपमा परमेश्वरन के सामने फिल्मों की लाइन लगी हैं. वह 'हनुमान' फेम डायरेक्टर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'ऑक्टोपस' में नजर आएंगी. इसके अलावा उनके पास ध्रुव विक्रम की 'बाइसन' और 'जेएसके' जैसी फिल्में हैं.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुपमा परमेश्वरन का ऑफिशियल अकाउंट है, जहां पर उन्हें 16 मिलियन यानी 1.6 करोड़ लोग फॉलो करते हैं. अनुपमा परमेश्वरन अक्सर अपनी फोटोज और वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं, जिन्हें उनके फैंस बहुत पसंद करते हैं.

हाईएस्ट पेड विलेन बन गए 'पुष्पा' के भंवर सिंह शेखावत?

फहाद फासिल ने दिया जवाब, कहा- 'मैं सिर्फ पैसे कमाने के लिए एक्टिंग नहीं करता'

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पाः द राइज' की सक्सेस ने फहाद फासिल को पैन इंडिया स्टार बना दिया है. फिल्म में उन्होंने एसपी भंवर सिंह शेखावत का किरदार निभाकर खूब वाहवाही लूटी. पिछले कुछ दिनों से फ्रेंचाइजी के दूसरे पार्ट यानी 'पुष्पाः द रूल' को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त बज़ है.

बताया जा रहा है कि फहाद फासिल ने सीक्वल के लिए 7 करोड़ की फीस वसूली है, लेकिन उनका कहना है कि वह सिर्फ पैसों के लिए काम नहीं करते हैं.

फिल्म कैम्पेनियन के साथ इंटरव्यू के दौरान फहाद फासिल से पूछा गया, चर्चा है कि आप देश के हाईएस्ट पेड विलेन बन गए हैं? इसके जवाब में एक्टर ने कहा, 'बेशक पैसा फैक्टर है, लेकिन यही एकमात्र फैक्टर नहीं है. कोई ऐसी चीज होना चाहिए, जो मुझे काम पर जाने के लिए उत्साहित करे और यह सिर्फ पैसा नहीं है. हम एक कमर्शियल सिनेमा बना रहे हैं. मैं उस समझ के साथ वहां जाता हूं और वहां सभी के साथ मिलकर काम करने में खुशी मिलती है. मैं इसे एंजॉय करता हूं. लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं देश का हाईएस्ट पेड विलेन हूं कि नहीं.'

'मैं सिर्फ पैसे कमाने के लिए एक्टिंग नहीं करता'

फहाद फासिल का मानना है कि वह सिर्फ पैसे कमाने के लिए एक्टिंग नहीं करते हैं. उन्होंने कहा, 'मैंने कुंबलंगी नाइट्स और ट्रान्स से पैसा कमाया है. मुझे एक्टिंग से पैसा नहीं कमाना है. मुझे उस पर निर्भर नहीं रहना है. मैं एक ऐसी फैमिली से आता हूं, जो पिछले 40 साल से फिल्में बना रही है. मैं जानता हूं कि यह बिजनेस कितना अस्थिर है. मैं फाइनेंशियल इन्टैबिलिटी को मैनेज कर सकता हूं, लेकिन मैं अपनी अस्थिरता को लेकर चिंतित हूं. मैंने लोगों को बदलते हुए देखा है. मैं चाहता हूं कि चाहे मेरी फिल्में अच्छा परफॉर्म करें या फिर खराब. मैं जैसा हूं वैसा ही बना रहूं.'

शिखर संग ब्याह रचाएंगी जाह्नवी कपूर? एक्ट्रेस ने खुद कर दिया सच का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर पिछले कुछ सालों से शिखर पहाड़िया के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं. बताया जाता है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. अक्सर दोनों को साथ में स्पॉट किया जाता है. इस बीच सोशल मीडिया पर खबर उड़ी कि जाह्नवी कपूर जल्द शिखर पहाड़िया के साथ अपना घर बसाने की प्लानिंग कर रही हैं. अब शादी की अफवाह पर एक्ट्रेस ने अपना रिएक्शन दिया है.

दरअसल, एक पैपराजी पेज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि जाह्नवी कपूर बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ शादी करने वाली हैं. पोस्ट में यह भी लिखा है कि दोनों तिरुपति मंदिर में ब्याह रचाएंगे. शादी के दौरान जाह्नवी कपूर गोल्डन साड़ी पहनेंगी. जब इस पोस्ट पर जाह्नवी कपूर की नजर पड़ी, तो वह सच का खुलासा करने से खुद को रोक नहीं पाई. उन्होंने तुरंत पोस्ट पर कॉमेंट करते हुए जवाब में लिखा, 'कुछ भी.' इस तरह जाह्नवी कपूर ने कन्फर्म कर दिया कि शिखर पहाड़िया के साथ उनकी शादी की खबर झूठी है.

स्पीड डायल लिस्ट में हैं शिखर पहाड़िया

कुछ समय पहले करण जौहर के पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में जाह्नवी कपूर ने बताया था कि उनकी स्पीड डायल लिस्ट में तीन लोग हैं, जिसमें से एक शिखर पहाड़िया भी हैं. जब करण जौहर ने उनसे स्पीड डायल लिस्ट में मौजूद तीन लोगों के नाम पूछे तो एक्ट्रेस ने जवाब में कहा, 'पापा (बोनी कपूर), (खुशी) छोटी बहन खुशी कपूर) और शिकू (शिखर पहाड़िया).'

कौन हैं शिखर पहाड़िया?

शिखर पहाड़िया की बात करें तो वह पॉलिटिकल फैमिली से आते हैं. वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिखर पहाड़िया और जाह्नवी कपूर का बीच में ब्रेकअप हो गया था. बीते साल ही कपल का पैचअप का पैचअप हुआ है. शिखर कई मौकों पर जाह्नवी कपूर के पिता बोनी कपूर और अर्जुन कपूर के साथ भी नजर आ चुके हैं.

जाह्नवी कपूर की अपकमिंग फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म 'बवाल' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने वरुण धवन के साथ काम किया था. अब वह बहुत जल्द जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा' से साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं. मूवी से उनका लुक भी सामने आ चुका है. इसके अलावा जाह्नवी कपूर के पास 'मिस्टर एंड मिसेज माही', 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'उलझ' जैसी फिल्में हैं.

शिल्पा शिंदे ने खत्म की 2 साल पुरानी लड़ाई 'खतरों के खिलाड़ी' की बनीं कन्फर्म कंटेस्टेंट?

खतरों के खिलाड़ी 14 हाल ही में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है, हर कोई आगामी सीज़न के बारे में बात कर रहा है।खतरों के खिलाड़ी 14 हाल ही में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है, हर कोई आगामी सीज़न के बारे में बात कर रहा है।

शिल्पा शिंदे कभी टीवी की हाई प्रोफाइल वाली एक्ट्रेस थीं. उन्होंने 'चिड़िया घर', 'भाभी जी घर पर हैं' से 'बिग बॉस 11' जैसे रियलिटी शो के जरिए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है. हर शो में दर्शकों ने उन्हें खूब प्यार दिया हैं. हालांकि इसके बावजूद वह अपने बयानों को लेकर खबरों में रही हैं. वह लंबे वक्त से टीवी शो से दूर रही हैं. आखिरी बार टीवी पर उन्हें 'झलक दिखला जा 10' में देखा गया था. इस शो में भी उनका मेकर्स संग पंगा होने के बाद उन्होंने इस शो को छोड़ दिया था. अब लंबे वक्त के बाद खबरें हैं कि वह 'खतरों के खिलाड़ी 14' का हिस्सा बनेंगीं.

एक रिपोर्ट के अनुसार, कलर्स पर आने वाला खतरानक स्टंट से भरपूर शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अपनी जगह बना चुकी हैं. शो में उन्होंने अपनी सीट पक्की कर

ली है. रिपोर्ट के अनुसार, शो के लिए खुद कर्लस चैनल ने शिल्पा को अप्रोच किया है. हालांकि इस बारे में अभी तक आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. हालांकि शिल्पा के नाम की अटकलें काफी तेज हो गई हैं.

'खतरों के खिलाड़ी 14' में शिल्पा का नाम जुड़ने से दर्शकों के बीच थोड़ी हलचल मच गई है. ऐसा इसलिए क्योंकि बीते साल कलर्स के 'झलक दिखला जा 10' शो को लेकर शिल्पा ने काफी कुछ कहा था. उन्होंने साल 2022 में शो और चैनल पर काफी आरोप भी लगाए थे. इस शो को लेकर शिल्पा और कर्लस चैनल के बीच मनमुटाव हो गया था. ऐसे में कर्लस द्वारा शिल्पा शिंदे को अप्रोच करना दर्शकों को हैरान कर रही हैं. हालांकि लगता कि चैनल और शिल्पा के बीच सुलह हो चुका है.

बता दें कि हमेशा की तरह इस बार भी बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर- प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी 'खतरों के खिलाड़ी 14' शो को होस्ट करनेंगे. . शो की शूटिंग इसी महीने रोमानिया में शुरू होने वाली है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, हमेशा की तरह इस बार का शो काफी अलग होगा. इस बार स्टंट भी कुछ अलग तरीके से हैं. खासकर इसलिए क्योंकि निर्माताओं ने कुछ कठिन स्टंट की योजना बनाई है . इसके साथ ही शूटिंग लोकेशन को केप टाउन से थाईलैंड, जॉर्जिया, बुल्गारिया या रोमानिया में बदल सकते हैं.

नाकाम हुईं 2 शादियां, फिर 4 एक्टर संग जुड़ा नाम, ऑनस्क्रीन दामाद संग डेटिंग का आरोप

एक्ट्रेस 'कसौटी जिंदगी की' से मशहूर हुई थीं, जिनका करियर जितना शानदार रहा है, निजी जिंदगी उतनी विवादों से घिरी रही. उन्होंने दो बार शादी थी और दोनों बार उनकी शादीशुदा जिंदगी नाकाम रही. वे सिंगल मदर का दायित्व निभा रही हैं और अक्सर छोटे एक्टर्स संग अफेयर के चलते सुर्खियों में रहती हैं. वे अपने बेबाक अंदाज और फैशन सेंस के चलते नई एक्ट्रेसेज पर भारी पड़ती हैं. लोगों ने उन पर बेटे की उम्र के हीरो को डेट करने का आरोप लगाया था और उन्हें जमकर ट्रोल किया था.

एक्ट्रेस 43 साल की हैं और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन खूबसूरती में कई नई एक्ट्रेसेज से ज्यादा हसीन लगती हैं. उन्होंने इंस्टाग्राम पर समुद्र किनारे घूमते हुए मनमोहक तस्वीरें साझा कीं, तो लोग उनकी ग्लैमरस अंदाज के मुरीद हो गए. वे ब्रालेट और ब्लैक शॉर्ट में नजर आईं. एक्ट्रेस की कुछ दिनों पहले एक्टर के साथ मस्तीभरी फोटोज सुर्खियों में थीं, जिनके साथ अफेयर की अफवाहों के चलते वह ट्रोल के निशाने में आ गई थीं.

श्वेता वायरल फोटोज में एक्टर वरुण कस्तूरिया के काफी नजदीक नजर आ रही हैं, जिसके चलते लोग उनके अफेयर के

कयास लगाते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे थे. लोग तंज कसते हुए बोले कि क्या वह बेटे की उम्र के लड़के को डेट करेंगी? हालांकि, वरुण कस्तूरिया ने फोटो कैप्शन में हैशटैक के साथ 'मदर एंड सन' लिखा था, फिर भी लोग श्वेता की आलोचना करते रहे.

श्वेता तिवारी को दर्शक टीवी शो 'अपराजिता' में वरुण कस्तूरिया की सासू मां के किरदार में देख चुके हैं. एक्ट्रेस का नाम पहले भी छोटे एक्टर्स संग जुड़ चुका है. 'इमली' फेम एक्टर फहमान खान संग अफेयर की चर्चाएं भी जोरों पर थीं, जो श्वेता तिवारी से करीब 10 साल छोटे हैं.

'टेलीचक्कर.कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार, फहमान खान ने एक बातचीत में बताया था कि 'मेरे डैड की दुल्हन' के वक्त श्वेता तिवारी के साथ अफेयर की अफवाहें सामने आई थीं. एक्टर ने कुछ दिनों पहले अफवाहों का खंडन किया था और बताया था कि वे सेट पर श्वेता तिवारी के साथ बैठकर इन अफवाहों पर खूब हंसे थे

श्वेता तिवारी का नाम 'खतरों के खिलाड़ी' के कंटेस्टेंट विशाल आदित्य सिंह के साथ भी जुड़ा था, हालांकि वह भी एक अफवाह ही साबित हुई. हालांकि, एक्टर ने बताया था कि वे अक्सर श्वेता के साथ फ्लर्ट करते थे. दरअसल, एक्ट्रेस ने शो 'बेगुसराय' में विशाल की मां का रोल निभाया था. वे तब उनकी खूबसूरती से अभिभूत रहते थे. श्वेता तिवारी का नाम 'कसौटी जिंदगी की' फेम एक्टर सिजान खान के साथ भी जुड़ा था, पर एक्ट्रेस ने इसे भी सिरे से खारिज कर दिया था.

रिपोर्ट के अनुसार, विशाल आदित्य सिंह ने कहा था, 'जब हम 'बेगुसराय' की शूटिंग कर रहे थे, तब मैं मसूमियत से उनके साथ फ्लर्ट करता था और वे डांटते हुए कहती थीं कि चल भाग, तुम बच्चे हो. मैं उनका और उनके काम का बहुत सम्मान करता हूं. उन्होंने मेरी मां का रोल निभाया, तो मैं उन्हें मॉमा कहने लगा. तब से मैं उन्हें ऐसा कह रहा हूं.'

श्वेता तिवारी की निजी जिंदगी काफी उथल-पुथल से भरी रही है. उन्होंने 18 साल की उम्र में राजा चौधरी से शादी की थी, जिनसे उनकी बेटी पलक तिवारी हैं. दोनों करीब 9 साल बाद अलग हो गए. उन्होंने पहले पति पर मारपीट का आरोप लगाया था.

43 साल की श्वेता ने दूसरी बार एक्टर अभिनव कोहली से 13 जुलाई 2013 को शादी की थी, जिसके करीब 6 साल बाद दोनों अलग हो गए थे. इस रिश्ते से श्वेता तिवारी का एक बेटा है, जिनका नाम रेयांश कोहली है.

पराली जलाने वाले किसानों के लिए बुरी खबर

केंद्र सरकार ने एमएसपी पर लिया बड़ा फैसला

चंडीगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा साल 2023 में सुनाए गए एक फैसले का हवाला देते हुए केंद्र सरकार ने खेतों में पराली जलाने वाले किसानों को इस साल से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का लाभ देने से वंचित करने के लिए राज्य की सरकारों को पत्र लिखा है। केंद्र ने जिन राज्यों को यह चिट्ठी लिखी है उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान शामिल है। केंद्र ने इन राज्यों को मुख्य सचिवों को इसे लागू करते हुए जल्द ही स्टेटस रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। आपको बता दें कि पराली जलाने वाले किसानों को खिलाफ फाइन और सजा के प्रावधान सियासी तौर पर काफी जटिल हैं। सरकारें अपनी सियासी हितों को ध्यान में रखते हुए पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई से परहेज करती रही है। बीते 10 अप्रैल को सचिवों की समिति की एक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्र सरकार ने पराली के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कार्ययोजना तैयार की। इसरो प्रोटोकॉल के तहत पराली जलाने वाले किसानों को एमएसपी से प्रतिबंधित किए जाने का फैसला किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस नियम को लागू करने की योजना सरकार के द्वारा तैयार किया गया है। एनएसआरसी और इसरो को ऐसे खेतों की मैपिंग की जिम्मेदारी दी गई है जिन खेतों में पराली जलाए जाते हैं। इसके लिए एक प्रोटोकॉल तैयार किया गया है। सरकार के नए आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब में सबसे अधिक धान की खेती होती है। इस साल इसके 31.54 लाख हेक्टेयर तक बढ़ने की संभावना है। पिछले साल की तुलना में यह काफी अधिक है। पंजाब के बाद हरियाणा का नंबर आता है। यहां इस साल 15.73 हेक्टेयर में धान की खेती होने की संभावना है। आपको बता दें कि सबसे अधिक पंजाब में पराली जलाने की घटना होती है। इसके बाद हरियाणा का नंबर आता है।

एनजीटी ने पंजाब से पूछे सवाल

हाल ही में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पंजाब सरकार को यह बताने का निर्देश दिया है कि वह चालू वर्ष में पराली जलाने की घटनाओं को कम करने के अपने लक्ष्य को कैसे हासिल करेगी। एनजीटी पंजाब में पराली जलाने के मामले पर सुनवाई कर रहा था जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के इलाकों में सर्दियों के मौसम में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ जाती है। इस साल जनवरी में अधिकरण ने पंजाब को गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए संशोधित नयी कार्य योजना दाखिल करने का निर्देश दिया था। अधिकरण ने राज्य सरकार को 12 जुलाई को सुनवाई की अगली तारीख से एक सप्ताह पहले रिपोर्ट दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया कि वह चालू वर्ष में पराली जलाने की घटनाओं को कम करने के अपने लक्ष्य को कैसे हासिल करेगी।

ग्वालियर के निजी स्कूल में समर कैंप के दौरान लगी आग, बच्चे सुरक्षित

ग्वालियर, 9 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित एक निजी स्कूल में समर कैंप के दौरान अचानक आग लग गई। स्कूल में मौजूद सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, पड़ाव थाना क्षेत्र के कांति नगर में स्थित एक निजी स्कूल में इन दिनों समर कैंप चल रहा है। इस शिविर में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हो रहे हैं। इसी दौरान गुरुवार को स्कूल में अचानक आग लग गई, जिससे भगदड़ के हालात बन गए। स्कूल परिसर में मौजूद शिक्षकों और बच्चों के बालकों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग लगने की वजह एक इलेक्ट्रिक स्कूटी बताई जा रही है जिसे चार्ज किया जा रहा था और इसी दौरान उसमें आग लग गई। आग स्कूल के बड़े हिस्से में फैल गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने स्कूल पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र में बड़ा खेल, बीच चुनाव शरद पवार ने की भाजपा के बड़े नेता से बात!

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण के लिए 13 मई को मतदान होना है। इस बीच यहां की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। ऐसा दावा किया गया है कि राज्य की राजनीति के चाणक्य कहलाने वाले शरद पवार की भाजपा के एक शीर्ष नेता के साथ फोन पर बातचीत हुई है। उनकी इस बातचीत से विपक्षी महाविकास अघाड़ी और वंचित बहुजन विकास अघाड़ी के नेता परेशान बताए जा रहे हैं। इस बीच चौथे चरण में जिन सीटों पर वोटिंग होने वाला है वहां चुनाव प्रचार तेज हो गया है। बीड में भी चौथे चरण में वोट डाले जाएंगे। अपने उम्मीदवार अशोक हिंगे के लिए चुनाव प्रचार करने बीड आए वंचित विकास अघाड़ी के नेता प्रकाश अंबेडकर ने शरद पवार पर भाजपा नेता से फोन पर बातचीत करने के आरोप लगाए। अंबेडकर ने मीडिया से बातचीत करते हुए शरद पवार समेत बीजेपी पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी के मुंबई में चुनाव प्रचार शुरू करने के बाद प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि उन्हें जवाब देना चाहिए कि कौन पाकिस्तान के साथ है और कौन नहीं। शरद पवार को भी जवाब देना चाहिए कि उन्होंने राजनाथ सिंह से क्या बात की।

प्रकाश अंबेडकर के सवाल

शरद पवार के बारे में बात करते हुए प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि उनकी राजनाथ सिंह से फोन पर क्या बात हुई? उनको ये बताना चाहिए। अगर मैं मोदी से बात करूंगा तो लोग इसका मतलब निकालेंगे कि उनकी मोदी के साथ राजनीति के बारे में चर्चा हुई। शरद पवार ने राजनाथ सिंह से क्या बात की? उन्हें ये बताना चाहिए। आपने राजनाथ सिंह को क्यों बुलाया? जब चुनाव चल रहा है तो क्या कोई फोन करता है? फिलहाल शरद पवार के क्षेत्रीय पार्टियों के कांग्रेस में विलय के बयान से सियासी माहौल गर्म है और इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। शरद पवार के बयान पर प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि कुछ पार्टियां कांग्रेस में विलय करेंगी या कुछ पार्टियां कांग्रेस के साथ नहीं जाएंगी?

निगम इंजीनियर पर 25 हजार का इनाम 28 करोड़ के घोटाले में तलाश रही पुलिस

इंदौर, 9 मई (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर पर इनाम राशि बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है। निगम में हुए 28 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े में राठौर की तलाश है। राठौर शासकीय फाइलों में चालाकी से फर्जीवाड़ा करता था। स्वीकृत ठेकों की राशि में हेराफेरी कर लाखों की राशि को करोड़ों कर देता था। इसके बाद इनके चेक बनवा लेता था। पुलिस ने 35 से ज्यादा फाइलों में यह फर्जीवाड़ा पकड़ा है। पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने यह इनाम घोषित किया है। वहीं जांच कर रहे डीसीपी जोन तीन पंकज पांडे के मुताबिक इसी केस में पकड़ाए आरोपी राजकुमार सालवी (बर्खास्त लिपिक) ने पूछताछ में बताया कि अभय राठौर (फरार ईई) ऐसी फाइलें ढूंढता था जिनमें कार्य स्वीकृत हो चुके थे। इसके बाद वह उनके वर्क आर्डर बदल देता था। नगर निगम से जब्त फाइलों की जांच में कई जगह हेराफेरी पकड़ में आई है। पांडे ने बताया कि वह राशि के अंकों में हेराफेरी कर करोड़ों रुपए कर लेता था।

सालवी आडिट शाखा के कर्मचारी मुरलीधरन करता की सहयता से फर्जी फाइलें आडिट शाखा में जमा करवा देता था। टीआइ विजयसिंह सिसोदिया के मुताबिक, घोटाले से संबंधित चार एफआइआर दर्ज हो चुकी है। जांच के लिए हीरानगर, ग्वालटोली, बाणगंगा, एमजी रोड़ और पुलिस लाइन के पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई है। एक टीम विवेचना संबंधित कार्य करती है। दूसरी टीम बैंक खाते और डेटा विश्लेषण संबंधित कार्य में जुटी है।

अमोल कीर्तिकर के लिए चुनाव प्रचार कर रहा 1993 बम धमाके का आरोपी? बीजेपी का बड़ा आरोप

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 2024 के लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर हैं। इस बीच उनके चुनाव प्रचार को लेकर बीजेपी ने चौंका देने वाला दावा किया है। बीजेपी ने आरोप लगाते हुए कहा कि, 1993 बम धमाकों के आरोपी इकबाल मूसा उर्फ बाबा चौहान को एमवीए मुंबई उत्तर पश्चिम के उम्मीदवार कीर्तिकर के लिए प्रचार करते देखा गया। अब यह लड़ाई केवल राष्ट्रवादी ताकतों और टुकड़े-टुकड़े गैंग के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि अब भारत और पाकिस्तान के बीच की लड़ाई है। मुंबई उत्तर पश्चिम सीट बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को टिकट दिया है। गोयल का मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर से है। मुंबई उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान 20 मई 2024 को होना है।

परिणाम 4 जून 2024 को घोषित किए जाएंगे। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र महाराष्ट्र की 48 संसदीय सीटों में से एक है। इस निर्वाचन क्षेत्र का फिल्म उद्योग से खासा संबंध है और पिछले कुछ वर्षों में यहां से दिलचस्प मुकाबले देखे गए हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में जोगेश्वरी पूर्व, डिंडोशी, गोरेगांव, वर्सोवा, अंधेरी पश्चिम, अंधेरी पूर्व सहित 6 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। मुंबई में लोकसभा की 6 सीटों पर चुनाव होंगे, जिनमें मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण-मध्य, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई उत्तर-पूर्व और मुंबई उत्तर-पश्चिम शामिल हैं। ये चुनाव पांचवें चरण में होंगे, जो कि 20 मई 2024 को निर्धारित है।

अमोल कीर्तिकर उद्धव गुट में हैं और उनके पिता एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में हैं। अमोल गजानन कीर्तिकर के बेटे हैं। यहां बता दें महाराष्ट्र में मुंबई की छह सीटों में से तीन सीटों पर सेना बनाम सेना के बीच सीधा मुकाबला है। शिवसेना में दो फाड़ होने के बाद इस लोकसभा चुनाव में सभी की नजर दोनों गुटों पर बनी हुई है।

पटना में पीएम मोदी के रोड शो पर आया जीतन राम मांझी का बड़ा बयान, बताई इसके पीछे की वजह

पटना, 9 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मई को पटना में रोड शो करेंगे। इसके बाद 13 मई को बिहार के हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और छपरा में जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के दौरे से पहले जमकर राजनीति भी हो रही है। इन सबके बीच बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पीएम मोदी के रोड शो और रैली के पीछे की वजह बताई है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय पटना रैली पर कहा है कि प्रधानमंत्री को बिहार से गहरा लगाव है। बिहार उनके लिए पसंदीदा जगह है। बिहार एक पिछड़ा राज्य है, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार की परिस्थिति को जानना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, अब डबल इंजन की सरकार है। नरेंद्र मोदी तीसरी दफा प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

सम्राट चौधरी ने दी थी रैली की पूरी जानकारी

बता दें कि बीते दिन बिहार के डिप्टी सीएम और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने प्रेसवार्ता आयोजित कर प्रधानमंत्री की रैली के बारे में जानकारी दी थी। कहा था कि राजधानी पटना में पहली बार कोई प्रधानमंत्री रोड शो करने आ रहा है। रोड शो बेली रोड से शुरू होकर डाक बंगला तक किया जाएगा। पटना के साथ बिहार की जनता भी उस दिन प्रधानमंत्री के साथ खड़े होकर इस बात का संदेश देगी कि वो बिहार को समृद्ध बनाने की दिशा में एकजुट है। इस बीच, सम्राट चौधरी ने आर्थिक सलाहकार समिति की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, इस पर किसी धर्म विशेष को टारगेट नहीं करना चाहिए। सम्राट चौधरी से मीडियाकर्मियों ने आर्थिक सलाहकार समिति की रिपोर्ट में हिंदुओं की घटती आबादी के बारे में सवाल किया गया था, जिस पर उन्होंने ये प्रतिक्रिया व्यक्त की। दरअसल, भारत में वर्ष 1950 से 2015 के बीच हिंदुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत कम हो गई है, जबकि इन्हीं वर्षों के दौरान देश में मुस्लिमों की आबादी में 43.15 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

'अब्बा को हो रहा था नुकसान

उमेश को मारना जरूरी था, चच्चा ने फिर' अतीक के बेटे उमर का बड़ा खुलासा

लखनऊ, 9 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड में धूमनगंज पुलिस ने अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर का भी बयान दर्ज कर लिया है। उमर फिलहाल लखनऊ जेल में बंद है। उमर ने पुलिस को बताया कि उमेश पाल की पैरवी करने से उसके पिता के धंधे पर असर पड़ रहा था। उमेश मुकदमों के अलावा जमीन संबंधित मामलों में भी हस्तक्षेप करने लगा था। इससे नाराज होकर अब्बा (अतीक अहमद) ने कहा था कि उमेश पाल को मारना जरूरी है। उनकी जिद थी कि उमेश पाल को खत्म कर दिया जाए। इसलिए (चच्चा) अशरफ ने पूरी साजिश रची और मारने के लिए शूटर भेजे थे। बता दें, 24 फरवरी 2023 को उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों की गोली-बम मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी ने अतीक अहमद, उसकी पत्नी शाइस्ता, अशरफ और अतीक के बेटों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। सीसीटीवी फुटेज में अतीक का तीसरे नंबर का बेटा असद गोली मारते हुए नजर आया था। अतीक और अशरफ से दो दिन पहले असद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार दिया था। अतीक के दोनों बड़े बेटे उमर लखनऊ जेल और अली नैनी जेल में बंद था। कुछ दिन पहले ही पुलिस ने अली का बयान दर्ज किया था। हत्याकांड में आरोपित उमर का बयान बाकी था। पुलिस ने लखनऊ जाकर उमर का बयान दर्ज किया। इस दौरान उमर ने यह भी खुलासा किया कि असद से सभी सूचनाएं मिलती थीं। असद ने बताया था कि वह बरेली जेल में अशरफ से मिलकर आया है। गुड्डू मुस्लिम और गुलाम समेत अन्य सभी मारने के लिए तैयार हैं। मामले में पुलिस ने बताया कि अतीक का बेटा असद आईफोन से जेल में अपने पिता और चाचा से बातचीत करता था। वह लखनऊ में हर सूचना उमर को जाकर बताता था। इन दोनों के बीच पर्ची से बातचीत होती थी। इसकी मदद से एक दूसरे को सूचनाएं शेयर करते थे। पुलिस को यह पर्ची भी हाथ लगी है जिससे विवेचना में शामिल किया गया है। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक के तीन बेटों को आरोपित किया गया है जिसमें एक की मौत हो चुकी है। चौथे और पांचवें नंबर के बेटों पर भी हत्याकांड में संलिप्तता के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस ने अपनी विवेचना में इसका जिक्र किया है। केस डायरी में लिखा है कि अतीक के दोनों छोटे बेटों ने शूटरों के आईफोन की फेसटाइम की आईडी बनाई थी। पुलिस को एक बेटे की डायरी मिली थी जिसमें कोड वर्ड लिखा था। बता दें, 25 अप्रैल को प्रयागराज स्थित नैनी सेंट्रल जेल में बंद माफिया अतीक के बेटे अली अहमद ने भी उमेशपाल हत्याकांड पर कई बड़े खुलासे किए थे।अली ने एनकाउंटर में मारे गए अपने भाई असद को लेकर भी कई बातें पुलिस को बताईं। बयान में अली ने कहा कि हमने मना किया था पर अब्बा नहीं माने। वो बोले कि अतीक के बेटे शेर हैं, दिनदहाड़े मारेंगे। अली के इस बयान से माना जा रहा है कि उमेशपाल हत्याकांड में कई राज से पर्दा उठेगा।

'हेमंत करकरे को कसाब ने नहीं मारा तो क्या तुम्हारे बाप ने मारा '? बीजेपी नेता कपिल मिश्रा के बिगड़े बोल

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के चांदनी चौक लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार प्रवीण खंडेलवाल के समर्थन में पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जमकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता कह रहें है कि हेमंत करकरे को कसाब ने नहीं मारा तो क्या तुम्हारे बाप ने मारा ? जैसे बंदूक वाले जिहादियों को हराया वैसे ही वोट के जिहादियों को भी हरायेंगे। अगर ढाई लाख वोट एक साथ पड़ेगा तो 18 लाख वोट भी एक साथ पड़ेगा।

कांग्रेस नेता पर साधा निशाना

कपिल मिश्रा ने कहा कि तीन दिन पहले कांग्रेस के एक नेता ने आतंकी कसाब को क्लीनचिट देने का काम किया। सुरक्षाकर्मियों ने कसाब को पकड़ लिया था वरना कांग्रेस के लोग उसे हिंदू साबित करने की बात करते।

नितिन गडकरी ने किया बीजेपी उम्मीदवार का प्रचार

वहीं, केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा कि यदि लोग नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट देते हैं तो दिल्ली विश्व के शीर्ष पांच शहरों में शामिल हो जाएगी। गडकरी, भाजपा उम्मीदवार प्रवीण खंडेलवाल के समर्थन में चांदनी चौक में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

गडकरी ने दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय ने ही दिल्ली में विभिन्न बुनियादी ढांचा

परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये की निधि प्रदान की है, जिसमें जयपुर, देहरादून और हरिद्वार जैसे अन्य शहरों से राष्ट्रीय राजधानी में आवागमन में सुधार के लिए राजमार्गों और फ्लाईओवर का निर्माण शामिल है।

गडकरी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

उन्होंने दिल्ली और जयपुर के बीच 'इलेक्ट्रिक केबल बस' और यमुना नदी से परिचालित होने वाली विमान सेवा जैसी प्रस्तावित परियोजनाओं का भी हवाला दिया। गडकरी ने कहा कि एक योजना तैयार की गई है और 'एम्फीबियस' (जमीन और पानी, दोनों जगहों से परिचालित हो सकने वाले) विमान दिल्ली आएंगे, जो देश में किसी अन्य गंतव्य पर जाने के लिए वहां से उड़ान भरेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, "हमने दिल्ली से जयपुर तक एक 'इलेक्ट्रिक केबल बस' शुरू करने की योजना बनाई है। तीन राज्यों में जाने वाली बसों की इस परियोजना पर काम जारी है, जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दिल्ली-जयपुर की दूरी सिर्फ सवा दो घंटे में तय करेगी।

आर्मी जवान ने ईवीएम में हेराफेरी करने के लिए उद्धव गुट से मांगे 2.5 करोड़

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस कमिश्नर मनोज लोहिया ने बताया कि, जम्मू में तैनात एक आर्मी जवान को छत्रपति संभाजीनगर शहर में शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे से ईवीएम में हेराफेरी करने के लिए 2.5 करोड़ रुपए मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने आगे बताया कि, जवान के सिर पर कर्ज था। उसे ईवीएम के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, वह सिर्फ धोखा देने की कोशिश कर रहा था। वह पुणे में एक बार अंबादास दानवे से मिला था और आज वह उससे मिलने और पार्टी नेता से पैसे लेने आया था। जाल बिछाने के लिए अंबादास दानवे ने उसे 1 लाख रुपए देने का वादा किया और नेता के भाई ने शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद जवान को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, अहमदनगर जिले के मूल निवासी और सेना के हवलदार मारुति ढकने ने कथित तौर पर दानवे को ईवीएम हैक करने के प्रस्ताव के साथ उनके फोन पर एक संदेश भेजा था। उसने दावा किया कि उसके पास एक विशेष चिप है, जिसके माध्यम से वह यह सुनिश्चित कर सकता है कि ईवीएम से सभी वोट उसकी पार्टी को ही जाएं। दानवे शिवसेना यूबीटी से जुड़े हैं। वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी ने औरंगाबाद लोकसभा सीट से एक उम्मीदवार को मैदान में उतारा है, जहां 13 मई को चौथे चरण में मतदान होना है। इसके बाद दानवे ने पुलिस से संपर्क किया, जिसने जाल बिछाने का फैसला किया। इसके बाद दानवे का एक सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ ढकने से मिलने गया। बैठक के दौरान, ढकने ने दानवे के सहयोगी से कहा कि वह 1.5 करोड़ रुपये में चिप सौंपने को तैयार है और दानवे को उसी दिन 1 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान करना होगा।

फर्जी वाहन सफाईकर्मियों के नाम 22.50 लाख रुपए की ठगी, 2 भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे, 9 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक ट्रांसपोर्टर से 22.50 लाख रुपये ठगने के आरोप में दो भाईयों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ट्रांसपोर्टर की फर्म में दोनों आरोपी परिचालन प्रबंधक और मालवहन प्रभारी के रूप में काम करते थे। नौपाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों ने कंपनी के ट्रक और ट्रेलर चालकों के मार्च के महीने से भुगतान के फर्जी विवरण बनाये और कथित तौर पर उन वाहन सफाईकर्मियों के नाम पर भुगतान लिया, जो ट्रांसपोर्टर के लिए काम नहीं करते थे। मामले की जानकारी फर्म के खातों के निरीक्षण और ऑडिट के दौरान सामने आई। पुलिस ने कहा कि बाद में दोनों आरोपी ठाणे में अपने आवास से भाग गए।

'बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ओवैसी'

रायबरेली में एआईएमआईएम सुप्रीमो पर बरसीं प्रियंका गांधी

रायबरेली, 9 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रायबरेली के मुंशीगंज में स्थित किसान शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने एआईएमआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और प्रियंका के भाई राहुल गांधी लोकसभा चुनावों में वायनाड की सीट के अलावा रायबरेली की सीट से भी दावेदारी पेश कर रहे हैं। राहुल और प्रियंका की मां सोनिया गांधी ने 2004 से लेकर 2019 तक, हर लोकसभा चुनाव में इस सीट से जीत दर्ज की थी। प्रियंका ने जिस स्मारक पर आज श्रद्धांजलि अर्पित की वह 1921 में शहीद हुए स्वतंत्रता सेनानियों की याद में बना है।

1920-21 के असहयोग आंदोलन के दौरान अवध में किसान आंदोलन छिड़ गया था जिसका नेतृत्व बाबा रामचंद्र और मदारी पासी कर रहे थे। आंदोलन के दौरान रायबरेली के मुंशीगंज में भयानक गोलीकांड हुआ था। 7 जनवरी 1921 को सई नदी के पुल पर किसानों को घेरकर गोलियों से भून दिया गया था। इसकी सूचना मिलने पर मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू रायबरेली पहुंचे थे और पीड़ित किसानों से मुलाकात की थी। इस नरसंहार के बाद आंदोलन और तेज हुआ तो दोनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में शहीद किसानों की याद में यहां पर शहीद स्मारक बनाया गया। इस बीच ओवैसी पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा, 'मैं आपको बार-बार बता रही हूं। असदुद्दीन औवैसी सीधे तौर पर बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जहां भी भाजपा को अन्य दलों को पीछे धकेलने के लिए किसी को मैदान में उतारने की जरूरत है, वह ऐसा कर रहे हैं। तेलंगाना चुनाव में ये बात बिल्कुल साफ हो गई है।'

प्रियंका ने यह भी कहा कि, 'छत्तीसगढ़ में हमने कहा था कि किसानों के कर्ज माफ होंगे तो माफ हुए। कर्नाटक में हमने कहा था कि महिलाओं के खाते में 2000 डालेंगे, आज डल रहे हैं। जहां-जहां हमारी सरकार है, हमने वादे पूरे किए हैं। अगर हमारी सरकार केंद्र में आएगी तो किसानों के कर्ज माफी के लिए एक स्थायी आयोग बनेगा। खेती से जुड़े सभी उपकरण जीएसटी से मुक्त हो जाएंगे।'

यूक्रेनी महिला सैनिक से दोस्ती छात्र को पड़ गई भारी, मिलने लगी ईडी,सीबीआई की धमकी

गोरखपुर, 9 मई (एजेंसियां)। डीडीयू के छात्र ने यूक्रेनी सैनिक से दोस्ती के लालच और फिर डॉलर में गिफ्ट पाने की चाहत में चार लाख से अधिक रुपये गंवा दिए। वह दोस्तों का कर्जदार भी बन गया। अब जब उसके पास ईडी और सीबीआई की धमकी देते हुए 8.82 लाख रुपये की मांग की गई तो उसे ठगी का एहसास हुआ। उसने एसपी सिटी से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र दिया है। साइबर एक्सपर्ट मामले की जांच कर रहे हैं। कुशीनगर जिले का रहने वाला एक छात्र डीडीयू से एमएससी कृषि की पढ़ाई कर रहा है। द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले छात्र के पास कुछ दिन पहले ही फेसबुक पर एक महिला का फ्रेंड रिक्वेस्ट आया। वह फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार कर उससे चैट करने लगा। चैटिंग के दौरान उसने बताया कि वह यूक्रेन की सेना में है। कुछ दिन चैट के बाद उसने गिफ्ट भेजने की जानकारी दी। बातचीत में उसने मोबाइल नंबर भी ले लिया। दो दिन बाद उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि मुंबई एयरपोर्ट पर आपका गिफ्ट पार्सल आया है। उसे छुड़ाने के लिए 1000 डॉलर यानि 83,300 रुपया भेजना होगा। झांसे में आकर युवक ने उसके नंबर पर रुपये भेज दिया। इसके बाद फिर दूसरे दिन उसी नंबर से फोन आया। उसने गिफ्ट के आयकर विभाग द्वारा पकड़े जाने की जानकारी देकर टैक्स के रूप में 3 लाख 33 हजार 500 रुपये की मांग की गई। जालसाज के द्वारा बताया कि गिफ्ट में कीमती सामान के साथ अधिक संख्या में डॉलर भी है। कीमती गिफ्ट जानकर छात्र ने अपने दोस्तों व परिचितों से कर्ज लेकर पूरी रकम भेज दिया। इसके बाद भी वह गिफ्ट नहीं मिला।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की बड़ी कार्रवाई

सिक लीव पर जाने वाले कर्मचारियों को बर्खास्त किया

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिक लीव लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। एयरलाइन ने 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इन कर्मचारियों को टर्मिनेशन लेटर थमा दिया गया है। बड़ी संख्या में क्रू मेंबर्स के सिक लीव लेने के कारण एयरलाइन की 90 से अधिक फ्लाइट्स को कैंसल कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस एयरलाइन्स के करीब 25 कर्मचारियों को टर्मिनेट कर दिया गया है। ये कैबिन क्रू मेंबर काम पर नहीं आए जिसके कारण हजारों यात्रियों को परेशानी हुई। एयरलाइन ने बुधवार को कहा था कि उसके कई सीनियर क्रू मेंबर्स ने अचानक सिक लीव ले ली है। यह सिलसिला मंगलवार की रात को शुरू हुआ और बुधवार तक चलता रहा। कंपनी के 300 कर्मचारी सिक लीव पर चले गए। इस कारण एयरलाइन को 90 से अधिक इंटरनेशनल और घरेलू उड़ानें कैंसल करनी पड़ी हैं। सिविल एविएशन अथॉरिटी इस मामले की जांच कर रही है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की शुरुआत अप्रैल 2005 में हुई थी। यह दिल्ली, मुंबई, त्रिवेंद्रम और कोच्चि से खाड़ी देशों के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। एयर इंडिया को कुछ साल पहले टाटा ग्रुप ने खरीद लिया था। एयर इंडिया एक्सप्रेस में संकट ऐसे समय गहराया है जबकि उसकी एआईएक्स कनेक्ट (एयरएशिया इंडिया) के साथ मर्जर की प्रक्रिया चल रही है। बड़ी संख्या में क्रू मेंबर्स के अचानक सिक लीव पर चले जाने के बाद बुधवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर अफरातफरी का माहौल रहा। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गोवा, गुवाहाटी और श्रीनगर की फ्लाइट अंतिम क्षणों में कैंसल कर दी। यात्रियों की शिकायत थी कि उन्हें इसकी जानकारी एयरपोर्ट पहुंचने पर मिली।

एयरलाइन सेक्टर का बुरा हाल

एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट्स कैंसल होने से देशभर में करीब 13,000 यात्री प्रभावित हुए। एयर इंडिया एक्सप्रेस रोजाना 350 से 400 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। इनमें से 250 इंटरनेशनल और 120 घरेलू उड़ानें हैं। इस संकट को देखते हुए कंपनी ने 13 मई तक 40 फ्लाइट्स में कटौती करने की घोषणा की है। पीक सीजन में एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट्स कैंसल होने से एयरलाइन सेक्टर पर दबाव बढ़ गया है। इंजन में समस्या के कारण इंडिगो के 75 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। गोएयर बंद पड़ी है जबकि स्पाइसजेट की भी कई उड़ानें बंद हैं। एयरबस और बोइंग की तरफ से नए विमानों की डिलीवरी की रफ्तार भी धीमी पड़ी है।

अक्षय तृतीया से पहले ही टूट गया सोने की बिक्री का रेकॉर्ड

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। सोने की कीमत में इस साल 11 फीसदी तेजी आई है और पिछले साल अक्टूबर से इसमें 25% तेजी आई है। इस तेजी की वजह पता चल गई है। इसका कारण यह है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने साल की पहली तिमाही में खरीदारी का नया रेकॉर्ड बना दिया है। खासकर चीन, भारत और तुर्की के सेंट्रल बैंकों में सोना खरीदने की होड़ मची हुई है। इस साल जनवरी से मार्च के दौरान सेंट्रल बैंकों ने रेकॉर्ड 290 टन सोना खरीदा। पिछले साल पहली तिमाही में उन्होंने ऑल-टाइम हाई 286 टन सोना खरीदा था। लेकिन इस बार यह रेकॉर्ड टूट गया। पिछले लगातार दो साल सेंट्रल बैंकों ने 1000 टन से अधिक गोल्ड खरीदा था। अब लगातार तीसरे साल सेंट्रल बैंक इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चीन में तो केंद्रीय बैंक के साथ-साथ लोग भी जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। अमूमन जब शेयर मार्केट या डॉलर में कमजोरी आती थी तो सोने की कीमत में उछाल देखी जाती थी। लेकिन चीन जिस तरह से सोने की खरीदारी कर रहा है, उससे यह धारणा भी बदल गई है। दुनियाभर में शेयर मार्केट और डॉलर की कीमत में तेजी के साथ सोने की कीमत में भी तेजी आ रही है। हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी कीमत 2,400 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई थी। चीन के सेंट्रल बैंक ने अप्रैल में लगातार 18वें महीने अपने सोने का भंडार बढ़ाया है। पिछले साल उसने दुनिया के किसी भी सेंट्रल बैंक के मुकाबले सबसे ज्यादा सोना खरीदा था। चीन के सेंट्रल बैंक में पिछले 50 साल में सोने का जितना भंडार था, उससे ज्यादा उसने पिछले साल खरीद लिया।अक्षय तृतीया से एक दिन पहले महंगा हुआ सोना, चांदी में उछाल, जानिए कहां पहुंच गया रेट

आम लोग भी खरीद रहे हैं सोना

दिलचस्प बात है कि चीन इस बार सोने की खरीदारी डॉलर में कर रहा है। पहले वह सोने की खरीदारी अपनी अपनी करेंसी में किया करता था लेकिन इस बार यह पैटर्न बदल गया है। चीन का सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व को डाइवरसिफाई करने के लिए गोल्ड खरीद रहा है और अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है। चीन के लोग भी जमकर सोने की खरीदारी करने में लगे हैं। चीन का रियल एस्टेट कई साल से संकट से जूझ रहा है और शेयर बाजार में भी गिरावट आई है। इसलिए चीन के निवेशकों का भरोसा उनमें बुरी तरह डगमगाया हुआ है और वे सोने में निवेश कर रहे हैं।

निवेश सलाहकारों पर सेबी ने कसा शिकंजा

साल में दो बार देनी होगी सोशल मीडिया की डिटेल

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। मार्केट रेगुलेटर एसईबीआई ने बुधवार को निवेश सलाहकारों के लिए समयबद्ध रिपोर्टिंग का एक फॉर्मेट जारी किया। इसमें सलाहकारों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के बारे में भी बताने को कहा गया है। इसमें बताया गया है कि सलाहकारों को फेसबुक, ट्विटर और दूसरे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी के बारे में साल में दो बार डिटेल देनी होगी। सेबी के नए फॉर्मेट के तहत उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल, अडवाजरी चार्ज लेने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक अकाउंट, द्वारा किए गए पिछले निरीक्षण के बारे में जानकारी, आधे साल में जारी किए गए विज्ञापनों का ब्योरा देना होगा।

हालांकि, सेबी खुद सोशल मीडिया पर निवेश सलाहकारों की गतिविधियों पर नजर रखता है। लेकिन, अब उसने सोशल मीडिया पर गतिविधियों के डिसक्लोजर को अनिवार्य बना दिया है। ऐसा नहीं करने वाले निवेश सलाहकारों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल IAASB adhoc basis पर इनसे जानकारी मांगता है। सेबी ने कहा है कि निवेश सलाहकारों को अपने खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायतों के बारे में भी जानकारी देनी होगी। इन्हें प्रत्येक वित्त वर्ष में 30 सितंबर और 31 मार्च को समाप्त होने वाली छमाही के लिए समय-समय पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया है। अपने नियम में संशोधन करते हुए सेबी ने कहा कि अगर कर्मचारियों की ओर से कोई भी भ्रष्ट गतिविधि सामने आती है तो उनसे ही इसकी भरपाई की जाएगी। यह भरपाई कर्मचारियों के वेतन और उन्हें मिलने वाली अन्य रकम से की जा सकती है। सेबी के अनुसार, किसी कर्मचारी के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई के पेंडिंग रहने के दौरान संबंधित कर्मचारी को मिलने वाली ग्रैच्यूटी को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से रोका जा सकता है।

पैसा बोलता है! गुरुग्राम के नए प्रोजेक्ट में महज 3 दिनों में बिक गए 5,590 करोड़ के लग्जरी फ्लैट

गुरुग्राम, 9 मई(एजेंसियां)। मार्केट में बहुत पैसे हैं। यह संकेत गुरुग्राम के एक नए प्रोजेक्ट में महज तीन दिनों के भीतर 5,590 करोड़ रुपये मूल्य के सभी 795 फ्लैट बिक जाने से मिलता है। दरअसल, रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने मजबूत उपभोक्ता मांग के दम पर इतनी बिक्री कर डाली। कंपनी ने शेयर बाजार को गुरुवार को दी सूचना में बताया कि परियोजना 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट' ने तीन दिन के भीतर करीब 5,590 करोड़ रुपये मूल्य की उल्लेखनीय बिक्री हासिल की।

यह नई परियोजना 12.57 एकड़ में फैली है जिसमें 795 फ्लैट हैं।

एक फ्लैट की कीमत करीब सात करोड़ रुपये है।

अल्ट्रा-लग्जरी मकानों की हाई डिमांड

खबर के मुताबिक, इस साल जनवरी में कंपनी ने गुरुग्राम में अपनी परियोजना 'डीएलएफ प्रिवाना साउथ' के भी 1,113 लग्जरी अपार्टमेंट पेश होने के तीन दिन के भीतर 7,200 करोड़ रुपये में बेचे थे। वह परियोजना 25 एकड़ में फैली हुई थी। 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट' और 'डीएलएफ प्रिवाना साउथ' दोनों ही हरियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर 76 और 77 में स्थित 116 एकड़ में फैली टाउनशिप 'डीएलएफ प्रिवाना' का हिस्सा हैं। सूत्रों के मुताबिक, डीएलएफ को करीब 1,550 और 1,600 ग्राहकों से रुचि पत्र (ईओआई) मिले जो इस नई परियोजना में पेश की जा रही कुल इकाइयों का करीब दोगुना है। यह अल्ट्रा-लग्जरी मकानों की हाई डिमांड को दर्शाता है।

डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी आकाश ओहरी ने कहा कि डीएलएफ प्रिवाना की परियोजना 'डीएलएफ प्रिवाना साउथ' की जबरदस्त सफलता के बाद, 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट' को शानदार प्रतिक्रिया मिली।

उन्होंने बताया कि इस नई परियोजना में कई फ्लैट अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) ने खरीदे हैं।

डीएलएफ ने पिछले साल मार्च में गुरुग्राम में अपनी आवासीय परियोजना में सात करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत के 1,137 लग्जरी अपार्टमेंट तीन दिन के भीतर 8,000 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे थे। गुरुग्राम आवासीय बाजार में आवासीय संपत्तियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिससे कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद मांग अभी तक बनी हुई है।

पंजाब नेशनल बैंक को हुआ तगड़ा मुनाफा

पिछले साल की तुलना में तीन गुना बढ़ा प्रॉफिट

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने पिछले वित्त वर्ष के चौथी तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। बैंक ने बताया कि मार्च तिमाही मेंउन्हें तगड़ा मुनाफा हुआ है। इस तिमाही बैंक के इनकम में सुधार के साथ बैड लोन में भी गिरावट देखने को मिली है।

पीएनबी का चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 3,010 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,159 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

पीएनबी ने नियामक फाइलिंग में कहा कि मार्च तिमाही के दौरान कुल इनकम बढ़कर 32,361 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 27,269 करोड़ रुपये थी।

बैंक ने बताया कि इस अवधि में उनके इंटरेस्ट से होने वाली इनकम बढ़कर 28,113 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 23,849 करोड़ रुपये थी।

बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) मार्च 2023 के अंत में 8.74 फीसदी से घटकर 31 मार्च, 2024 तक 5.73 प्रतिशत हो गई। पिछले साल की इसी तिमाही में बैंक का एनपीए 2.72 प्रतिशत था।

बैंक के बैड लोन मार्च तिमाही में 1,958 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही के दौरान यह 3,625 करोड़ रुपये था।

मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में बैंक का नेट प्रॉफिट तीन गुना से अधिक बढ़कर 8,245 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 2,507 करोड़ रुपये था।

पीएनबी का सीआरएआर 31 मार्च, 2023 को 15.50 प्रतिशत से बढ़कर 15.97 प्रतिशत हो गया।बैंक ने शानदार तिमाही नतीजों के साथ शेयरधारकों को 1.5 रुपये प्रति शेयर का लाभांश देने का एलान किया है। इसका मतलब है कि निवेशकों को प्रति शेयर पर 75 फीसदी का डिविडेंड मिलेगा।

आज पंजाब नेशन बैंक के शेयर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखते वक्त बैंक के शेयर 1.56 फीसदी की गिरावट के साथ 122.85 प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है।

टीसीएस सीईओ को मिली 25 करोड सैलरी

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि टीसीएस के नवनियुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने वित्त वर्ष 2024 में 25 करोड़ रुपये से अधिक का वेतन लिया। राजेश गोपीनाथन के आश्चर्यजनक रूप से बाहर निकलने के बाद कृतिवासन ने जून 2023 में देश के सबसे बड़े आईटी सेवा निर्यातक के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। उनकी नियुक्ति पांच साल की अवधि के लिए है।

कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कृतिवासन ने वित्तीय वर्ष के दौरान 3.08 करोड़ रुपये के लाभ, अनुलाभ और भत्ते के साथ 1.27 करोड़ रुपये का वेतन अर्जित किया और 21 करोड़ रुपये का कमीशन प्राप्त किया।इसमें कहा गया है कि कमाई में टीसीएस के सबसे बड़े बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा के वैश्विक प्रमुख के रूप में उनका मुआवजा शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी एन जी सुब्रमण्यम ने वित्तीय वर्ष के दौरान 26.18 करोड़ रुपये कमाए। सुब्रमण्यम, जो जल्द ही कंपनी से सेवानिवृत्त होने वाले हैं, पूरे वर्ष के लिए इस पद पर थे और उनकी परिलब्धियों में 1.72 करोड़ रुपये का वेतन शामिल था; लाभ, अनुलाभ और भत्ते में 3.45 करोड़ रुपये और कमीशन में 21 करोड़ रुपये है।

आखिर क्यों न गिरे शेयर बाजार!

एफआईआई ने 2024 में सिर्फ इन स्टॉक्स से निकाल लिए 46,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 9 मई(एजेंसियां)। इन दिनों शेयर बाजार क्यों टूट रहे हैं, इसका अंदाजा तो आपको होगा ही। जी हां, आप सही सोच रहे हैं। इसके पीछे विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी बाजार से की गई निकासी है। इन निवेशकों ने साल 2024 के पहले चार महीनों में सिर्फ फाइनेंशियल स्टॉक्स से ही लगभग 46,000 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले रिजर्व बैंक ने कई लिस्टेड बैंक, एनबीएफसी और फिनटेक पर कार्रवाई की थी। हमारे सहयोगी ईटी मार्केट की एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने इस साल जनवरी में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि की निकासी की। इसी साल फरवरी में भी उन्होंने लगभग 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री की।

बीते अप्रैल महीने के दौरान एफआईआई की बिक्री करीब 9,300 करोड़ रुपये की थी।

मार्च की तिमाही में, एचडीएफसी बैंक में एफआईआई द्वारा सबसे अधिक बिक्री देखी गई। उस महीने निजी क्षेत्र में भारत के सबसे बड़े बैंक के 29 करोड़ शेयर बेच दिए। इसी दौरान कोटक महिंद्रा बैंक के 4.26 करोड़ शेयर और एक्सिस बैंक के 2.8 करोड़ शेयर भी बेचे। बजाज फाइनेंस, आईआईएफएल फाइनेंस और जेएम फाइनेंस जैसे एनबीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, फेडरल बैंक और साउथ इंडियन बैंक जैसे बैंकों और पेटीएम जैसे फिनटेक के खिलाफ नियामक कार्रवाइयों ने निवेशकों को चिंतित कर दिया। आरबीआई की कार्रवाई इन संस्थानों द्वारा गैर-अनुपालन, ग्राहक शिकायतों पर ध्यान नहीं देने, डेटा गोपनीयता, प्रशासन, अपने ग्राहक को जानें केवाईसी और एंटी मनी-लॉन्ड्रिंग मसलों पर हुई थी।

शेयर बाजार में 1062 अंक की हाहाकारी गिरावट

निफ्टी भी 345 अंक गिरा, ऑयल एंड गैस शेयर्स सबसे ज्यादा फिसले

मुंबई, 9 मई(एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 9 मई को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 1062 अंक गिरकर 72,404 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 345 अंक की गिरावट देखने को मिली, ये 21,957 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 में तेजी देखने को मिली।

ऑटो को छोड़कर एनएससी के सभी सेक्टर में गिरावट दिखने को मिली। निफ्टी ऑटो में 0.78% की तेजी रही। जबकि, ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.15% की गिरावट रही। इसके अलावा FMCG में 2.47%, रियल्टी में 2.23% और मेटल में 2.87% की गिरावट रही।

स्टेट बैंक का मुनाफा 24% बढ़ा, 13.70 रुपए के डिविडेंड का ऐलान भारतीय स्टेट बैंक ने आज वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा की। इस तिमाही में स्टेट बैंक का स्टैंडअलोन मुनाफा सालाना आधार पर 24% बढ़कर 20,698 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की समाना तिमाही में मुनाफा 16,694 करोड़ था। बोर्ड ने प्रति शेयर 13.70 रुपए के डिविडेंड पेमेंट की सिफारिश की है। इस डिविडेंड के लिए पात्र शेयरधारकों का निर्धारण 22 मई 2024 को उनकी ओनरशिप के आधार पर किया जाएगा। डिविडेंड पेमेंट 5 जून, 2024 को किया जाएगा।

रिजल्ट के बाद स्टेट बैंक का शेयर 9.20 रुपए या 1.13% बढ़कर 820 रुपए पर बंद हुआ। शेयर ने 839.65 रुपए का लाइफटाइम हाई भी बनाया। बीते 6 महीने में SBI का शेयर करीब 40% चढ़ा है। वहीं इस साल अब तक शेयर करीब 28% का रिटर्न दे चुका है।

हीरो मोटोकॉर्प के शेयर में 3.19% की तेजी रही टू-व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शेयर में 2024 की चौथी तिमाही के पॉजिटिव नतीजों के बाद 3.19% की तेजी देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद शेयर 147 अंक चढ़कर 4,761 के स्तर पर बंद हुआ।

चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 18% बढ़कर 1016.05 करोड़ रुपए हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 858.93 करोड़ रुपए का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। टीबीओ टेक लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 1,550.81 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 400 करोड़ के 4,347,826 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक 1,550.81 करोड़ के 16,856,623 शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। आधार हाउसिंग फाइनेंसः आधार हाउसिंग फाइनेंस इस IPO के जरिए 3,000 करोड़ जुटाना चाहती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

चंद्र २ गुरु, सूर्य शुक्र १, राहु मंगल बुध १२, ११ शनि, ३, ४, १०, ५, केतु ६, ७, ८, ९

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	वृष	में
मंगल	मीन	में
बुध-	मीन	पें
गुरु-	वृष	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
मेष	04-20	बजे
वृष	06-05	बजे
मिथुन	08-06	बजे
कर्क	10-18	बजे
सिंह	12-30	बजे
कन्या	14-36	बजे
तुला	16-42	बजे
वृश्चिक	18-52	बजे
धनु	21-10	बजे
मकर	23-32	बजे
कुंभ	01-02	बजे
मीन	02-40	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
सूर्योदय - **05-49**
सूर्यास्त. - **18-35**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया **02-50** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - वैशाख शुक्ल , शुक्रवार **10 May**
नक्षत्र - रोहिणी **10-46** तक उप मृगशिरा
योग - अतिगण्ड **12- 06** तक उप सुकर्मा
करण- तैतिल **15-29** तक उप गर
विशेष:- अक्षय तृतीया, मेष में बुध
व्रत -त्योहार - श्री परशुराम जयंती,आखातीज

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:36 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:49 - 07:23	शुभ	रोग.	18:35 - 20:02	अशुभ
लाभ	07:23 - 08:59	शुभ	काल.	20:02 - 21:25	अशुभ
अमृत	08:59 - 10:36	शुभ	लाभ.	21:25 - 22:49	शुभ
काल	10:36 - 12:13	अशुभ	उत्पात	22:49 - 24:12	अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:49	शुभ	शुभ	24:12 - 01:36	शुभ
रोग	13:49 - 15:25	अशुभ	अमृत	01:36 - 02:59	शुभ
उत्पात	15:25 - 17:02	अशुभ	चंचल	02:59 - 04:23	शुभ
चंचल	17:02 - 18:35	शुभ	रोग	04:23 - 05:49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है,ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें आपको यह जानकार आश्चर्य होगा की आपने इन पारिवारिक सत्रों से कितना कुछ सीखा है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे आपके लिए रोमांचक समय है आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है उनके साथ अच्छा समय बिताएं यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपका मूड बदलता रहेगा आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपकी किस्मत आपके साथ है आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें आज कोई दोस्त मिल सकता है दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आजकल हर किसी की नजर में हैं जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महादेव सट्टा ऐप मामले में ईओडब्ल्यू का एक्शन

रायपुर, दुर्ग, भिलाई, कांकेर और राजनांदगांव समेत 30 जगहों पर एक साथ कार्रवाई

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टा ऐप मामले में ईओडब्ल्यू ने प्रदेश भर में छापेमार की है। ईओडब्ल्यू की टीमें सुबह से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, कांकेर और राजनांदगांव में एक साथ कार्रवाई में जुटी हैं। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल भी कार्रवाई के दौरान मौजूद हैं।

6 से 7 लोगों की एक टीम बनाई गई है, जिसमें डीएसपी रैंक के अधिकारी भी हैं। ईओडब्ल्यू की टीम में टाइपराइटर्स भी हैं। दरअसल, पिछले दिनों महादेव सट्टा ऐप के आरोपियों को रिमांड में लेकर ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने पूछताछ की थी। इस दौरान जो नाम सामने आए थे उनके घरों और ठिकानों पर छापेमारी की गई है।

सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों के ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है, उनमें से ज्यादातर सराफा कारोबारी, पुलिसकर्मी हैं। वहीं, महादेव सट्टा ऐप के आरोपी निलंबित एएसआई चंद्र भूषण वर्मा के संतोषी नगर स्थित घर भी टीम पहुंची है। बताया जा रहा है कि 2 दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है।

ईओडब्ल्यू की टीम निलंबित एएसआई चंद्रभूषण वर्मा के घर भी जांच करने पहुंची है। चंद्रभूषण वर्मा न्यायिक रिमांड पर अभी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। आरोप है कि वर्मा ने महादेव ऐप से जुड़े लोगों को बचाने के लिए प्रोटेक्शन मनी लेकर पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं तक पहुंचाने का काम किया। इस मामले में कांकेर के चारामा में भी ईओडब्ल्यू की टीम ने हेड कॉन्स्टेबल विजय पांडेय के वार्ड नंबर 13 स्थित आवास में दबिश दी है।

कांकेर में इस मामले में ये पहला एक्शन है। दुर्ग में सराफा कारोबारी प्रकाश सांखला और राजेंद्र जैन के महावीर कॉलोनी स्थित घर और राजेंद्र जैन के घर भी ईओडब्ल्यू के अधिकारी पहुंचे हैं। इस मामले में धरमजयगढ़ में ईओडब्ल्यू ने कारोबारी अनिल अग्रवाल उर्फ पिंटू अग्रवाल के नीचेपारा स्थित आवास में छापामारी की। हालांकि घर कई सालों से बंद पड़ा, लिहाजा अधिकारियों ने मकान को सील कर दिया।

पलायन, अराजकता और भ्रष्टाचार का खामियाजा भुगत रहा झारखंड

वित्त मंत्री बोलीं- बदलाव समय की जरूरत

रांची, 9 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को आरोप लगाया कि झारखंड बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, पलायन और अराजकता का खामियाजा भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के शासन में बदलाव समय की जरूरत है। सीतारमण ने झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि झारखंड के प्रति सौतेले व्यवहार के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों को मजबूत करने से पूर्वी भारत देश के लिए विकास का इंजन बन सकता है। उन्होंने कहा, कारोबार सुगमता के मामले में झारखंड शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हुआ करता था। लेकिन अब यहां 'जंगल राज' कायम है। अगर कानून व्यवस्था में सुधार हुआ तो राज्य अधिक निवेश आकर्षित करेगा, झारखंड में शासन में बदलाव समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के प्रति सौतेला व्यवहार करने के विपक्ष के आरोप निराधार हैं, झारखंड को 2024-25 के बजट में रेल परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 7,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।

छत्तीसगढ़ में मतदान प्रतिशत में 1.31% की हुई बढ़ोतरी

लोकसभा चुनाव में 72.8% वोटिंग

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब तक हुए लोकसभा चुनाव में 2024 के चुनाव में सबसे ज्यादा मतदान हुआ है। प्रदेश में मतदान में 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कुल 72.8 प्रतिशत मतदान हुआ है। इस पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्वाचन में सहभागिता देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, संगठनों और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने मतदाताओं को जागरुक और मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सभी लोगों, शासकीय, गैर शासकीय प्रतिभागियों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में इस बार लोकसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत में 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए तीन चरणों में हुए मतदान में यहां के कुल 72.8

प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह प्रदेश में हुए अब तक के लोकसभा चुनावों में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने केन्द्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बल के प्रति भी आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने आम निर्वाचन के दौरान निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन गतिविधियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के साथ ही मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

एक नक्सली ढेर

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस और नक्सली के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर हो गया है। जिले से लगे ओडिशा सीमा पर पुलिस और नक्सली के बीच मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ शोभा थाना क्षेत्र के बरियाबंद के जंगल से लगे सीमा पर हुआ है।

यह कार्रवाई नवरंगपुर पुलिस और ओडिशा एसओजी ने मिलकर की है। मौके से दैनिक उपयोगी और विस्फोट के कई सामान जब्त गया है। जवान अभी भी मौके पर मौजूद है।

तेंदुपत्ता तोड़ने गए बुजुर्ग ग्रामीण को हाथी ने कुचलकर मार डाला

रायगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। छाल थाना क्षेत्र के भलमुडी गांव निवासी सुबरन राठिया पुत्र बुद्धुराम राठिया बुधवार की सुबह तेंदुपत्ता तोड़ने जंगल गया हुआ था। जहां से रात तक वापस घर नहीं लौटा। इस बीच गुरूवार की सुबह जब गांव के लोग उसे खोजते हुए जंगल की ओर पहुंचे, तब उन्हें सुबरन की लाश मिली। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुपत्ता तोडने के दौरान सुबरन का छाल वन परिक्षेत्र के आरएफ 519 औरानारा में हाथी से सामना हो गया। इसके बाद हाथी ने कुचलकर सुबरन को मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग गर्मी के दिनों में कुछ पैसे कमाने के लिये हाथी प्रभावित जंगलों में हाथी की मौजूदगी की जानकारी होने के बावजूद तेंदुपत्ता तोड़ने जाते हैं। इस दौरान हाथी से सामना हो जाने के बाद जनहानि की घटना भी सामने आती रही हैं। एक जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ वन मंडल के छाल वन परिक्षेत्र के जंगलों में बीते कई सालों से हाथियों के दल ने डेरा डाला हुआ है। वन विभाग के अनुसार इन दिनों रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में 127 हाथी अलग-अलग दल में विचरण कर रहे हैं। वहीं, रायगढ़ वन मंडल के जंगलों में पांच हाथी विचरण कर रहे हैं। हाथियों के दल में सर्वाधिक धरमजयगढ़ वन परिक्षेत्र के क्रोन्धा में 37 हाथी, छाल के पुरूंगा में 26, छाल के बेहरामार में 16, कापू में 12, के अलावा अलग-अलग बीट में हाथियों का विचरण कर रहा है। हाथियों के इस दल में नर 37, मादा 60 के अलावा 35 बच्चे शामिल हैं।

झारखंड सरकार के मंत्री को ईडी भेज सकती है नोटिस

पीएस की गिरफ्तारी के बाद जांच तेज, आज संजीव लाल की पत्नी से पूछताछ

रांची, 9 मई (एजेंसियां)। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल, उसके सहायक जहांगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद ईडी बड़ा एक्शन ले सकती है। सूत्रों की मानें तो ईडी मंत्री आलमगीर को भी समन करने की तैयारी में है।

खबर है कि ईडी अब बड़हरवा टेंडर विवाद से लेकर वीरेंद्र राम प्रकरण तक में मंत्री आलमगीर आलम की भूमिका तलाशेगी। वहीं आलमगीर आलम के मामले में कांग्रेस पार्टी की ओर से भी किसी तरह का बयान जारी नहीं किया गया है।

इधर आज इस मामले में संजीव लाल की पत्नी रीता लाल से ईडी पूछताछ कर रही है। वो दोपहर 12 बजे ईडी ऑफिस पहुंची हैं। बुधवार की देर रात उन्हें समन भेजा गया था। बता दें कि ईडी ने 6 मई को मंत्री के पीएस, उसके सहायक समेत अन्य के ठिकाने पर छापेमारी की थी। 7 मई को भी संजीव लाल के करीबी के ठिकानों पर रेड पड़ी थी। वहीं कल ईडी की टीम संजीव लाल को साथ लेकर सचिवालय पहुंची थी, वहां पीएस के ऑफिस में 5 घंटे जांच हुई थी।

ईडी के अधिकारियों को संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर आलम की रिमांड मिली हुई है। आज से उनसे भी पूछताछ की जाएगी। गिरफ्तारी और फिर कोर्ट में पेश किए जाने के बाद बुधवार को संजीव लाल को सचिवालय ले जाया गया था।

सचिवालय में सेकेंड फ्लोर के कमरा नंबर 217 को लगभग पांच घंटे तक खंगाला गया। इस दौरान कई कमीशन और टेंडर से जुड़े

दस्तावेज तो ईडी ने खंगाले ही, साथ ही संजीव लाल के ड्रॉवर से कुल 175000 रुपए बरामद हुए हैं। इसके अलावा 28000 रुपए के 500 के पुराने नोट मिले हैं। गिरफ्तारी के बाद संजीव लाल को सस्पेंड करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

कार्मिक विभाग के सूत्र बता रहे हैं कि सस्पेंशन को लेकर सीएम की सहमति के लिए पत्र भेजा गया है। ऐसी संभावना है कि आज अगर सीएम की सहमति मिल जाती है तो सस्पेंशन लेटर आज ही जारी कर दिया जाएगा। नियम के मुताबिक अगर कोई सरकारी सेवक 24 घंटे से अधिक समय तक हिरासत में रहता है तो उसे निलंबित करने का प्रावधान है।

हाईस्कूल में जशपुर की सिमरन ने किया टॉप

रायपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड रायपुर ने कक्षा 10 और 12 के नतीजे घोषित कर दिए हैं। 10वीं में सिमरन ने टॉप किया है। सिमरन ने हाईस्कूल में 99.50% अंक हासिल किए हैं। दूसरे नंबर पर गरियाबंद की होनिसा हैं, जिन्होंने 98.83% अंक हासिल किए हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर श्रेयांश कुमार यादव रहे, जिन्होंने 98.33% अंक हासिल किए। हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2024 में

75.61 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। बालिकाओं का प्रतिशत 79.35 रहा तो वहीं बालकों का प्रतिशत 71.12 रहा है।

12वीं में 97.40% अंक लाकर महक अग्रवाल ने हासिल किया पहला स्थान

बधाई देने वालों का लगा तांता

महासमुंद, 9 मई (एजेंसियां)। महासमुंद जिले के सराईपाली की रहने वाली महक अग्रवाल ने 12वीं में पहला स्थान हासिल किया है। महक अग्रवाल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। 10वीं में भी महक अग्रवाल ने टॉप10 में अपनी जगह बनाई थी। महक अग्रवाल के पापा नवीन अग्रवाल फर्नीचर के व्यापारी हैं। वहीं, मां पूजा अग्रवाल गृहणी हैं। अपने तीन भाई-बहन में महक अग्रवाल सबसे बड़ी हैं। 12वीं में पहला स्थाना हासिल करने पर कलेक्टर, एसडीएम, जिला शिक्षा अधिकारी व अन्य तमाम लोगों ने महक को बधाई दी है। साथ ही उज्ज्वल भविष्य की की कामना की है। महक अग्रवाल ने कहा, 'मुझे बहुत ज्यादा खुशी है, उम्मीद थी कि टॉप टेन में आऊंगी, लेकिन टॉप वन में आ गई। एग्जाम से पहले ही तैयारी हो गई थी। हमारे स्कूल में वीकली टेस्ट, मासिक टेस्ट होते रहते हैं। अपने आप टेस्ट करती रहती थी। मेरे परिवार को और मेरे अध्यापकों ने मुझे हमेशा मोटिवेट किया।'

सवारी बस से हो रही थी पशु तस्करी

बिहार से ले जाया जा रहा था बंगाल, चोरदाहा चेकपोस्ट पर पुलिस ने पकड़ा, 25 पशु बरामद

चौपारण, 9 मई (एजेंसियां)। चोरदाहा चेकपोस्ट से चौपारण पुलिस ने 25 गौ वंशीय पशुओं को बरामद किया है। यह बरामदगी बुधवार कर देर रात करीब दो बजे हुई है। सभी जानवरों को सवारी बस में लादकर बिहार से बंगाल ले जाया जा रहा था। पशु तस्करी की सूचना चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह को मिली। इसके बाद उन्होंने टीम बना कर चोरदाहा चेकपोस्ट में जांच शुरू की। जहां जांच के दौरान ब्लू रंग के रॉकी नामक बस से पशुओं को बरामद किया गया।

पुलिस ने जब बस की जांच की तो आंखें खुली की खुली रह गई। तस्करों ने बस की सभी सीटें खोल रखी थी। इसके बाद इसके भीतर सभी 25 जानवरों को बेतरतीब तरीके से भर रखा था। जांच करने पर पता चला कि पशुओं का पैर एवं मूंह बांधकर रखा गया था। पशुओं को बस के अंदर जबरन ठूंस-ठूंस कर रखा गया था। जानवरों को क्रूरतापूर्वक बांधने के कारण उनके गर्दन एवं नाक से खून बह रहा था। जांच के क्रम में एक पशु मृत पाया गया।

बस में लगा रखे थे गलत नंबर

पशु तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कई तरकीब भी अपना रखे थे। मौके पर बस की तलाशी लेने पर पाया गया कि बस का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 02 एपी 4852 है। जिसके ऊपर से स्टीकर के माध्यम से फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर चिपकाया गया है। जिसे उखाड़कर जांच करने पर अंदर में एक अन्य रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 02 एम 6786 अंकित पाया। साथ ही बस के अंदर से भी 18 फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का स्टीकर बरामद हुआ। जिसके बाद बस को पशु समेत जप्त कर थाना लाया गया। चौपारण थाना काण्ड संख्या 159/24 के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच दल में शामिल थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, निलेश कुमार रंजन और चौपारण थाने की टीम जब चेकपोस्ट में जांच कर रही थी तभी बिहार की ओर से एक ब्लू रंग की बस आता दिखाई दिया। जिसके चालक को रूकने का इशारा किया गया पर वह बस को और तेजी से चलाते हुए चोरदाहा चेकपोस्ट में लगा बैरीकेटिंग को तोड़ते हुए चौपारण की ओर भागने लगा।

पुलिस ने जब पीछा किया तब चालक घाटी के पास बस को खड़ी कर जंगल और अंधेरा का फायदा उठाकर भाग निकला।

बीएसपी में ठेका मजदूर की मौत पर हंगामा

भिलाई, 9 मई (एजेंसियां)। भिलाई स्टील प्लांट के सेक्टर-9 अस्पताल में निर्माणाधीन पंप हाउस में ठेका श्रमिक की मौत के बाद परिजन ने जमकर हंगामा किया। परिजन अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग कर रहे थे। बाद में ठेका कंपनी और उनके बीच 9 लाख रुपए क्षतिपूर्ति राशि देने पर सहमति बनी। लाल बहादुर सिंह एसएमएस-2 में ब्रेथवेट ठेका कंपनी के अंडर ठेका श्रमिक थे।

एसएमएस-2 में ड्यूटी के बाद भी उन्हें 6 मई की शाम सेक्टर-9 हॉस्पिटल परिसर में निर्माणाधीन पंप हाउस का विजिट करने भेजा गया था। वहां जीडी माइक्रोफोनिक्स कंपनी का काम चल रहा था। इसी दौरान 20 फीट की ऊंचाई से एक भारी भरकम स्टील का पैनल लाल बहादुर के सिर पर गिर गया।

भतीजे संजय सिंह ने बताया कि चाचा जब विजिट कर रहे थे तो उन्हें किसी तरह की सेफ्टी किट नहीं दी गई थी। विजिट के दौरान 20 फीट की ऊंचाई से एक भारी भरकम स्टील पैनल उनके सिर पर गिर गया। इससे गंभीर चोट आई। उन्हें फौरन सेक्टर-9 हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद 8 मई को पीड़ित परिवार के साथ कई लोग सेक्टर-9 हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने शव ना लेकर वहां धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही बीएसपी के अधिकारी उन्हें मनाने पहुंचे। हालांकि ठेका कंपनी का कोई प्रतिनिधि वहां नहीं आया। इससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति की मांग की। सूचना मिलते ही मौके पर भिलाई पुलिस और अधिकारी भी पहुंचे। उन्होंने परिजन को समझाइश दी। इसके बाद बीएसपी के अधिकारियों और परिजन को सेक्टर-6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम बुलाया गया। वहां देर शाम तक हंगामा चलता रहा। मृतक के परिवार वालों ने बीएसपी प्रबंधन के सामने बीएसपी में अनुकंपा नियुक्ति की मांग रखी। इस पर बीएसपी प्रबंधन ने कहा कि लाल बहादुर का गेट पास एसएमएस -2 और कार्य क्षेत्र एसएमएस -2 था। हादसा सेक्टर 9 हॉस्पिटल में हुआ है। इसलिए नियमों के मुताबिक अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। मामला सुलझता न देख सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने ठेकेदार, ठेका श्रमिक यूनियन, बीएसपी के अधिकारियों और परिजन को एक साथ बुलाया। वहां ठेका कंपनी पाल इंजीनियरिंग ने मृतक के परिजन को 3 लाख रुपए क्षतिपूर्ति राशि, बच्चों की पढ़ाई के लिए 4 लाख 80 हजार और अंतिम क्रिया के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए समेत कुल नौ लाख रुपए देने का भरोसा दिया।

पूर्व आईएएस निरंजन दास की नहीं होगी गिरफ्तारी

शराब घोटाला केस में हाईकोर्ट में सुनवाई, एससी के सीनियर एडवोकेट अग्रवाल और जेठमलानी ने की बहस

बिलासपुर, 9 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कथित शराब घोटाला केस में एसीबी की एफआईआर को चुनौती देती याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल और महेश जेठमलानी ने बहस की, जो अधूरी रही। मामले में पूर्व आईएएस निरंजन दास सहित अन्य आरोपियों को अंतरिम राहत मिली है, जिसे हाईकोर्ट ने बरकरार रखा है। अब 2 जुलाई को मामले में अंतिम सुनवाई होगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रदेश में कथित शराब स्कैम की जांच की थी, जिसमें होलोग्राम निर्माता कंपनी से मिलकर शराब कारोबारियों से अवैध वसूली करने का खुलासा किया गया था। शराब घोटाले में अफसर और नेताओं की भी मिलीभगत होने का आरोप है। ईडी ने प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद इस मामले में एसीबी में केस दर्ज कराया है।

आबकारी विभाग के पूर्व आयुक्त निरंजन दास और होलोग्राम निर्माता कंपनी से संबंध रखने वाले विधु गुप्ता की ओर से हाईकोर्ट में पेश याचिका में ये तर्क दिया गया है कि ईडी की ईसीआईआर को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इसके बाद भी ईडी ने इसे आधार बनाकर एसीबी में केस दर्ज कराया है, इसलिए एसीबी की एफआईआर को विधिक आधिकारिता नहीं है, जिसे खारिज किया जाए। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में राज्य शासन ने कहा था कि केस की अंतिम सुनवाई तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। अब मामले की अंतिम सुनवाई 2 जुलाई को होगी। मामले में हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट राजीव श्रीवास्तव ने बहस की।

इस केस के आरोपी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा, अनवर ढेबर सहित अन्य आरोपियों ने भी ईओडब्ल्यू की एफआईआर को चुनौती दी है। इसमें एसीबी और ईओडब्ल्यू की एफआईआर को निरस्त करने की मांग की गई है। बुधवार को टुटेजा की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ अग्रवाल और राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी के साथ ही उपमहाधिवक्ता विवेक शर्मा ने बहस की। दोनों तरफ से बहस अधूरी रही, अब मामले की अगली सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद जून में होगी।

जमीन कारोबारी ने किया सुसाइड

लैंड स्कैम मामले में ईडी ने भेजा था समन सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं, जांच में जुटी पुलिस

रांची, 9 मई (एजेंसियां)। लालपुर के रहने वाले एक जमीन कारोबारी कृष्णकांत ने आज सुसाइड कर लिया है। जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में पास के ऑर्किड अस्पताल ले कर गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और परिजनों से पूछताछ कर जानकारी ली। कृष्णकांत लालपुर के सिल्वर डेल अपार्टमेंट में रहते थे। पूरी घटना स्पष्ट नहीं हो सकी है। वहीं आत्महत्या के पीछे की वजह भी सामने नहीं आई है। पुलिस जांच में जुट गई है।

ईडी ने भेजा था समन

बताया जा रहा है कि लैंड स्कैम मामले में ईडी लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पूछताछ के लिए ईडी ने उन्हें समन भेजा था। आशंका जताई जा रही है कि वह इसी नोटिस की वजह से प्रेशर में थे।

शायद इसी लिए आत्महत्या का रास्ता अपनाया। फिलहाल परिजन भी बात नहीं कर रहे हैं। वहीं लालपुर पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

रांची में हुए जमीन घोटाला मामले में ईडी ने अब तक कई जमीन कारोबारियों के यहां छापा मारा या कार्रवाई की है। लगातार छापेमारी भी की है। ईडी की कार्रवाई के दायरे में मो सद्दाम, अफसर अली, इरशाद अख्तर के साथ-साथ जमीन कारोबारी प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह, झामुमो नेता अंतु तिर्की आदि हैं।

छत्तीसगढ़ में ट्रिपल मर्डर

बंद कमरे में मिले दंपती और 2 साल की बच्ची के लहूलुहान शव, धारदार हथियार से हत्या की आशंका

कोरबा, 9 मई (एजेंसियां)। कोरबा जिले के कुकरीचोली के भाटापारा में गुरुवार सुबह पति-पत्नी और बच्चे की लाश घर के कमरे में लहूलुहान हालत में मिली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जयराम रजक अपनी पत्नी सुजाता (25) और 2 साल की बेटी जेसिका के साथ संयुक्त परिवार में रहता था। वह पेशे से ठेकेदार था। बुधवार सुबह पत्नी और बेटी को लेकर जयराम पूजा करने मड़वारानी गया था। वहां से तीनों दोपहर लगभग 1 बजे घर लौट आए थे। इसके बाद से पति-पत्नी कहीं नहीं गए, घर में ही थे। बुधवार रात 9 बजे परिवार ने एक साथ खाना खाया। इसके बाद तीनों अपने कमरे में सो गए। गुरुवार सुबह जब काफी देर तक कमरा बंद रहा, तो बड़े भाई श्रीराम रजक ने छोटे भाई जयराम को आवाज लगाई। लगातार आवाज लगाने और मोबाइल पर कॉल करने पर भी भीतर से कोई जवाब नहीं मिला। इससे श्रीराम को किसी अनहोनी का संदेह हुआ। उसने परिवार के बाकी लोगों को बुलाया और टंगिया मारकर दरवाजे को तोड़ दिया। जब श्रीराम अपनी मां के साथ कमरे में पहुंचा, तो भाई-भाभी और भतीजी की लहूलुहान लाश देख उसके होश उड़ गए। उसने फौरन पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो दरवाजा पहले से टूटा हुआ था। पति-पत्नी के गले में रस्सी बंधी थी। वहीं धारदार हथियार से उन्हें मारने के निशान मिले हैं। तीनों लाशें खून से लथपथ थीं। शरीर पर गंभीर चोट के निशान भी मिले हैं। पत्नी और बच्ची के शव बिस्तर थे, वहीं, पति का शव जमीन पर पड़ा मिला है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। फिलहाल पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। रिपोर्ट आने पर मौत की वजहों का खुलासा हो सकेगा। एएसपी सिद्धार्थ तिवारी और एएसपी यूबीएस चौहान ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। एएसपी यूबीएस चौहान ने कहा कि शुरुआती जांच में मामला हत्या का लग रहा है। मौके पर डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक एक्सपर्ट को भी बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

पति की हत्या कर फांसी के फंदे पर झूली पत्नी

मनेन्द्रगढ़, 9 मई (एजेंसियां)। पोड़ी थाना क्षेत्र के राधारमन नगर गांव में पति और पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद पत्नी ने पति की हत्या कर दी और खुद भी फांसी के फंदे पर लटककर जान दे दी। पति-पत्नी की मौत के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है।

घटना की जानकारी मिलने पर घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर मामले की जांच मे जुट गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए अंबिकापुर से फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम बारीकी से जांच कर रही है।

रूस बोला- भारत के चुनाव में रुकावट डाल रहा अमेरिका

कहा– भारत को लेकर उनकी समझ कमजोर पन्नू मामले में भी बेतुके आरोप लगाए

मॉस्को, 9 मई (एजेंसियां)। रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत के लोकसभा चुनाव में रुकावट डालने की कोशिश कर रहा है। रूस ने कहा है कि अमेरिका भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कर रहा है।

दरअसल, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा से बुधवार को पन्नू मामले में अमेरिका के भारत पर लगाए आरोपों पर सवाल पूछा गया। इस पर जखारोवा ने कहा, "अमेरिका बेबुनियाद आरोप लगाकर भारत का अपमान कर रहा है।"

रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा, "अमेरिका ने अभी तक ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया है, जिससे यह साबित हो सके कि भारत पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल था। इसके अलावा धार्मिक आजादी के उल्लंघन के आरोप भी भारत को लेकर अमेरिका की कमजोर समझ को दिखाते है।"

रूस ने कहा, "अमेरिका ऐसे आरोप लगाकर एक संप्रभु देश के तौर पर भारत का अपमान कर रहा है। अमेरिका भारत ही नहीं कई और देशों के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के बेबुनियाद आरोप लगाता रहा है। उनकी कार्रवाई स्पष्ट रूप से भारत के आंतरिक मामलों में दखल का सबूत है।"

अमेरिका इससे पहले रूस पर भी निष्पक्ष चुनाव न कराने का आरोप लगा चुका है। दरअसल, रूस में 15-17 मार्च के बीच आम चुनाव हुए थे। इसमें पुतिन 88% वोटों के साथ 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने। इस पर अमेरिका ने आरोप लगाया था कि पुतिन देश में किसी भी विरोधी नेता को टिकने नहीं देते हैं। रूस में निष्पक्ष चुनाव नहीं होते हैं।

अमेरिका और पश्चिमी देश रूस और चीन पर उनके चुनावों में दखलंदाजी के आरोप लगाते आए हैं। 2021 में अमेरिका की एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पुतिन ने डोनाल्ड ट्रम्प को फायदा पहुंचाने के लिए अमेरिकी चुनाव में दखल देने के ऑपरेशन को मंजूरी दी थी। इससे पहले 2016 के अमेरिकी चुनाव में भी रूस पर हस्तक्षेप के आरोप लगे थे।

इस पर बाइडेन ने पुतिन को हत्यारा बताते हुए कहा था कि उन्होंने जितने भी गलत काम किए हैं, सभी का पर्दाफाश जल्द होगा। इसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका के बयान से नाराज होकर रूस ने वहां से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था।

इसके अलावा अमेरिका चीन पर भी चुनावों में दखल देने का आरोप लगा चुका है। हाल ही में चीन के दौरे पर गए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले आश्वासन के बावजूद अमेरिकी चुनाव में चीन के दखल के सबूत मिले हैं। अमेरिका ने कुछ हफ्तों पहले ही एक कानूनी पास किया गया था। इसमें कहा गया था कि अगर चीन की कंपनी ने टिकटॉक को नहीं बेचा तो ऐप को यूएस में बैन कर दिया जाएगा। यह कदम अमेरिकी चुनाव में चीन के दखल को रोकने के लिए उठाया गया था।

भारत दौरे पर चीन समर्थक मुइज्जू के विदेश मंत्री

जयशंकर ने मुलाकात कर कहा- भारत ने हमेशा मालदीव का साथ दिया

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ तनाव के बीच मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भारत दौरे पर हैं। इस दौरान गुरुवार को उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा, "भारत हमेशा नेबर फर्स्ट पॉलिसी पर चलता है। दोनों देशों के रिश्ते आपसी हितों पर टिके हैं। भारत विकास के मामले में मालदीव को सहयोग करने वाले अहम देशों में शामिल है।" विदेश मंत्री मे कहा, "हमारे कई प्रोजेक्ट्स से मालदीव के लोगों को फायदा पहुंचा है। भारत ने कई मौके पर मालदीव को वित्तीय मदद भी दी है।" चीन समर्थक मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहला मौका है, जब मालदीव के कोई मंत्री भारत के दौरे पर आए हैं।

1 दिन बाद मालदीव से भारतीयों सैनिकों को निकालने की डेडलाइन

मालदीव से रवाना होने से पहले जमीर ने कहा, "हम भारत-मालदीव के बीच सहयोग बढ़ाने की कोशिश करेंगे, जिससे दोनों देशों के लोग इसका फायदा ले सकें।" मालदीव से भारतीय सैनिकों को निकालने की भी कल (10 मई) आखिरी तारीख है। ऐसे में मूसा का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

मूसा इससे पहले जनवरी में यूगांडा में जयशंकर से मुलाकात कर चुके हैं। तब दोनों नेताओं ने मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के मुद्दे पर चर्चा की थी। बैठक के बाद मूसा ने कहा था कि मालदीव भारत के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करना चाहता है।

भारत-मालदीव के बीच विवाद कैसे शुरू हुआ

मालदीव में पिछले साल राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए अपने कैंपेन में मोहम्मद मुइज्जू ने 'इंडिया आउट' का नारा दिया। इसे लेकर उन्होंने कई रैलियां भी कीं। मुइज्जू ने वादा किया कि वे राष्ट्रपति बने तो देश से भारतीय सैनिकों को हटा देंगे। उन्होंने इसी के दम पर चुनाव जीता। 17 नवंबर 2023 को मालदीव के नए राष्ट्रपति और चीन समर्थक कहे जाने वाले मुइज्जू ने शपथ ली थी। इसके बाद से भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आ गई। नतीजा ये हुआ कि मालदीव ने वहां तैनात 88 भारतीय सैनिकों को निकालने का फैसला किया। इनमें से अब तक 51 सैनिक वापस आ चुके हैं। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन संभालते रहे थे। इनकी जगह सिविलियन्स लेंगे।

आमतौर पर मालदीव में इन हेलिकॉप्टर्स का इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है। मालदीव से बिगड़ते रिश्तों के बीच प्रधानमंत्री मोदी लक्षद्वीप दौरे पर गए और उन्होंने लोगों से घूमने के लिए वहां आने की अपील की। इस पर मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी और भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। पलटवार करते हुए कई भारतीय टूरिज्म कंपनियों और लोगों ने मालदीव को बॉयकॉट करना शुरू कर दिया। इससे मालदीव जाने वाले भारतीय टूरिस्टों की संख्या में तेजी से गिरावट आई। इसी दौरान मालदीव के राष्ट्रपति चीन के दौरे पर गए और वापस लौटकर कहा कि कोई देश उन्हें धमका नहीं सकता। मुइज्जू ने मालदीव का समर्थन करने के लिए चीन के लोगों से उनके देश घूमने आने की अपील की। इसके बाद मालदीव ने भारत के साथ हुए हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट को भी खत्म कर दिया।

अमेरिका ने इजराइल भेजी जानी वाली बमों की खेप रोकी

राफा में हो रहे हमले के कारण फैसला लिया राष्ट्रपति बाइडेन पर पड़ा छात्र आंदोलन का दबाव

वाशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने इजराइल को भेजी जाने वाली शक्तिशाली बमों की बड़ी खेप को रोक दिया है। इजराइल इन बमों का उपयोग राफा में चलाए जा रहे मिलिट्री ऑपरेशन में कर सकता था। बीबीसी ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। ऐसा इसलिए किया जा रहा क्योंकि अमेरिका में लगातार छात्र आंदोलन बढ़ रहे हैं।

अधिकारी ने कहा है, "अमेरिका अप्रैल की शुरुआत से उन हथियारों की समीक्षा कर रहा था, जिनका इस्तेमाल इजराइल राफा पर हमले करने के लिए कर सकता था। इस समीक्षा के बाद ही हमने पिछले हफ्ते हथियारों की खेप रोक दी।" पिछले 8 महीने में पहली बार ऐसा हुआ है, जब अमेरिका ने इजराइल को भेजे जाने वाले हथियारों पर रोक लगाई हो। यह जानकारी ऐसे समय पर बाहर आई है, जब इजराइल ने राफा पर मिलिट्री ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इजराइली सेना मंगलवार 7 अप्रैल को टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। हालांकि इजराइली सेना ने यह भी कहा है कि वह 1 लाख से ज्यादा लोगों को राफा से निकालेगी। अमेरिकी की ओर से बमों की खेप रोके जाने पर इजराइली डिफेंस फोर्सेस के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगरी ने कहा है कि "सहयोगी किसी भी असहमति को पर्दे के पीछे सुलझाते हैं। अमेरिका शुरुआत से ही हमारा साथी रहा है। हम इज़राइल के सुरक्षा हितों के लिए जिम्मेदार हैं और हम क्षेत्र में अमेरिकी हितों पर भी ध्यान देते हैं।" हालांकि अमेरिका के विरोध के बावजूद इजराइल राफा में मिलिट्री ऑपरेशन कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने इजराइल को चेतावनी दी है कि शहर में शरणार्थियों की आबादी ज्यादा है। जिसके कारण मिलिट्री ऑपरेशन शुरू होने पर यहां लोग बड़ी संख्या में हताहत हो सकते हैं। इजराइल ने कहा है कि वह हमास को पूरी तरह खत्म कर के ही चैन लेगा।

अमेरिका शुरुआत से ही राफा पर इजराइल के मिलिट्री ऑपरेशन का विरोध कर रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को इजराइल को मदद देने पर विरोध झेलना पड़ रहा है। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कई अमेरिकी सांसद भी इजराइल को भेजी जाने वाली मदद पर सवाल उठा चुके हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने पहली बार इसी कारण इजराइल को भेजे जाने वाले हथियारों के खेप पर रोक लगाई है।

लाहौर हवाईअड्डे पर लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

लाहौर, 9 मई (एजेंसियां)। लाहौर हवाईअड्डे के लाउंज इलाके में गुरुवार को आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हज यात्रा समेत कई उड़ानें बाधित हो गई हैं। हालांकि प्रशासन की तत्काल कार्रवाई से आग की लपटों पर काबू पा लिया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई जानकारी सामने नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इमिग्रेशन काउंटर की छत से लगी आग ने लाउंज को धुएं से भर दिया, जिससे मुसाफिरों को बाहर निकालना पड़ा। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं तस्वीरों में धुंआ निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। आग के कारण का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। हवाई अड्डे के अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में इमिग्रेशन काउंटर को काफी नुकसान हुआ है। इस घटना का असर उड़ानों पर भी देखने को मिला। यात्रियों को यात्रा तय करने के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। हज के लिए जा रहे लोगों की उड़ान के साथ अन्य पांच उड़ानें भी बाधित हो गईं। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) ने जनता को आश्वस्त किया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन को घरेलू प्रस्थान लाउंज की मदद से सामान्य किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। हालांकि, अब हालात नियंत्रण में हैं। वर्तमान में, हज और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को डॉमेस्टिक फेसिलिटी के जरिएघरेलू सुविधाओं के माध्यम से समायोजित की जा रही हैं, जल्द ही नियमित घरेलू उड़ान संचालन फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

दुबई की खूबसूरत शहजादी शेखा माहरा बनीं मां

शादी के एक साल के भीतर ही दिया बेटी को जन्म

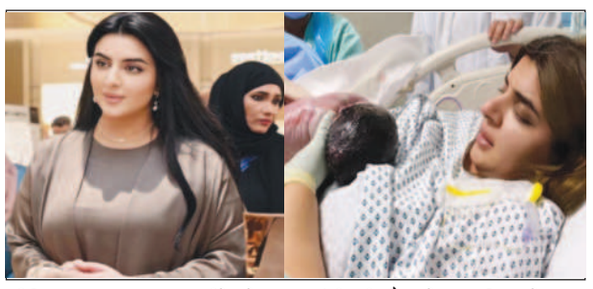

दुबई, 9 मई (एजेंसियां)। यूएई के उपराष्ट्रपति और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी शहजादी शेखा माहरा मां बनी हैं। शेखा माहरा ने पिछले सप्ताह खूबसूरत बेटी को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बच्चे के जन्म के तुरंत बाद की तस्वीरें शेयर करते हुए अस्पताल का अनुभव भी साझा किया है। शहजादी माहरा ने दुबई के लतिफा अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए 'बेबी माहरा' को इस दुनिया में लाने को 'सबसे यादगार अनुभव' बताया। माहरा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें वे अपनी नवजात बेटी को सीने से लगाए दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर तस्वीर में शेखा माहरा के पति शेख माना बिन मोहम्मद बिन राशिद बिन माना अल मकतूम उनके बगल खड़े हैं। एक तस्वीर में वे अपनी बेटी को पकड़े दिखाई दे रहे हैं। 1994 में पैदा हुआ शहजादी माहरा ने बीते साल 27 मई को शादी की थी। शाहजादी सोशल मीडिया पर अक्सर तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। निकाह के पांच महीने बाद उन्होंने अपने गर्भवती होने की जानकारी भी सोशल मीडिया पर साझा की थी। अपने अल्ट्रासाउंड स्कैन की तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था- 'केवल हम तीन।' उनके पति ने भी इसे अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया था।

दुबई ही नहीं, यूएई के ताकतवर शख्स हैं पिता

शेखा माहरा के पिता शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम दुबई के शासक के साथ ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री भी हैं। शेख राशिद के 26 बच्चों में से एक माहरा की मां ग्रीस मूल की हैं, जिन्हें उनके पिता ने तलाक दे दिया था। तलाक के बावजूद शहजादी माहरा ने अपनी मां के साथ करीबी रिश्ता बनाए रखा है और वह उनके साथ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं।

शहजादी माहरा के पति शेख माना बिन मोहम्मद बिन राशिद बिन माना अल मकतूम एक बिजनेसमैन हैं, जो कई व्यापार में शामिल हैं। अरब मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने दुबई के एमबीआर स्कूल ऑफ गवर्नमेंट से स्नातक की पढ़ाई की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा- एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बर्ड फ्लू फैलने का फिलहाल कोई संकेत नहीं

वाशिंगटन, 9 मई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस में फिलहाल ऐसे बदलाव आने के संकेत नहीं हैं, जिससे उसके एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने की आशंका बढ़ती हो। यूएन एजेंसी ने फ़िलहाल इस वायरस और संक्रमण मामलों की लगातार निगरानी किए जाने का आग्रह किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के कई इलाकों में लाखों डेयरी मवेशियों में बर्ड फ्लू का प्रकोप है और अब तक एक व्यक्ति के संक्रमित होने की जानकारी प्राप्त हुई है। अब तक कम से कम 220 व्यक्तियों की निगरानी की गई है और 30 का परीक्षण हुआ है। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के महानिदेशक टेड्रोस एडहेनॉम घेबरेयेसस ने बुधवार को बताया कि अनेक व्यक्ति संक्रमित पशुओं के संपर्क में आए हैं और उनकी निगरानी व परीक्षण अहम है। साथ ही उन्हें आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य देखभाल मुहैया कराई जानी होगी। डॉक्टर टैड्रॉस के अनुसार, अभी तक वायरस ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि व्यक्तियों में उसके फैलने की स्थिति बनती हो, मगर निरंतर निगरानी की जानी जरूरी है। स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि अमेरिका में कच्चे दूध में यह वायरस मिला है, मगर शुरुआती परीक्षण दर्शाते हैं कि दूध को ज़्यादा तापमान पर कुछ देर गर्म करने और फिर ठंडा करने, पाश्चरीकरण से वायरस खत्म हो जाता है। यूएन एजेंसी ने सभी देशों में लोगों को पाश्चरीकृत दूध का इस्तेमाल करने की सलाह दी है, संभावित वायरस के सूक्ष्मजीवों को इस स्तर पर कम किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य जोखिम न हो।

इमरान जेल में बंद होकर भी सियासत के केंद्र में

सेना और शरीफ सरकार की साजिशों के बाद भी इमरान की लोकप्रियता कम नहीं

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 9 मई 2023 को हुई गिरफ्तारी से भड़के पीटीआई कार्यकर्ताओं के सैन्य छावनियों पर हमले को एक साल पूरा हो गया है। प्रदर्शनकारी रावलपिंडी में सेना मुख्यालय में घुस गए और लाहौर में कोर कमांडर हाउस में तोड़फोड़ की थी। पाकिस्तान में पहली बार सैन्य ठिकानों पर आम जनता के हमले ने सियासत को बदल दिया। इस हमले के एक साल बाद भी जेल में बंद इमरान देश की सियासत के केंद्र बिंदु बने हुए हैं। सेना और शरीफ सरकार तब भी नाकाम रही और अब भी विफल ही है। वरिष्ठ पत्रकार आमिर खान का कहना है कि सेना ने पहले इमरान को भ्रष्ट साबित करने की कोशिश की। फिर गैर-शरिया निकाह का केस दर्ज करवाकर धार्मिक कार्ड खेला, लेकिन दोनों बार नाकामी हाथ लगी।

विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद इलियास का कहना है कि इमरान की लोकप्रियता को कम करने के लिए सेना ने छावनियों पर हमले को मुद्दा बनाया और पीटीआई पर कड़ी कार्रवाई की। सेना को लगा था कि इमरान की लोकप्रियता कम हो जाएगी। हालांकि, 8 फरवरी को आम चुनाव के रिजल्ट से साफ हो गया कि इमरान की लोकप्रियता जस की तस है।

इमरान ने जेल से ही अपनी सजा को इंटरनेशनल मीडिया में मुद्दा बना रखा है। द इकोनॉमिस्ट और डेली टेलीग्राफ में उन्होंने लिखा कि सैन्य नेतृत्व के लिए उनकी 'हत्या' करना ही बचा है। वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज का कहना है कि इमरान खान और पाक आर्मी के बीच गतिरोध लंबे समय तक जारी नहीं रह सकता। पिछले दरवाजे से बातचीत चल रही है।

अमेरिका ने इमरान समेत पाक के सभी कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। पाकिस्तान के दो सबसे बड़े सहयोगी देश चीन और सऊदी अरब ने शहबाज सरकार को पहले आंतरिक मामलों को सुलझाने के लिए कहा है। पीटीआई ने 9 मई को देश भर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। वे न्यायिक आयोग बनाने की मांग कर रहे हैं।

पाक सेना फंस गई है, क्योंकि वह इमरान से 9 मई के हमलों के लिए माफी मांगने के लिए कह रही है, लेकिन इमरान जिद पर अड़े हैं और साफ मना कर रहे हैं। वहीं, सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि आर्मी का इमरान की सजा, जेल और कारावास से कोई लेना-देना नहीं है। इमरान को सजा कोर्ट ने सुनाई है और कोर्ट ने ही उन्हें जेल में डाला। पाक सेना देश के संविधान और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक चल रही है। जिन पर सैन्य कोर्ट में केस चलाया जा रहा है, वह भी संविधान के अनुरूप है।

क्या चोरी कर भाग रहे लुटेरे की गलती से गई भारतीय दंपती की जान?

ओटावा, 9 मई (एजेंसियां)। बीती 29 अप्रैल को कनाडा में एक सड़क हादसे में भारतीय दंपती और उनके पोते की मौत हो गई थी। अब कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दरअसल एक भारतीय मूल का संदिग्ध लुटेरा पुलिस से बचने के लिए गलत दिशा में गाड़ी दौड़ा रहा था, इसी दौरान उसकी कार सामने से आ रही भारतीय दंपती की कार से टकरा गई। इस हादसे में भारतीय दंपती और उनके पोते की मौत हो गई। घटना में संदिग्ध लुटेरा गगनदीप सिंह भी मारा गया। भारत के चेन्नई के निवासी मनिवन्नन श्रीनिवासपिल्लई (60 वर्षीय) और उनकी पत्नी महालक्ष्मी अनंतकृष्णन (55 वर्षीय) अपने बेटे के पास कनाडा घूमने गए थे। दरअसल श्रीनिवासपिल्लई के पोते का जन्म हुआ था और दंपती पोते को देखने के लिए ही कनाडा गए थे। 29 अप्रैल को श्रीनिवासपिल्लई अपनी पत्नी, बेटे, बहू और नवजात पोते के साथ कार से कहीं जा रहे थे। पुलिस को सूचना मिली कि ओंटारियो के क्लैरिंगटन इलाके में एक शराब की दुकान में लूट हुई है। सूचना पर पुलिस संदिग्ध आरोपी भारतीय मूल के गगनदीप सिंह (21 वर्षीय) की कार का पीछा कर रही थी। पुलिस से बचने के लिए गगनदीप ने अपनी कार को गलत दिशा में तेज रफ्तार से दौड़ाना शुरू कर दिया। इसी दौरान गगनदीप की कार सामने से आ रही भारतीय दंपती की कार से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि इसमें भारतीय दंपती मनिवन्नन श्रीनिवासपिल्लई और उनकी पत्नी महालक्ष्मी अनंतकृष्णन और उनके पोते के साथ ही गगनदीप सिंह की भी मौत हो गई।

स्टडी वीजा पर कनाडा गया था निज्जर की हत्या के मामले में गिरफ्तार संदिग्ध

पंजाब के बठिंडा से है नाता

ओटावा, 9 मई (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार तीन युवकों में से एक स्टडी वीजा पर कनाडा गया था। कनाडा के मीडिया ने एक वीडियो जारी की है, जिसमें एक आरोपी करन बरार ये कहते हुए दिख रहा है कि वह स्टडी वीजा पर कनाडा आया और कनाडा की वीजा मिलने में ज्यादा समय भी नहीं लगा।

करन बरार का यह वीडियो साल 2019 का बताया जा रहा है। करन ने बठिंडा के एथिकवर्क्स इमीग्रेशन सर्विसेज के द्वारा वीजा के लिए आवेदन किया था। दरअसल यह वीडियो इमीग्रेशन सेवाएं देने वाली एजेंसी के प्रचार के लिए बनाई गई थी। यह एजेंसी बठिंडा के नजदीक कोटकपूरा इलाके में स्थित है। वहीं करन के इस वीडियो को लेकर कनाडा की सरकार घिर गई है। मीडिया ने इसे लेकर कनाडा के इमीग्रेशन मंत्री मार्क मिलर से सवाल किया, लेकिन उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। करन बरार के एक कथित फेसबुक पेज पर दी गई जानकारी के अनुसार उसने 30 अप्रैल 2020 को कैलगरी के बो वैली कॉलेज में अपनी पढ़ाई शुरू की और 4 मई 2020 को वह एडमंटन में शिफ्ट हो गया। कनाडा मीडिया ने करन के संबंध में इमीग्रेशन, शरणार्थी और नागरिकता विभाग से सवाल किए, लेकिन अभी तक विभागों की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है। शुक्रवार को तीनों आरोपी युवकों को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित अदालत में पेश किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग भी मौजूद रहे, जिनमें कुछ खालिस्तानियों ने भारत विरोधी नारे भी लगाए। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की बीते साल सरे के एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पाकिस्तान में आंतकी हमला, लोगों को नींद में मारी गोली, 7 की मौत

पीएम शहबाज ने कहा– हम आतंकवाद को खत्म करके रहेंगे

इस्लामाबाद, 9 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ग्वादर में गुरुवार सुबह एक अज्ञात हमलावर ने 7 लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी। पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक हमले के वक्त मृतक सो रहे थे। गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है। मृतक पाकिस्तान के पंजाब के रहने वाले थे । ये ग्वादर पोर्ट के पास नाई की दुकान पर काम करते थे।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी घटना की निंदा की है। उन्होंने घटना को देश के दुश्मनों की कायराना हरकत करार दिया है। शरीफ ने कहा कि, "हम आतंकवाद को जड़ से मिटाकर रहेंगे।"

ग्वादर स्टेशन के एसएचओ मोहसिन अली ने कहा है कि 9 मई की सुबह हमलावर मृतकों के घर में घुसा और ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। उनका घर ग्वादर से 25 किलोमीटर दूर था। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

ग्वादर बलूचिस्तान प्रांत के दक्षिणी पश्चिमी इलाके में स्थित है। इस शहर के बॉर्डर अफगानिस्तान और ईरान से लगते हैं। इस हमले से पहले भी बलूच लिबरेशन आर्मी इलाके में मजदूरों को इसी तरह निशाना बना चुकी है। हमले की एक वजह ग्वादर में चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत बना पाकिस्तान का सबसे बड़ा आर्थिक गलियारा है। दरअसल, अलगाववादी लंबे समय से बलूचिस्तान में नेचुरल रिसोर्सेस में अधिक हिस्सेदारी की मांग को लेकर सरकार से लड़ रहे हैं। ऐसे में उनका आरोप है कि चीन की कंपनियां उनके संसाधनों पर कब्जा जमा रही हैं।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने हमले की निंदा की है। बुगती ने कहा है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता दी जाएगी। बुगती ने कहा है कि, "हम आतंकवादियों और उनके मददगारों का पीछा करेंगे। इन्हें पकड़ने के लिए जिन भी चीजों की जरूरत होगी, हम उनका इस्तेमाल करेंगे।"

मोबाइल फोन के बाद अब मिलेंगे एक नहीं दो टैबलेट

भजनलाल सरकार का बड़ा फैसला

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। भजनलाल सरकार बजट सत्र के दौरान विधायकों को बड़ा तोहफा देने जा रही है। सरकार की ओर से इस बार विधायकों को दो टैबलेट दिए जाएंगे। इसके बारे में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जानकारी दी। बता दें कि पिछली बार तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने अपने 200 विधायकों को iPhone 13 गिफ्ट किया था। हालांकि उस समय बीजेपी के वरिष्ठ विधायकों ने गहलोत के इस तोहफे को ठुकरा दिया था।

विधायकों मिलेंगे दो टैबलेट

मीडिया से बातचीत में वासुदेव देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा को पेपरलेस करने की तैयारी है। मॉनसून सत्र में इसकी शुरुआत होगी। विधायकों को दो टैबलेट दिए जाएंगे। एक विधानसभा और एक घर के लिए, विधानसभा में कागजी कार्रवाई को खत्म किया जाएगा। सब कुछ ऑनलाइन होगा। वरिष्ठ विधायकों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी।

बजट सत्र से पहले शेष विधायकों को मिलेंगे आवास

वासुदेव देवनानी ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान विधानसभा में 5 हजार सवालों के जवाब नहीं आए थे। इस बार सरकारी विभागों की जवाब संबंधी जवाबदेही तय की जाएगी। अधिकांश विधायकों को नए आवास मिल चुके हैं। बजट सत्र से पहले शेष विधायकों को भी आवास भी आवंटित कर दिए जाएंगे।

पूर्ववर्ती सरकार ने भी दिया तोहफा

23 फरवरी 2022 को राजस्थान का बजट पेश करने से पहले राजस्थान के तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने अपने 200 विधायकों को iPhone 13 गिफ्ट किया था। उस वक्त एक फोन की कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रुपये थी। यानी विधायकों के गिफ्ट पर सरकार ने करीब 2 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उस वक्त बीजेपी के वरिष्ठ विधायकों ने गहलोत के इस तोहफे को ठुकरा दिया था। उससे पिछले साल भी गहलोत सरकार ने बजट पेश करने के ठीक बाद सभी 200 विधायकों को आई-पैड उपहार में दिया गया था। लेकिन इस बार दिए गए फोन की कीमत 70,000 रुपये से ऊपर है।

'अब यह धाकड़ परिवार की नहीं, समाज की लड़ाई है'

बैरिकेडिंग पर चढ़े पूर्व विधायक विवेक धाकड़ के पिता; बोले- बेटे की मौत की जिम्मेदार बहू

भीलवाड़ा, 9 मई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा से मांडलगढ़ से विधायक रहे विवेक धाकड़ की मौत के बाद परिवार आपसी विवाद में उलझा है। गुरुवार को धाकड़ के पिता कन्हैयालाल और बहन दीपशिक्षा ज्ञापन देने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां विवेक के पिता पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। धाकड़ परिवार ने कलेक्ट्रेट पर अपनी ताकत दिखाई। सुबह 11 बजे बड़ी संख्या में लोगों ने कलेक्ट्रेट की तरफ मूव किया। पुलिस को जिला कलेक्ट्रेट परिसर के चारों तरफ बैरिकेडिंग की। लोगों ने कलेक्ट्रेट को घेर लिया। बड़ी संख्या में महिलाएं भी थीं।

गुरुवार को मांडलगढ़, बिजोलिया और कोटा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मोदी ग्राउंड में जुटे। यहां से एक रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे तक विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी होती रही। कलेक्टर व एसपी से मुलाकात कर परिवार ने ज्ञापन दिया। धाकड़ के पिता और बहन समेत 5 लोगों को अंदर जाने की अनुमति दी गई। इस दौरान बहन दीपशिखा ने कहा- हम

भीलवाड़ा एसपी और कलेक्टर को ज्ञापन देने आए हैं। हमने एक महीने पहले भाई (दिवंगत पूर्व विधायक विवेक धाकड़) की पत्नी पद्मिनी और उसके सहयोगियों के खिलाफ 1 महीने पहले शिकायत दी थी। हम मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं। पुलिस और प्रशासन जल्द अपराधी पद्मिनी व अन्य के खिलाफ कार्रवाई करे। विवेक धाकड़ के पिता कन्हैयालाल पर उनकी पोती अवनी ने मां-बेटी को पीटकर घर से निकालने के आरोप को लेकर दीपशिखा ने कहा- कोई भी दादा अपने परिवार को घर से नहीं निकालता। पद्मिनी और उनकी बहनों ने बदतमीजी की थी।

पद्मिनी ने बेटी अवनी को हथियार बनाया। वीडियो सोशल मीडिया पर डाला। यह दुखद है। भाई विवेक के जाने के बाद यह घर की लड़ाई नहीं रही है। यह समाज की लड़ाई हो गई है। घर की लड़ाई होती तो घर में रहती। पद्मिनी इसे सड़क पर ले आई हैं। उन्होंने कहा था कि धाकड़ समाज की औकात नहीं है। मेरे पिता का कोई मान-सम्मान नहीं है। वे मेरे भाई के निधन के लिए मेरे पिता को दोष दे रही हैं। ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट पहुंचे कन्हैयालाल धाकड़ ने कहा- पूरे मामले का पर्दाफाश होना चाहिए। अपराधियों (पद्मिनी और सहयोगियों) को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। कन्हैयालला ने कहा- मेरे बेटे ने हमेशा न्याय की लड़ाई लड़ी। मैं भी न्याय की लड़ाई लड़ रहा हूं । मुझे न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मेरे बेटे को न्याय मिलेगा। धाकड़ परिवार ने बताया कि विवेक धाकड़ की मौत 4 अप्रैल को हुई थी। एसपी राजन दुष्यंत को 25 अप्रैल को लिखित में शिकायत दी थी। 5 मई को मांडलगढ़ थाने में भी शिकायत दी। इसके बाद भी अब तक मामले में कुछ भी खुलासा नहीं हुआ है।

सीएम भजनलाल का वनलाइनर

इस्तीफा नहीं, इनको पदों से बर्खास्त ही करना है

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी जारी करने के मामले में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्वीकार किया है कि सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ.राजीव बगरहट्टा और सवाईमानसिंह अस्पताल अधीक्षक डॉ.अचल शर्मा के स्वयं आगे बढ़कर एसीबी में शिकायत दर्ज कराने के कारण उनके प्रति नरमी दिखाते हुए सभी से इस्तीफे मांगे गए थे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चूंकि पूरे प्रकरण में दोनों वरिष्ठ चिकित्सक भी जिम्मेदार कमेटियों से जुड़े हुए थे और उनके पदों पर रहने के दौरान यह पूरा गिरोह चलता रहा। ऐसे में मुख्यमंत्री का मानना था कि सख्त संदेश देने के लिए पदों से बर्खास्त (टर्मिनेट) करना है। इसके बाद इस्तीफे स्वीकार करने के बजाय उन्हें पदों से बर्खास्त करने का ही निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि डॉ. सुधीर भंडारी भी आरयूएचएस के कुलपति पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस तरह का संदेश उन्होंने एसीएस शुभ्रा सिंह को भेजा है। ...

सीएम की मंशा थी कि इस तरह के गंभीर प्रकरण में सख्त संदेश देना चाहिए। मैंने तो इस्तीफे मंजूर कर लिए थे, लेकिन मंगलवार सुबह सीएम के यहां से एक लाइन का संदेश आया कि इनके इस्तीफे स्वीकार करने के बजाय बर्खास्त (टर्मिनेट) करना है। उनके खिलाफ गंभीर प्रमाण हैं। उन्हें आरयूएचएस के कुलपति पद से बर्खास्त करने को लेकर गुरुवार को दोपहर 2 बजे राज्यपाल से मुलाकात करूंगा। डॉ. भंडारी के यहां से भी हमारे पास इस्तीफा देने का संदेश आया है।

सचिन पायलट ने बताया-क्यों इस्तीफा देना चाहते है मंत्री किरोड़ी लाल मीणा?

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने एक बार फिर राजस्थान के मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को लेकर बड़ा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा क्यों बार-बार मंत्री पद छोड़ने की मांग कर रहे है। सचिन पायलट ने कहा कि मंत्री किरोड़ी मीणा का बयान दर्शाता है कि वो संतुष्ठ नहीं है।

दरअसल, किरोड़ी मीणा दो बार ऐसा बयान दे चुके है कि दौसा में अगर बीजेपी प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा लोकसभा चुनाव नहीं जीते तो वे मंत्री पद छोड़ देंगे। इस पर स चिन पायलट ने कहा कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के बयान दर्शाते है कि वो संतुष्ठ नहीं है। वो मर्यादा की बात कर रहे हैं, लेकिन न्याय-न्याय होता है। पक्ष-विपक्ष कुछ नहीं होता। पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। किरोड़ी मीणा में इतनी

नैतिकता तो है कि परिणाम अनुरूप नहीं आने पर इस्तीफा देने की बात कर रहे हैं। बाकी मंत्रियों को देखते हैं, उनका क्या रूख रहता है।

पायलट ने कहा - भाजपा की सरकार चल कहां रही है? वहां सभी काम ठप पड़े हैं। कभी कोई मंत्री बयान दे रहा है, कभी कंफ्यूजन फैल रहा है। सरकार में खिंचाव और तनाव है। कई सारे पावर सेंटर बन गए हैं, जिससे लोगों में विश्वास उठ रहा है। शुरुआती दिनों में छाप नहीं छोड़ी।

परीक्षाओं की अव्यवस्था और पेपर लीक का मुद्दा चुनाव में बिल्कुल उठना चाहिए। जो सरकार, संस्था, नेता, शिक्षक बच्चों, शिक्षित नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं या फिर खिलवाड़ होता देख रहे हैं, उनकी जवाबदेही तय करनी होगी। मैं पहले से कई बार कहता रहा हूं कि पेपर लीक हो रहा है, परीक्षाएं रद्द हो रही है। यदि उनमें कोई माफिया, ताकतवर अफसर या किसी भी दल का नेता शामिल हो तो उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नीट की परीक्षा में गड़बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ बड़ा मुद्दा है।

पिछले दो चुनावों में राजस्थान में हम एक भी सीट नहीं जीत सकें, वहीं छत्तीसगढ़ में 2019 में हमारी सरकार के बावजूद महज दो सीट जीतें थे। इस बार दोनों राज्यों में कांग्रेस ज्यादा सीटें जीतेगी। साथ ही राजस्थान में गठबंधन वाली नागौर, सीकर व बांसवाड़ा सीट भी जीत रहे हैं। जहां-जहां कांग्रेस और भाजपा में सीधा मुकाबला है, वहां कांग्रेस का पलड़ा भारी रहेगा। भाजपा ने पिछले दस सालों में ऐसी कोई छाप नहीं छोड़ी है, जिसकी वजह से लगातार तीसरी बार लोग उन्हें वोट दें। भाजपा के पास वहीं पुरानी बाते हैं और लोग महंगाई, बेरोजगारी, किसानी की समस्या से जूझ रहे हैं। 2014 में भाजपा ने महंगाई, काला धन, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मुद्दें पर चुनाव लड़ा, लेकिन इन चारों ही मुद्दों पर वो विफल साबित हुई। अब मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुसलमान, मकान, मंगलसूत्र, भैंस छीनने जैसी बातें कर मुद्दों से लोगों में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे है, लेकिन इसमें दम नहीं है।

राजस्थान के लोगों से मेरा संबंध अटूट है। चाह कर भी कोई इसे तोड़ नहीं सकता। जीवन के अंतिम सांस तक राजस्थान में कांग्रेस को सबसे ज्यादा ताकत दूंगा। राजस्थान का प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए भी विभिन्न राज्यों में प्रचार करने जाता रहा हूं। पार्टी जिस राज्य और सीटों की जिम्मेदारी दे रही है, उसका भी ध्यान रखना है। अभी भी मैंने राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरला, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश व दिल्ली में करीब 41 लोकसभा सीटों पर 81 सभाएं की हैं। फिलहाल दिल्ली में हमारा आम आदमी पार्टी से गठबंधन है।

सैक्स चैट का झांसा समेत इस तरह बनाते शिकार

मेवात के 5 थानों की पुलिस ने मारी रेड, 23 आरोपी अरेस्ट

भरतपुर, 9 मई (एजेंसियां)। मेवात में पुलिस ने ऑपरेशन एंटी वायरस के तहत कार्रवाई कर पांच बाल अपचारियों को निरुद्ध करते हुए 23 आरोपियों को अरेस्ट किया है। कार्रवाई में मेवात के पांच थानों की पुलिस साथ रही। आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि पकड़े गए आरोपी फर्जी सिम का इस्तेमाल कर लोगों को किराए के फ्लैट का झांसा देकर सैक्स चैट व अन्य विभिन्न प्रकार का झांसा देकर ठगी का कार्य करते थे।

जंगलों में एकत्रित होकर ठगी की कार्रवाई को अंजाम देते हैं। उसके पश्चात फर्जी अकाउंटों में ठगी के शिकार लोगों से पैसे डलवाकर एटीएम के माध्यम से आपस में बंटवारा कर लेते हैं। फर्जी अकाउंट अपनी गैंग के सदस्यों को उपलब्ध करवाकर ठगी का पैसा कमीशन के आधार

पर निकलवाने का कार्य अलवर, गुड़गांव जैसे बड़े शहरों से किया जाता है।

इनकी की ओर से अब तक करोड़ों रुपए की ठगी करते हुए एक हजार से अधिक लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 46 मोबाइल, 52 सिम कार्ड, एक एटीएम, तीन चेक बुक, चार जमीन खरीद की रजिस्ट्री, 1 क्रेटा कार, एक ट्रेक्टर, दो बाइक जब्त की गई हैं।

पुलिस ने बाल अपचारियों को भी पकड़ा

कार्रवाई में पुलिस थाना पहाड़ी ने आरोपी सत्तार मेव निवासी भौंरी, मुस्तफा मेव निवासी नारायणगढ शेरगढ मथुरा एवं दो बाल अपचारियों को दबोचा है। वहीं पुलिस थाना सीकरी ने बनैनी धोकला निवासी आरोपी अकरम, साद मेव, रसीद मेव, सलामुदीन ऊर्फ सलमू मेव, साहिद ऊर्फ जैडी, जुबेर मेव, रिजवान मेव, परवेज मेव, आलम मेव, सलीम मेव सहित तीन बाल अपचारियों को पकड़ा है। इसी प्रकार पुलिस थाना जुरहरा ने ऊंचेड़ा निवासी आरोपी सोहिल, साहिल मेव, आमिर मेव निवासी रसूलपुर, सिराजू मेव निवासी अकाता, रोबिन मेव निवासी जुरहरा को पकड़ा है। इनके अलावा थाना डीग कोतवाली पुलिस ने आरोपी मोहब्बत मेव निवासी भीलमका को अरेस्ट किया है।

डॉक्टर की पत्नी से बदमाशों ने की लूट

सोने की चेन व मोबाइल लेकर हुए फरार, पुलिस जांच में जुटी

अलवर, 9 मई (एजेंसियां)। अलवर में डॉक्टर की पत्नी से लूट का मामला सामने आया है। महिला ने अपना मोबाइल, नकदी, गले से सोने की चेन, 2 अंगूठी उतारकर बदमाशों को दे दिए। बदमाश ने महिला को कुछ कदम आगे चलने को कहा जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

महिला ने घर पहुंचकर पूरी घटना से परिजनों को अवगत कराया जिसके बाद परिवार ने वैशाली नगर थाने में केस दर्ज किया। पीड़ित महिला ने बताया की वह अंबेडकर नगर के निवासी है। घटना के वक्त वह अपने घर के सामने की दुकान से दूध आदि सामान लेने गई हुई थी,। थोड़ी दूर चलने के बाद एक लड़का आया और कविता का पता पूछने लगा। बात ही बातों में उसने मुझे हिप्नोटाइज कर लिया और मेरे सामान की थैली गले से सोने की चेन, दो अंगूठी नकदी व मोबाइल रखवा कर मुझे कुछ कदम आगे चलने को कहा। जैसे ही मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वह लड़का वहां से गायब हो गया।

महिला ने बताया इस दौरान उसका साथी भी वह मौजूद था। वहीं थाना पुलिस ने महिला द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल का मौका मुआयना किया। वहीं, आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल मामले की तफ्तीश शुरू की।

आटा-साटा ने खत्म कर दी परिवार की तीन पीढ़ी

साले का घर टूटा तो पत्नी भी छोड़कर चली गई; बहन की दूसरी शादी से नाराज था

पाली, 9 मई (एजेंसियां)। पाली में एक युवक ने गला घोंटकर पिता को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद 5 साल के बेटे के साथ तालाब में कूदकर जान दे दी। एक ही पल में परिवार की तीन पीढ़ी खत्म हो गईं और इसका कारण था आटा-साटा और नाता प्रथा (दूसरी शादी)। घटना पाली जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के कुलथाना गांव की बुधवार रात 9 बजे की है। तालाब से प्रकाश पटेल (30) और बेटे राहुल (5) के शव देर रात 3 बजे निकाले गए। जब इस मामले में समाज और परिवार के लोगों से बातचीत की तो सामने आया कि प्रकाश और उसकी पत्नी नारायणी के बीच कोई मनमुटाव नहीं था। लेकिन, प्रकाश की बहन सीता देवी की पिता दुर्गाराम पटेल ने दूसरी शादी करवा दी थी, जिसकी वजह से प्रकाश का भी तलाक हो गया था। प्रकाश अपने परिवार के टूटने का कारण पिता और बहन को मानता था। दो दिन पहले जब पंचायत हुई तो दोनों परिवारों में शादी के दौरान हुए लेनदेन का हिसाब भी हुआ। इसी पंचायत में प्रकाश ने बेटे के लिए कहा था- उसके बिना मन नहीं लगेगा, इसलिए वह उसे साथ ले आया।

प्रकाश की शादी 10 साल पहले आटा-साटा प्रथा के तहत धिंगाणा गांव (रोहट) निवासी नारायणी देवी से हुई थी। प्रकाश की शादी से पहले तय हो गया था कि इसके बदले उसकी बहन सीता देवी की शादी नारायणी के भाई भगाराम से होगी। प्रकाश की शादी के दो साल बाद सीता देवी और भगाराम की शादी हो गई। 6 महीने पहले अचानक सीता देवी अपने पति को छोड़कर पीहर आ गई। इसके बाद से प्रकाश को लगने लगा था कि साले का घर टूट गया है, कहीं उसका परिवार भी नहीं टूट जाए। इसके लिए प्रकाश ने बहन सीता को समझाना शुरू कर दिया और दोबारा ससुराल जाने को कहने लगा। लेकिन, सीता ने मना कर दिया। प्रकाश के पिता भी बेटी का पक्ष लेने लगे। प्रकाश और उसकी पत्नी के बीच इस बात को लेकर तनाव बढ़ता गया। नारायणी ने भी अपने भाई का घर टूटते देखा तो वह बेटे को लेकर पीहर चली गई। इस बीच प्रकाश का पिता और बहन से विवाद बढ़ गया। प्रकाश के समझाने पर भी पिता और बेटी नहीं माने। पिता इस बात पर अड़ गए थे कि उसकी बेटी वहां खुश नहीं है इसलिए वे उसे नहीं भेजेंगे। पिता ने एक महीने पहले नाता प्रथा से सीता की दूसरी शादी करवा दी। परिजनों ने बताया कि प्रकाश बहन की दूसरी शादी के लिए बार-बार मना कर रहा था। उसे पता था कि यदि बहन की दूसरी शादी हो गई तो उसका परिवार टूट जाएगा। उसकी पत्नी को उसके घर वाले दोबारा नहीं भेजेंगे।

जैसे ही सीता की दूसरी शादी हुई, प्रकाश के ससुरालवालों ने तलाक कराने का फैसला ले लिया। इस बीच प्रकाश का पिता से झगड़ा बढ़ गया। वह कहने लगा कि उसकी इस हालत के जिम्मेदार पिता और बहन हैं। तलाक की बात से प्रकाश परेशान रहने लगा। 5 साल का बेटा पत्नी नारायणी के पास ही था। एक महीने पहले ही प्रकाश बेटे को ससुराल से लेकर आया था। इसके बाद सामाजिक स्तर पर तलाक के लिए पंचायत शुरू हुई। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले हुई समाज की पंचायत में प्रकाश और नारायणी के परिवारों के बीच शादी के दौरान दिए जेवरात और अन्य सामान को लेकर लेनदेन हुआ। इसी में तलाक का फैसला सुना दिया गया। जब बेटे की बात आई तो पंचायत ने बेटे को उसे सौंप दिया।

तलाक के बाद से प्रकाश परेशान था। इसका पूरा दोष पिता और बहन को दे रहा था। आखिरकार उसने पिता की हत्या कर दी। गांव के लोगों ने बताया- प्रकाश ने यह भी कहा था कि अब मेरा और बेटे का ध्यान कौन रखेगा। शायद इसी वजह से प्रकाश ने बेटे के साथ सुसाइड कर लिया।

सांवलिया सेठ मंदिर के भंडारे से निकले सोना-चांदी और करोड़ों रुपये

खजाना देख हर कोई दंग; गिनती जारी

जयपुर, 9 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में एक बार फिर करोड़ों रुपये की धन राशि निकली है। बताया जा रहा है कि खजाना अभी और बढ़ेगा क्योंकि इसकी गिनती अभी भी जारी है।

मेवाड़ के प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर के भंडार से एक बार फिर करोड़ों रुपये निकले हैं। हर महीने यहां भंडारा खोला जाता है, जिसमें भक्तों का चढ़ावा करोड़ों में मिलता है। इस बार सांवलिया सेठ के दो दिवसीय मासिक मेले के पहले दिन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को राजभोग की आरती के बाद भंडारा खोला गया। बताया जा रहा है कि अभी काउंटिंग जारी है, जिसमें और राशि बढ़ेगी, क्योंकि हर माह 10 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि निकलती है।

सांवलिया सेठ मंदिर में इतनी निकली दान राशि

प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय नंदकिशोर टेलर ने बताया कि सांवलिया सेठ के भंडार से प्राप्त राशि के प्रथम चरण की गणना पूर्ण हुई। भंडार से प्राप्त राशि की गणना में से शेष बची राशि की गणना ठाकुरजी के दो दिवसीय मासिक मेले के बाद की जाएगी। इधर ठाकुरजी के भंडार से निकले सोना और चांदी का वजन करना भी शेष रहा। साथ ही श्री सांवलियाजी मंदिर मंडल भेंट कक्ष कार्यालय में नगद और मनी आर्डर के रूप में प्राप्त राशि की गणना, भेंट स्वरूप प्राप्त सोना और चांदी का वजन भी शेष है। मेले के पहले दिन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को हजारों श्रृद्धालुओं ने पहुंचकर सांवलिया सेठ के दर्शन किए, वहीं पहले दिन की काउंटिंग में 5 करोड़ 60 लाख रुपये मिले हैं।

इससे पहले 18 करोड़ रुपये का चढ़ावा निकला

बता दें कि होली पर जब भंडारा खोला गया तो उसमें 18 करोड़ रुपये का चढ़ावा निकला था, जिसकी गिनती चार चरणों में पूरी हुई थी। मंदिर के दानपात्र से निकला ये अभी तक का सबसे ज्यादा चढ़ावा है, जिसमें करीब 1 क्विंटल चांदी समेत 12 देशों की विदेशी मुद्राएं शामिल थी।

मजदूरी की आड़ में तस्करी करने पर आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

अफीम का दूध किया बरामद

जोधपुर, 9 मई (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने वैध मादक पदार्थ तस्करी को लेकर कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

तस्कर के कब्जे से अवैध अफीम का दूध बरामद किया गया है। आरोपी मजदूरी की आड़ में तस्करी करता था। फिलहाल पुलिस उससे मादक तस्करी को लेकर पूछताछ कर रही है।

जानकारी अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि एक तस्कर अवैध मादक पदार्थ दूध के साथ पाल बालाजी मंदिर की तरफ आ रहा है। इस पर 8 मई की रात को थानाधिकारी नितिन दवे के नेतृत्व में टीम मंदिर के पीछे की रोड पर पहुंची। यहां पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, जिसे पीछा कर पुलिस ने पकड़ लिया।

आरोपी से पूछताछ जारी

तलाशी के दौरान उसके पास से 336 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध पाया गया, जिस पर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी सुरेंद्र गोदारा (20) पुत्र रामनिवास जाट निवासी गोदारों की ढाणी बोयल पुलिस थाना कापरड़ा जिला जोधपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी से पुलिस अब मादक पदार्थ तस्करी को लेकर पूछताछ कर रही है।

टायर फटने से बेकाबू होकर पलटी ईको कार, दो लोगों की मौत

सांचौर, 9 मई (एजेंसियां)। सांचौर के सरवाना थाना इलाके में सवारियों से भरी ईको कार टायर फटने से बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सरवाना थाना एएसआई किशना राम ने बताया- सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लिए और सांचौर हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाए। घायल लोगों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना बुधवार रात 8 बजे नेशनल हाईवे 925ए पर सांचौर के सरवाना थाना इलाके के डूंगरी गांव के पास किसने की बेरी ढाणी में हुई।

सरवाना थाना एएसआई किशना राम ने बताया- ईको कार रोजाना सवारियों को लेकर सेवड़ा, बाड़मेर (राजस्थान) से डीसा (गुजरात) जाती है। इसी कार में बुधवार सुबह 7 बजे डीसा जाकर शाम 5 बजे सवारियां लौट रही थीं। डीसा से सांचौर की दूरी 75 किलोमीटर है।

डीसा से लौटते वक्त रात 8 बजे राजस्थान की सीमा में सांचौर की डूंगरी गांव से 3 किलोमीटर आगे निकलने के बाद किसने की बेरी ढाणी के पास कार का टायर फट गया। कार पलटने से बाड़मेर शहर निवासी बिजला राम देवासी (75) पुत्र सरदाराराम और सेड़वा सालारिया (सांचौर) निवासी सज्जन बानू (37) पत्नी साफड़ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बार कार ड्राइवर फरार हो गया।

कार में सवार सज्जन बाने के भाई रफी मोहम्मद पुत्र वसंत और अली खान पुत्र सादिक घायल हो गए। दोनों पाचरला सिहानियां (सांचौर) के रहने वाले हैं। हादसे के बाद पुलिस ने घायलों को सांचौर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनको छुट्टी दे दी। गुरुवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिए गए। ईको कार बाड़मेर के सेड़वा से गुजरात के डीसा तक सवारियों को लेकर रेगुलर चलती है। बिजला राम और सज्जन बानू इलाज के लिए डीसा गए थे। कार ड्राइवर के खिलाफ तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाने की रिपोर्ट सरवाना थाना में दी गई है। पुलिस ड्राइवर की तलाश कर रही है।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका 8 लोगों की मौत, 10 घायल

चेन्नई, 9 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी में बड़ा दर्दनाक हादसा हो गया। यहां गुरुवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इसमें दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस और अग्निशमन कर्मी बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंचे और घायलों को विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। इनमें दो की हालत गंभीर है।

इस पटाखा फैक्ट्री में 50 से ज्यादा कमरों में 200 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। ऐसे में आज जब मजदूर रोजाना की तरह काम कर रहे थे तो घर्षण के कारण भयानक विस्फोट हो गया। एक कमरे में हुआ विस्फोट बगल के कमरों तक फैल गया। इसमें इमारतें ढह गईं और सात कमरे जमींदोज हो गए।

इसके चलते लगातार पटाखे फोड़े जाने वाले माहौल में घायलों को बचाने में दिक्कत आ रही थी। फिलहाल इस भीषण हादसे में शामिल 10 लोगों को बचाया जा चुका है और दमकल विभाग और पुलिस अभी भी बचाव कार्य में जुटी हुई है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस दुखद दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि शिवकाशी के पास एक निजी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 8 श्रमिकों की मौत की दुखद खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

मैंने तुरंत विरुधुनगर के जिला कलेक्टर से संपर्क किया है और उन्हें जल्द से जल्द बचाव अभियान चलाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि घायलों को उचित इलाज मिले। मैं मृत श्रमिकों के परिवारों और रिश्तेदारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना व्यक्त करता हूं। पीड़ितों को राहत सहायता चुनाव आयोग की मंजूरी से दी जाएगी।

पुलिस में भर्ती होना चाहती है रेप पीड़िताएं

एक का पिता ने, दूसरी का चाचा ने किया था रेप

पुलिस की मदद से प्रभावित होकर लिया निर्णय

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में दो नाबालिग बलात्कार पीड़ितों ने हाल ही में कक्षा 10 की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है, जिसके परिणाम हाल ही में राज्य में घोषित किए गए थे। छोटी लड़की (15 वर्ष की) की यात्रा बेहद चौंकाने वाली है क्योंकि 2023 में उसके अपने पिता द्वारा उसके साथ बलात्कार किया गया था। इसका पता तब चला जब पेट दर्द की शिकायत होने पर उसकी दादी उसे अस्पताल ले गईं, जहां डॉक्टरों को पता चला कि वह गर्भवती है। मामले को बदतर बनाने के लिए, उसकी गर्भावस्था को समाप्त नहीं किया जा सका क्योंकि यह उन्नत चरण में थी। दोनों मामलों को देखने वाले पुलिस अधिकारी एम महेंद्र रेड्डी ने हाल ही में बताया कि उसने नौवें महीने में एक बच्चे को जन्म दिया।

उन्होंने बताया कि बच्ची को एक अनाथालय में भर्ती कराया गया और लड़की ने अपनी शिक्षा जारी रखी। इन कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने 5.6 ग्रेड प्वाइंट औसत के साथ दसवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की। रेड्डी ने कहा कि अदालत ने पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और लड़की को 15 लाख रुपये का मुआवजा भी दिया। रेड्डी ने कहा कि दूसरी लड़की (16 साल की) के साथ उसके चाचा ने बलात्कार किया। उसने दसवीं कक्षा की परीक्षा में प्रभावशाली 9.3 ग्रेड प्वाइंट औसत हासिल किया। अपने चाचा के जघन्य अपराध को देखते हुए लड़की के रिश्तेदार परिवार से दूर रहने लगे। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा की परीक्षा में उसकी सफलता के बाद उसे बधाई दी।

दिलचस्प बात यह है कि दोनों लड़कियां अब पुलिस अधिकारी बनने की ख्वाहिश रखती हैं। रेड्डी, जो पहले मीरपेट पुलिस स्टेशन के एसएचओ के रूप में कार्यरत थे, ने कहा कि महिला कांस्टेबल और अन्य पुलिस कर्मियों ने मामले को मानवीय दृष्टिकोण से संभाला। रेड्डी ने कहा कि पीड़ितों की मदद करने के अलावा, पुलिस कर्मियों ने कर्तव्य की सीमा से परे जाकर खुद को मामले की आवश्यकताओं तक सीमित किए बिना उनके मन में साहस पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्या मोदी का 'नोटों से भरा टेंपो' कहना नोटबंदी विफलता थी? : केटीआर

बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस सरकार पर भी साधा निशाना

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'नोटों से भरे टेंपो' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने गुरुवार को पूछा कि क्या 'नोटबंदी' विफल रही। उन्होंने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि प्रधानमंत्री के 'पसंदीदा सहयोगी' - प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर (आईटी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस संबंध में चुप क्यों थे?

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि पीएम मोदी के अनुसार, अगर अदानी और अंबानी स्कैमग्रेस को नकदी से भरे टेम्पो भेज रहे थे, तो उनके पसंदीदा सहयोगी ईडी, आईटी और सीबीआई चुप क्यों रहे? क्या वह यह भी स्वीकार कर रहे हैं कि नोटबंदी असफल रही? #जस्टआस्किंग...। एक अलग ट्वीट में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए रामा राव ने नागरिकों से उत्पादों की एक सूची पर 'स्टॉक' करने का आह्वान किया, जिसे विडंबनापूर्ण रूप से 'छह गारंटी' के रूप में टैग किया गया था- जिसमें इनवर्टर, चार्जिंग बल्ब, टॉर्चलाइट, मोमबत्तियां, जनरेटर और पावर बैंक शामिल हैं। उन्होंने कांग्रेस के सत्ता संभालने के बाद राज्य में बिजली कटौती में वृद्धि की ओर इशारा करते हुए नागरिकों को याद दिलाया कि याद रखें, यह कांग्रेस सरकार है, बीआरएस नहीं। उन्होंने उनसे 13 मई को लोकसभा चुनाव में सोच-समझकर वोट डालने का आग्रह किया।

संसदीय चुनाव को लेकर एसपी ने की समीक्षा बैठक

आसिफाबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 13 मई को होने वाले संसदीय चुनाव की पृष्ठभूमि में छाया, क्रिटिकल और मतदान केंद्रों पर किये जाने वाले सुरक्षा उपायों को लेकर एसपी ने जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिला पुलिस कार्यालय में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों से घंटों तक चुनाव आचार संहिता और एसओपी के पालन के बारे में पूछा गया। वाईएचओ ने सलाह दी कि वे अपने क्षेत्र के महत्वपूर्ण और सामान्य मतदान केंद्रों का दौरा करें और वहां की स्थितियों की समीक्षा करें। पिछले चुनाव में दंगा फैलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाये। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस से 48 घंटे पहले अपने-अपने क्षेत्र में शराब की दुकानें और देर रात तक चलने वाले ढाबों को बंद कर दिया जाए। सुनिश्चित किया जाए कि घर-घर प्रचार और प्रचार वाहन न चलें। किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित होर्डिंग्स, फ्लेक्सी, बैनर न हों। इसी तरह, अन्य क्षेत्रों के लोगों को उनके निर्वाचन क्षेत्र में रहने की अनुमति नहीं है, और उन्हें अपने क्षेत्र में रेस्तरां और लॉज की जांच करने की सलाह दी गई है। चुनाव को प्रभावित करने वाली किसी भी चीज के अवैध परिवहन को रोकने के लिए हर वाहन की गहन जांच करने का निर्देश दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि चुनाव की तैयारी के लिए आये कर्मियों को बिना किसी असुविधा के सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएं। इसी प्रकार यदि चुनाव के दिन थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोबाइल रूट पर कोई घटना होती है तो स्थानीय सीएसआई, सेक्टर अधिकारी एवं रूट मोबाइल टीम वहां पहुंचकर समस्या का समाधान करें। प्रभारी एवं सेक्टर अधिकारी आपस में संवाद एवं समन्वय रखें। संबंधित पुलिस स्टेशनों के एसएसआई और मोबाइल रूट प्रभारी को संबंधित रूट सेक्टर अधिकारी का संपर्क मोबाइल नंबर रखना होगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से संबंधित कोई समस्या हो तो एसएसआई अपने क्षेत्र के पुलिस नोडल अधिकारी को सूचित करें। नक्सल प्रभावित इलाकों के मतदान केंद्रों पर स्पेशल पार्टी और ग्रेहाउंड फोर्स को एरिया डोमिनेशन करने की सूचना दी गई है। उन्होंने बताया कि छाया मतदान केन्द्रों पर कम्युनिकेशन सेट लगाया जाए तथा संबंधित रूटों पर मोबाइल पार्टियां अपने-अपने रूट के सभी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि मतदान केन्द्रों पर अधिक लोग एकत्र न हों।

राणा प्रताप जयंती समारोह संपन्न

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड के प्रांगण मे ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह बिसेन की अध्यक्षता में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जीका जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड, के. राजेश सिंह, कुंदन सिंह चौहान टी, रघुनंदन सिंह, गजेंद्र सिंह, कमल सिंह, हंसराज सिंह, सुजीत सिंह, महेंद्र सिंह, गणेश सिंह, इंदर सिंह, विश्वजीत सिंह राजपूत, राम सिंह, ज्ञानेश्वर सिंह, संतोष सिंह सतीश सिंह, शैलेंद्र सिंह, राजन सिंह, जवाहर सिंह, विजय सिंह टी, दसरथ सिंह व अन्य उपास्थित रहे।

निर्बाध बिजली आपूर्ति का प्रयास : वासुदेव

आसिफाबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में अचानक हुई बारिश और तेज हवाओं के कारण हुई बिजली कटौती को दूर करते हुए बिजली आपूर्ति करने का प्रयास किया जा रहा है। यह बात विभाग के ही वासुदेव ने कही। उन्होंने कहा कि भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण 23 खंभे और 5 ट्रांसफार्मर उड़ गए, युद्ध स्तर पर त्वरित कार्रवाई की गई और केरामेरी, कौटाला और जिले के अन्य क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई करते हुए बिजली आपूर्ति बहाल की गई। उन्होंने कहा कि बाकी इलाकों में भी जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मौसम की स्थिति के कारण बिजली विभाग को भारी क्षति हुई है, और बिजली विभाग के कर्मचारी निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए काम में लगे हुए हैं। आसिफाबाद सर्कल में सर्कल कार्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, और 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है।

चिरंजीवी और वैजयंती माला पद्म विभूषण से सम्मानित

राष्ट्रपति के हाथों दूसरा सबसे बड़ा नागरिक अवॉर्ड मिला, गणतंत्र दिवस पर हुई थी घोषणा

हैदराबाद, 9 मई (एजेंसियां)। गुरुवार (9 मई) को नई दिल्ली में पद्म पुरस्कार दिए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिरंजीवी और वैजयंती माला को सिनेमा में दिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से नवाजा। विजेताओं की घोषणा इस साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या (25 जनवरी) पर की गई थी। सिनेमा जगत से चिरंजीवी, वैजयंती माला और मशहूर नर्तकी पद्मा सुब्रमण्यम को पद्म विभूषण के लिए चुना गया था।

इन तीनों के बारे में जानिए..

कोनिडेला चिरंजीवी :

68 साल के एक्टर चिरंजीवी 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने 2008 में आंध्र प्रदेश में एक राजनीतिक दल प्रजा राज्यम पार्टी की शुरूआत की थी। 2006 में चिरंजीवी को पद्म भूषण मिल चुका है।

वैजयंती माला :

87 साल की वैजयंती माला 50- 60 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेस रही हैं। वैजयंती माला ने 13 साल की उम्र में तमिल फिल्म से करियर शुरू किया था। उन्होंने आशा, नया दौर, साधना, मधुमती जैसी बेहतरीन फिल्में इंडस्ट्री को दी हैं।

पद्मा सुब्रमण्यम :

पद्मा सुब्रमण्यम भरतनाट्यम नर्तकी हैं। वो एक रिसर्च स्कॉलर, कोरियोग्राफर, शिक्षिका, इंडोलॉजिस्ट और लेखिका भी हैं। पद्मा के सम्मान में जापान, ऑस्ट्रेलिया और रूस में कई फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बन चुकी हैं।

प्रेरणा संस्था द्वारा मट्ठा वितरण कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेरणा संस्था की संस्थापिका एवं संचालिका पूजा गुप्ता ने बताया कि 10 मई को अक्षय तृतीया के उपलक्ष में अशोक नगर स्थित शीतल ग्रैंड बाजार के समीप समय दोपहर 2 बजे संस्था द्वारा मट्ठा वितरण कार्यक्रम रखा गया है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकाल में संस्था की ओर से जनसाधारण को अक्षय तृतीया एवं आज ही के दिन श्रीमती करुणा अग्रवाल की तीसरी पुण्यतिथि भी है के अवसर पर मट्ठा वितरित किया जाएगा। सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में इस पुनीत कार्य में भाग लें।

बुंदेली राजपूत एसोसिएशन ने राणा प्रताप जयंती मनाई

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की 484 जन्म जयंती उत्सव बुंदेली राजपूत वेलफेयर एसोसिएशन एवं तेलंगाना बुंदेली ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हशमत गंज कोटि सुल्तान बाज़ार के प्रागंन में मनाया गया। इस अवसर पर गोविंद राठी मुख्य अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष उमेश सिंह ने किया।

अध्यक्ष कमल सिंह एवं उपाध्यक्ष ठाकुर रंजीत सिंह ने गोविंद राठी का सम्मान भगवा शाल से किया। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह राजन सिंह गणेश सिंह के नामपली गोपाल सिंह राजेश्वर सिंह गजेंद्र सिंह हंसराज सिंह बजरंग सिंह विश्वजीत सिंह मनोज सिंह रघुनंदन सिंह कुंदन सिंह सतीश सिंह चंदेल जसबीर सिंह सुश्री प्रवीण सिंह कमल राज सिंह रविंद्र नाथ सिंह रजनीश सिंह नितेश पुनिया एवं समाज के अन्य बंधु इस अवसर पर उपस्थित थे।

आगापुरा में राणा प्रताप जयंती समारोह में उपस्थित बजरंग सेना के लक्ष्मण राव, राजेंद्र सिंह, रंजीत सिंह, बजरंग सिंह आदि ने बडी संख्या में भाग लिया।

विश्व मंगल गौशाला में वैशाख अमावस्या के पावन अवसर पर सभी को भक्तों ने तन मन धन के सेव दी भोजन की व्यवस्था पप्पू सिंह वास्तव और सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति शेर दास, जय राम सीरवी, और उपस्थित रहे मारवाड़ी युवा मंच मेडचल से शेषाराम, धनाराम-चौधरी मार्केटिंग, अमराराम सीरवी, नेमाराम मुलेवा, बनवारी लाल सुथार, गोविंद कुम्भावत-श्री स्टील, खेताराम, दुर्गा रेड्डी, नारायण राम सीरवी, देवाराम सीरवी, सोहनलाल सीरवी, बगदाराम देवासी, सुरेश भाई, जसराज सुथार, श्रवण बिश्नोई और धन्यवाद प्रकट करते हुए शांतिलाल सुथार, मनोज भाई

सलमान के घर फायरिंग, अब पाक से आ रही थी खेप : गोल्डी-लॉरेंस का बिहार कनेक्शन कर रहा हैरान

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खिलाफ स्पेशल सेल के पैन इंडिया मॉड्यूल पर बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग के लिए पाकिस्तान से हथियारों की बड़ी खेप आने वाली थी। पैन इंडिया मॉड्यूल में बिहार से पकड़े गए एक हथियार डीलर संतोष ने पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। गोल्डी और लॉरेंस बिश्नोई के लिए पाकिस्तान से हथियारों की बड़ी खेप पहुंचनीं थी।

लॉरेंस गैंग का बिहार से क्या कनेक्शन :

बिहार का रहने वाला संतोष और पंजाब का मनजीत गुरी पाकिस्तान के बड़े आर्म्स डीलरों के सपंर्क में था। पाकिस्तान से आने वाले हथियार की खेप की डिलीवरी पंजाब में होनी थी। जहां से हथियारों की ये बड़ी खेप लॉरेंस और गोल्डी गैंग के शूटर्स तक पहुंचाई जाती। गोल्डी बिश्नोई गैंग अब बिहार में तेजी से पाव पसार चुका है। सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने वाले दोनो आरोपी भी बिहार से तालुक रखते हैं।

ट्रांसपोर्ट बिजनेस में गैंग ने लगाया पैसा :

सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों को भनक लगी है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जुर्म से कमाया करोड़ो रुपया कनाडा यूएसए में रूट भी किया है। जहां ट्रांसपोर्ट बिजनेस में यह पैसा खपाया गया है। इतना ही नही लॉरेंस बिश्नोई गैंग फिरौती जबरन वसूली, प्रोटक्शन मनी से कमाया करोडों रुपया अत्याधुनिक हथियारों की खेप खरीदने में भी करता आ रहा है, ताकि गैंग के पास जरूरत के हिसाब से हर बड़े ऑपरेशन के लिए अत्याधुनिक हथियार हर वक्त मौजूद रहे।

दिल्ली से 285 हज यात्रियों का पहला जत्था रवाना

जम्मू-कश्मीर से 642 लोग रवाना होंगे, इस साल पौने दो लाख लोगों ने कराया है रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। दिल्ली और श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था गुरुवार (9 मई) को सऊदी अरब के मदीना के लिए रवाना हुआ। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इस साल की पहली फ्लाइट गुरुवार सुबह 2:20 बजे 285 हज यात्रियों को लेकर रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 642 हज यात्री दो फ्लाइट्स से रवाना होंगे। इस साल कुल 1 लाख 75 हजार 25 भारतीय हज कोटा के तहत सऊदी अरब जाएंगे। दिल्ली राज्य हज समिति की अध्यक्ष कौसर जहां ने बताया कि दिल्ली से इस साल 16,500 यात्री हज यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय में सचिव (काउंसलर, पासपोर्ट, वीजा और ओवरसीज इंडियन अफेयर्स) मुक्तेश के परदेशी ने मंगलवार को जेद्दा और मदीना में हज की तैयारियों की समीक्षा की थी। परदेशी ने सऊदी अरब के वाउस हज मिनिस्टर अब्दुल फत्ताह मशात के साथ यात्रियों के लिए की गई पर चर्चा की।

जम्मू-कश्मीर से 37 महिलाएं बिना मरहम के करेंगी हज यात्रा :

जम्मू-कश्मीर हज समिति के कार्यकारी अधिकारी डॉ. शुजहत कुरैशी ने बताया है कि कश्मीर से इस साल कुल 7008 यात्री हज यात्रा पर जाएंगे। श्रीनगर एयरपोर्ट से 6852 यात्री उड़ान भरेंगे। इनमें लद्दाख के लोग भी शामिल होंगे। वहीं जम्मू कश्मीर के करीब 541 हज यात्री दिल्ली से उड़ान भरेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

हिन्दू घटे...

दक्षिण एशियाई देशों मसलन बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान में बहुसंख्यक आबादी बढ़ी, जबकि अल्पसंख्यक आबादी में गिरावट आई। मालदीव में शफी-ए-सुन्नी धार्मिक समुदाय बहुसंख्यक है। उनकी आबादी में 1.47 प्रतिशत की गिरावट आई। बांग्लादेश में बहुसंख्यक धार्मिक आबादी में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पाकिस्तान की बहुसंख्यक धार्मिक आबादी (हनफी मुस्लिम) में 3.75 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जबकि कुल मुस्लिम जनसंख्या 10 प्रतिशत बढ़ी। म्यांमार, भारत, नेपाल में गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, यहां बहुसंख्यकों की आबादी में गिरावट देखी गई।

रॉबर्ट वाड्रा बोले...

मैं अमेठी, रायबरेली और मुरादाबाद जाऊंगा। उनका आशीर्वाद मुझे खुशी देता है।

उन्होंने मंगलसूत्र पर जो कहा, वह प्रधानमंत्री पद पर बैठने वाले को शोभा नहीं देता। यही वजह है कि मैं नहीं चाहता, वो सत्ता में वापस आएं। वे जो भी आरोप लगाते हैं, उन्हें साबित नहीं कर पाते।

राहुल और प्रियंका जो भी कहते हैं, उसे पूरा करेंगे। मैं उन्हें जानता हूं। दोनों बहुत मेहनती हैं। (कम्युनिकेशन गैप के सवाल पर) कोई भी ताकत दोनों के बीच दरार नहीं ला सकती। मैंने कभी ऐसा नहीं देखा। उन दोनों के बीच अगर कोई बहस होती है, तो वो बहुत स्वस्थ बहस होती है कि वो देश के लिए बेहतर क्या कर सकते हैं।

राहुल, प्रियंका और मेरे बीच कोई नहीं आ सकता है। लोगों को लगता है कि अमेठी से टिकट नहीं मिला तो मैं नाराज हूं। इसके मेरे लिए कोई मायने नहीं हैं। मुझे परिवार के लोगों के बीच कोई विवाद नहीं नजर आता। हम मिलकर देश के लिए काम करेंगे।

जब आप गांधी परिवार से जुड़े हैं, आपको कुछ भी करने से पहले सोचना चाहिए। बड़ी ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। आप दुनिया के किसी कोने सोफा पर में बैठे हैं और चाहते हैं कि आजकल जो चल रहा है, उसमें आपका नाम भी शामिल हो। खुशी है कि वो रिटायर्ड हैं। मैं उन्हें पत्र जरूर लिखूंगा। सैम पित्रोदा ने जो कहा वो बकवास है। वो राजीव गांधी के करीबी थे। थोड़ा जिम्मेदार होना था। राहुल-प्रियंका मेहनत कर रहे हैं, लेकिन इस बयान के बाद भाजपा को बेवजह का मुद्दा मिल गया।

बेटे से वोट...

हालांकि, कांग्रेस ने इस मुद्दे को लपक लिया।

कांग्रेस नेता पीयूष बबेले ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट की। इसमें लिखा- भाजपा ने चुनाव आयोग को बच्चों का खिलवाड़ बना दिया है। भोपाल में भाजपा के जिला पंचायत सदस्य विनय मेहर ने नाबालिग बेटे से डलवाया वोट। वोट डालते वक्त का विनय मेहर ने वीडियो भी बनाया।

वीडियो फेसबुक पर विनय मेहर ने किया पोस्ट। कोई कार्रवाई होगी? इस ट्वीट के सामने आने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आज दोपहर 12.15 बजे बैरसिया एसडीएम आशुतोष गोस्वामी को जांच सौंपी थी। करीब तीन घंटे में ही जांच पूरी कर मेहर पर बैरसिया थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई।

अयोध्या ...

नेपाल से लाई गई शालिग्राम शिला के अलावा मूर्ति बनाने के लिए कई शिलाएं यहीं रखी हुई हैं।

रामलला की तीन मूर्तियां का निर्माण रामसेवकपुरम में किया गया था। पहली प्रतिमा राम मंदिर में स्थापित की गई है। इस मूर्ती का निर्माण योगी राज ने किया है। जबकि दूसरी मूर्ति श्यामल रंग से बनी है। तीसरी मूर्ति मकराना संगमरमर की है। तीनों की लंबाई 51-51 इंच की है। दूसरी प्रतिमा दक्षिण के ही मूर्तिकार गणेश भट्ट ने बनाई। तीसरी मूर्ति राजस्थान के मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय ने बनाई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

प्लेऑफ के करीब सनराइजर्स, अभिषेक शर्मा बने सिक्सर किंग

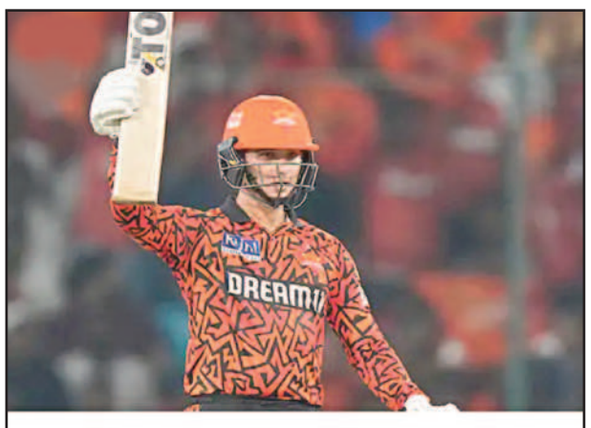

टॉप-5 सिक्स हिटर

प्लेयर	टीम	मैच	सिक्स
अभिषेक शर्मा	SRH	12	35
सुनील नरेन	KKR	11	32
ट्रैविस हेड	SRH	11	31
हेनरिक क्लासन	SRH	12	31
रियान पराग	RR	11	28

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में लीग स्टेज के 57 मैच खत्म हो चुके हैं। बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 10 विकेट से हराया। इस नतीजे के बाद एसआरएच नंबर-3 पर पहुंच गई, वहीं लखनऊ नंबर-6 पर कायम है।

टॉप-3 में पहंची एसआरएच

हैदराबाद में लखनऊ सुपरजायंट्स ने 20 ओवर में 165 रन बनाए। एसआरएच ने 9.4 ओवर में बगैर विकेट गंवाए ही टारगेट हासिल कर लिया।

हैदराबाद के अब 12 मैचों में 7 जीत और 5 हार से 14 पॉइंट्स हो गए। टीम तीसरे नंबर पर पहुंच गई। एसआरएच अब आखिरी दोनों मैच जीतकर क्वालिफाई कर सकती है।

लखनऊ के 12 मैचों में 6 जीत और 6 हार से 12 ही पॉइंट्स रह गए, टीम छठे नंबर पर मौजूद है। उन्हें अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने के साथ बाकी नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा

बुमराह के पास पर्पल कैप

एमआई के जसप्रीत बुमराह टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं, उनके नाम 12 मैचों में 18 विकेट हैं। उनके बाद पंजाब के हर्षल पटेल ने 11 मैचों में 17 विकेट लिए हैं।

विराट के पास ऑरेंज कैप

आरसीबी के विराट कोहली टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं, उनके नाम 11 मैचों में 542 रन हैं। उनके बाद सीएसके के ऋतुराज गायकवाड ने 11 ही मैचों में 541 रन बनाए हैं। एसआरएच के ट्रैविस हेड 533 रन के साथ तीसरे नंबर पर पहुंचे।

सिक्सर किंग बने अभिषेक शर्मा

एसआरएच के अभिषेक शर्मा ने लखनऊ के खिलाफ 6 सिक्स लगाए, इसी के साथ वह टूर्नामेंट के टॉप सिक्स हिटर बन गए। उनके 12 मैचों में 35 सिक्स हो गए। ट्रैविस हेड भी 31 सिक्स के साथ तीसरे नंबर पर पहुंचे।

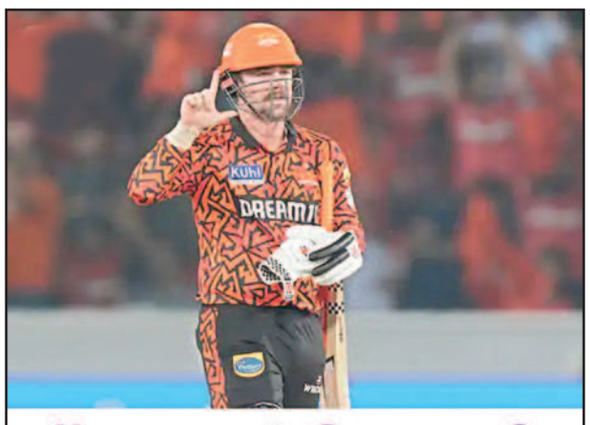

टॉप-5 बाउंड्री मास्टर्स

प्लेयर	टीम	मैच	बाउंड्री
ट्रैविस हेड	SRH	11	61
ऋतुराज गायकवाड	CSK	11	57
फिल सॉल्ट	KKR	11	50
विराट कोहली	RCB	11	48
सुनील नरेन	KKR	11	46

ट्रैविस हेड बने बाउंड्री के बादशाह

एसआरएच के ट्रैविस हेड ने लखनऊ के खिलाफ 8 चौके लगाए, इसी के साथ उनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके हो गए। हेड ने 61 चौके लगा दिए हैं। CSK के ऋतुराज गायकवाड 57 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

एलएसजी के मालिक कैप्टन केएल राहुल पर भड़के

10 विकेट से हार के बाद मैदान पर ही कैप्टन और कोच से बातचीत की, वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में 8 मई को लखनऊ सुपर जॉयंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 विकेट से हराया। हार के बाद एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने कैप्टन केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर से मैदान पर ही बातचीत की।

इस बातचीत का वीडियो सामने आया है, जिसमें गोयनका केएल राहुल पर भड़कते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स और क्रिकेट फैंस गोयनका पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि केएल राहुल जैसे प्लेयर के साथ इस तरह की बातचीत गलत है। एक यूजर बोला कि ये बातचीत मैदान की बजाय टीम मीटिंग में की जा सकती थी।

मैच के बाद केएल राहुल बोले-हार के बाद फैसले पर सवाल होते हैं

मैच के बाद केएल राहुल ने कहा कि जब आप एक बार हारने

लगते हैं तो आपके लिए गए फैसलों पर सवाल खड़ा किया जाने लगता है। हमने 40-50 रन कम बनाए। पावर प्ले में विकेट भी गंवाए। आयुष और निकोलस ने अच्छी बैटिंग कर हमें 166 रन तक पहुंचाया।

राहुल ने ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की पारी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह असंभव सी बल्लेबाजी थी। दोनों ने अपनी सक्सि हिटिंग स्कल्सि पर कड़ी मेहनत की है।

लखनऊ की एकतरफा हार हुई, 5 बातें टीम के खिलाफ गईं

1. लखनऊ ने धीमी पिच टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। 165 रन बनाए।
2. केएल राहुल ने 33 बॉल पर 29 रनों की धीमी पारी खेली।
3. पावर प्ले में लखनऊ ने 27 रन बनाए और 2 विकेट खोए। हैदराबाद पावर प्ले में बिना विकेट 100 रन पार कर चुकी थी।
4. सनराइजर्स ने 166 रन का टारगेट 9.4 ओवर में चेज किया। यह आईपीएल में 150+ स्कोर का सबसे तेज रन चेज है।

हार्दिक पंड्या की उल्टी गिनती शुरू

मुंबई इंडियंस को मिली शिकायत के बाद जाएगी कप्तानी?

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कई सीनियर खिलाड़ियों ने हार्दिक पंड्या की कप्तानी के स्टाइल पर सवाल खड़े किए हैं और इसे टीम के खराब प्रदर्शन की वजह बताया जा रहा है. साथ ही टीम के ड्रेसिंग रूम में भी पहले जैसा उत्साह नहीं देखने को मिल रहा है और इसके लिए भी हार्दिक के तरीकों को निशाने पर लिया गया है

हार्दिक पंड्या ने शायद ही सोचा होगा कि मुंबई इंडियंस में उनकी वापसी इस कदर खराब साबित होगी. अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को लगातार 2 सीजन आईपीएल फाइनल में पहुंचाने (एक बार जीत) के बाद वो मुंबई में लौटे थे, जिसे लेकर शुरुआत में तो मुंबई के फैंस में खासा उत्साह था लेकिन जब उन्हें रोहित शर्मा की जगह टीम

का कप्तान नियुक्त किया गया तो ये जोश गुस्से में बदल गया और उशके बाद से ही वो लगातार निशाने पर हैं. अब उनकी कप्तानी में टीम इस सीजन में सबसे पहले प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है. साथ ही हार्दिक की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने उनके तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सीनियर खिलाड़ियों ने की शिकायत

अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है मुंबई इंडियंस के कई सीनियर खिलाड़ियों ने हार्दिक की कप्तानी में टीम को चलाने के तरीकों पर सवाल खड़े किए हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि एक मैच के बाद रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह समेत टीम के सभी खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ से मुलाकात की, जिसके बाद कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने अलग से बात करते हुए टीम के खराब प्रदर्शन की वजहें बताईं.

टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों से ही हार्दिक पंड्या के कई फैसले लगातार सवालों के घेरे में रहे. कभी जसप्रीत बुमराह को बॉलिंग पर देरी से लेकर आना, तो कभी बैटिंग ऑर्डर में सही वक्त पर सही बल्लेबाज को न भेजना, अक्सर ये देखने को मिला. साथ ही क मैच में हार के बाद बिना नाम लिए युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को जिम्मेदार ठहराने से हार्दिक पर और भी ज्यादा सवाल उठ गए.

'मैं एलएसजी को आईपीएल से बाहर मानता हूं'

मैथ्यू हेडन टीम के प्रदर्शन से बेहद निराश

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के 57वें मुकाबले को फैंस इतना जल्दी भुला नहीं पाएंगे। सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए इस मुकाबले में कई रिकॉर्ड्स बने। सनराइजर्स की टीम ने इस मैच में पावरप्ले में ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया था। जिसके बाद पावरप्ले में 2 बार 100 से ज्यादा रन बनाने वाली हैदराबाद पहली टीम बन गई है।

पावरप्ले में हैदराबाद ने बिना कोई विकेट खोए 125 रन बनाए थे। हैदराबाद के दोनों सलामी बल्लेबाजों ने लखनऊ के हर एक गेंदबाज की कुटाई की। स्पिन से लेकर तेज गेंदबाज तक कोई भी अभिशेष शर्मा और ट्रेविस हेड को रोक नहीं पाया। वहीं अब

लखनऊ सुपर जायंट्स के इस खराब प्रदर्शन को देकर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व दिग्गज मैथ्यू हेडन ने नाराजगी जाहिर की है।

'एलएसजी आईपीएल 2024 से बाहर'

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ की बेहद खराब गेंदबाजी को देखकर फैंस से लेकर पूर्व क्रिकेटर्स तक काफी निराश दिखे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने एलएसजी पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब आपको पता है कि विपक्षी टीम में हेड, अभिषेक और क्लासेन जैसे बल्लेबाज है तो फिर टीम को 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा के रनरेट के बारे में सोचना होगा। पावरप्ले में भी आप धीमे खेले, जो स्कोर को कहीं और ही ले गया। 160 या 170 रन यहा पर्याप्त नहीं है। मुझे लगता है लखनऊ को आईपीएल से बाहर कहना सही होगा।

एलएसजी ने 20 ओवर में बनाए थे 165 रन

इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 165 रन बनाए थे। लखनऊ की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए आयुष बदोनी ने सबसे ज्यादा 55 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा निकोलस पूरन ने 48 रन बनाए थे।

पूरन और आयुष की पारी के बदौलत लखनऊ का स्कोर 150 के पार पहुंचा था। मैच में क्विंटन डी कॉक और स्टोइनिस फ्लॉप साबित हुए। वहीं हैदराबाद की तरफ से गेंदबाजी करते हुए भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में महज 12 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे।

रियल मैड्रिड यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में

सेमीफाइनल के दूसरे लेग में म्यूनिख को 2-1 से हराया;1 जून को डॉर्टमंड से भिड़ंत

खेल डेस्क, 9 मई (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने 9 मई को सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न म्यूनिख को 2-1 से हराया। इस तरह दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड ने 4-3 से फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले सेमीफाइनल के पहले लेग में दोनों टीमों ने 2-2 गोल किया था।

14 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड का सामना फाइनल में शनिवार 1 जून को वेम्बली में डॉर्टमंड से होगा। रियल मैड्रिड के लिए दोनों गोल जोसेलु (जोस लुइस माटो) ने किया। वहीं म्यूनिख के लिए एक मात्र गोल डेविस ने किया।

बायर्न म्यूनिख के डेविस ने किया पहला गोल

दोनों टीमें हाफ टाइम तक बराबरी पर थीं। मैच के 68वें मिनट में म्यूनिख के डेविस ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी और फाइनल के लिए राह आसान कर दिया। उन्होंने सेंटर सर्कल में साथी खिलाड़ी केन के बायीं ओर से दिए पास को गोल में तब्दील कर टीम को मैच में आगे कर दिया।

जोसेलु के गोल कर लेकर रहा विवाद

वहीं मैच के 88 वें मिनट में जोसेलु ने एंटोनियो रुडिगर के पास को गोल में तब्दील कर टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया। जोसेलु के इस गोल को लेकर विवाद रहा। शुरुआत में गोल को ऑफ साइड करार दिया गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (VAR) ने गोल को सही करार दिया। वहीं उन्होंने टीम के लिए दूसरा गोल 91वें मिनट में किया और इस तरह रियल मैड्रिड इस मैच में म्यूनिख से 2-1 से आगे हो गया।

पहले लेग में स्कोर बराबरी पर था

वहीं पहले लेग के खेले गए सेमीफाइनल में दोनों टीमें ने 2-2 गोल किए थे। यह मैच 2-2 की बराबरी पर था। ऐसे में दोनों लेग को मिला कर रियल मैड्रिड के चार गोल हो गए, जबकि बायर्न म्यूनिख के 3 गोल रहा।

कैसे दो लेग में होते है मुकाबले

राउंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों क्लबों के घर में होते है। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम को विजयी घोषित किया जाता है।

1955-56 से खेली जा रही है यूईएफए चैंपियंस लीग

दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग 'चैंपियंस लीग' का यह 32वां सीजन है। जिसका चैंपियन 10 जून को मिला जाएगा। लीग की शुरुआत 1955-56 में हुई थी। तब यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित लीग का नाम यूरोपियन चैंपियंस कप था। 1992 में नाम बदलकर यूईएफए चैंपियंस लीग कर दिया गया। हर सीजन इसमें 32 टीमें हिस्सा लेती है। इन टीमों को 8 ग्रुप में बांटा जाता है।

'फियरलेस क्रिकेट खेलने की जरूरत'

वीरेंद्र सहवाग ने बताई टीम इंडिया की सबसे बड़ी कमजोरी

मुंबई, 9 मई (एजेंसियां)। जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो चुका है। भारतीय टीम के खिलाड़ी इन दिनों आईपीएल खेल रहे हैं। जिसमें वे विस्फोटक बल्लेबाजी करते नजर आ रहे हैं। उनके इस प्रदर्शन को देख भारतीय फैंस टीम इंडिया के वर्ल्ड कप जीतने की उम्मीद कर रहे हैं। पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। जिसे देख कई दिग्गज कह चुके हैं कि टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतना है तो पिछली गलतियां नहीं दोहरानी होंगी। दिग्गज क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने टीम इंडिया के लिए सुझाव दिया है।

फीयरलैस क्रिकेट नहीं खेला

सहवाग ने एक इंटरव्यू के दौरान

कहा- लास्ट ईयर के वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में वो नजर नहीं आया, जिसकी जरूरत थी। खास तौर पर 11 ओवर से लेकर 40 ओवर के बीच में किसी ने फियरलेस क्रिकेट नहीं खेला। हमने उस दौरान सिर्फ एक या दो चौके लगाए।

हर मैच को नॉकआउट की तरह खेलते थे

सहवाग ने आगे कहा कि जब मैं टीम का हिस्सा था, तब 2007 से लेकर 2011 वर्ल्ड कप तक हम लोग हर मैच को ऐसे देखते थे, जैसे यह नॉकआउट मैच हो। हर मैच वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल नजर आता था। अगर इसे हार गए तो हम बाहर हो जाएंगे। यही वजह थी कि 2007-08 से लेकर हमने कई टूर्नामेंट जीते। हमने इसी हिसाब से वर्ल्ड कप की तैयारी की।

रिस्क लेकर खेले टीम इंडिया

सहवाग ने कहा कि शायद यही काम भारतीय टीम दोबारा कर सकती है। टीम इंडिया को हर मैच को नॉकआउट मैच की तरह खेलना होगा। ऐसा सोचने पर आपका माइंडसेट बदल जाता है। मुझे लगता है कि ड्रेसिंग रूम में इसी माइंडसेट की जरूरत है। आप फियरलेस और ब्रेवरी के साथ-साथ रिस्क लेकर खेलो। मुझे लगता है कि टीम इंडिया में अभी इसी चीज की कमी है।

डायमंड लीग से ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा

किशोर जेना करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87.54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिये पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे। मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भालाफेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन

ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87.54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल है जो लीग में उतरेंगे। इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा। चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था।

चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा,''सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा। हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है।''

टी20 में सिर्फ 12 रन पर ढेर हो गई मंगोलिया

नई दिल्ली, 9 मई (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट में 200 का स्कोर बनना आम बात हो गया है। आईपीएल 2024 में 200 का स्कोर बिलकुल भी सेफ स्कोर नहीं माना जा रहा है। इस सीजन तो कई बार 250 प्लस स्कोर बन चुके हैं। टी20 क्रिकेट के मायने काफी बदल चुके हैं। इस फॉर्मेट में मैदान पर छक्कों-चौकों की बरसात देखने को मिलती है, लेकिन इस बीच मंगोलिया ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंगोलिया की टीम टी20 क्रिकेट में सिर्फ 12 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। आपको शायद लग रहा होगा कि यह स्कोर टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे छोटा स्कोर है। लेकिन आपको बता दें कि एक टीम ऐसी है, जो इससे भी कम स्कोर पर आउट हो चुकी है।

2023 में मंगोलिया ने खेला था डेब्यू मुकाबला

मंगोलिया वही टीम है, जिसने एशियाई खेलों के जरिए साल 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब डेब्यू करने के 7 महीने बाद ही मंगोलिया के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। जापान को इस मुकाबले में एकतरफा और बहुत बड़ी जीत हाथ लगी है। मंगोलिया में टी20 क्रिकेट का दूसरा न्यूनतम स्कोर बनाया है। बता दें कि जापान ने मंगोलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 217 रन बनाए थे, ऐसे में मंगोलिया को जीत के लिए 218 रन बनाने की जरूरत थी, लेकिन मंगोलिया 8.2 ओवर में 12 रन पर ऑल आउट हो गई।

10 रन पर ऑल आउट हो चुकी है आइल ऑफ मैन

इस मुकाबले में मंगोलिया के 7 बल्लेबाज शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। जापान की ओर से 17 वर्षीय तेज गेंदबाज काजुमा कातो स्टैफोर्ड ने सिर्फ 3.2 ओवर गेंदबाजी की और 7 रन देकर 5 विकेट झटक लिए। मंगोलिया की ओर से किसी बल्लेबाज ने अधिकतम स्कोर 4 रन बनाए हैं। जापान ने मैच को 205 रनों से अपने नाम कर लिया है। खास बात है कि मंगोलिया सिर्फ 12 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई, फिर भी यह न्यूनतम स्कोर नहीं है। इंटरनेशनल टी20 क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड आइल ऑफ मैन के नाम दर्ज है। इस टीम ने 26 फरवरी 2023 को स्पेन के खिलाफ 10 रन बनाए थे।

देश की 90 प्रतिशत संपत्ति दो प्रतिशत लोगों के पास है : राहुल

नरसापुर, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश की 90 प्रतिशत संपत्ति दो प्रतिशत लोगों के पास है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल दो प्रतिशत लोगों के लिए काम कर रहे हैं। गुरुवार को मेदक जिले के नरसापुर में जन जतरा सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री बहुसंख्यक वर्ग के कल्याण के लिए काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपना पूरा समय अपने चुने हुए उद्योगपतियों के विकास के लिए लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मोदी देश में आरक्षण खत्म करने के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों का निजीकरण कर रहे हैं। निजी व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिए आरक्षण खत्म किया जा रहा

है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव दो विचारधाराओं के बीच हो रहा है, जिसमें एक तरफ राहुल गांधी, सोनिया गांधी, खड़गे और रेवंत रेड्डी जैसे नेता हैं, जो संविधान में बदलाव का विरोध करते हैं और दूसरी तरफ मोदी और आरएसएस के नेता हैं, जो संविधान को बदलना चाहते हैं। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत करेगी, जो आम लोगों की आवाज है और हजारों बलिदानों का फल है। राहुल गांधी ने कहा, अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार आती है, तो वह किसानों को गारंटी के तौर पर समर्थन मूल्य लाएगी। बाद में शाम को उन्होंने हैदराबाद के एलबी स्टेडियम के सरूर नगर स्टेडियम में एक और जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि दुनिया की कोई भी ताकत भारतीय संविधान को खत्म नहीं कर सकती। राहुल गांधी ने दोहराया कि अगर कोई आरक्षण को खत्म करने और संविधान में संशोधन करने की कोशिश करता है तो कांग्रेस पार्टी उसका कड़ा मुकाबला करेगी।

प्रधानमंत्री का आज शहर दौरा, यातायात परिवर्तित

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी स्टेडियम में भाजपा द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के संबंध में, 10 मई, 2024 को शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक यातायात प्रतिबंध लागू होने की संभावना है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद ने कहा कि बेगमपेट हवाई अड्डे से एलबी स्टेडियम तक कुछ स्थानों/मार्गों पर यातायात प्रतिबंधित/डायवर्ट या रूट किया जाएगा।

प्रधानमंत्री बेगमपेट हवाई अड्डे से एलबी स्टेडियम जाएंगे, हवाई अड्डे वाई जंक्शन के माध्यम से, पीएनटी फ्लाई ओवर के नीचे दाएं मुड़ें, शॉपर्स स्टॉप, हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट फ्लाई ओवर, ग्रीन भूमि, बाएं मोड़, राजीव गांधी प्रतिमा/मोनप्पा द्वीप जंक्शन, यशोदा अस्पताल, एमएमटीएस, राजभवन, वीवी टैटू, खैरताबाद फ्लाईओवर, नेकलेस रोटरी, एनटीआर मार्ग, तेलुगु थल्ली जंक्शन, दाएं मुड़ें, इकबाल मीनार, रवींद्र भारती, हैदराबाद यातायात पुलिस जंक्शन, एआर पेट्रोल पंप बाएं मोड़, एलबी स्टेडियम और सार्वजनिक बैठक पूरी होने के बाद

भारत के प्रधानमंत्री उपरोक्त मार्ग के समान बेगमपेट हवाई अड्डे पर वापस आ जाएंगे। बीजेआर प्रतिमा के रास्ते पेट्रोल पंप की अनुमति नहीं होगी और उसे बीजेआर प्रतिमा से एसबीआई गनफाउंड्री- जीपीओ एबिड्स सर्कल- नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। सुजाता स्कूल लेन से खान लतीफ खान (केएलके) भवन की ओर आने वाले यातायात को अनुमति नहीं दी जाएगी और उसे सुजाता स्कूल जंक्शन से नामपल्ली की ओर मोड़ दिया जाएगा। 10 मई को शाम 4 बजे से रात 8 बजे के बीच जिन जंक्शनों से बचना है: रसूलपुरा, पीएनटी जंक्शन, बेगमपेट फ्लाईओवर, हैदराबाद पब्लिक स्कूल, ग्रीनलैंड्स, राजीव गांधी प्रतिमा (मोनप्पा द्वीप), राजभवन रोड, पंजागुट्टा, वीवी प्रतिमा, खैरताबाद फ्लाईओवर, अंबेडकर प्रतिमा, एनटीआर मार्ग, तेलुगु थल्ली, इकबाल मीनार, रवींद्र भारती, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस जंक्शन, बशीरबाग, बीजेआर प्रतिमा सर्कल, एसबीआई गनफाउंड्री, एबिड्स सर्कल, ए.आर. पेट्रोल पंप (पब्लिक गार्डन), नामपल्ली, केएलके बिल्डिंग, लिबर्टी, हिमायत नगर, असेंबली, एमजे मार्केट और हैदरगुडा। आरटीसी बसें: रवींद्र भारती से बीजेआर प्रतिमा की ओर जाने वाली आरटीसी बसों को एलबी स्टेडियम मुख्य द्वार यानी खान लतीफ खान बिल्डिंग के सामने से बचना चाहिए और एआर पेट्रोल बंक (पब्लिक गार्डन) से नामपल्ली की ओर मुड़ना चाहिए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और उपरोक्त निर्दिष्ट समय के दौरान उपरोक्त मार्गों से बचें और यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यात्रा में किसी भी असुविधा के मामले में, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन 9010203626 पर संपर्क करें।

नर्सिंग छात्रों के लिए रोजगार के व्यापक अवसर : वीसी सज्जनार

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने कहा कि नर्सिंग छात्रों के लिए रोजगार के व्यापक अवसर हैं। उन्होंने नर्सिंग छात्रों को अपने कौशल में सुधार करने और पेशे में उत्कृष्टता हासिल करने की सलाह दी क्योंकि दुनिया भर में अच्छी तरह से प्रशिक्षित नर्सों की मांग है। गुरुवार को टीएसआरटीसी नर्सिंग कॉलेज, तारनाका, हैदराबाद में 2023-24 बैच के 40 बीएससी नर्सिंग छात्रों का लैंप लाइटिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने नर्सिंग छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग पेशे में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उन्हें दबाव झेलना होगा। ऐसा कहा जाता है कि जिनमें कड़ी मेहनत, नैतिकता, धैर्य और व्यावसायिकता है वे कम समय में ही शीर्ष स्तर पर पहुंच जाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि नर्सें अथक परिश्रम करती हैं और ऐसे समर्पण के साथ उच्चतम स्तर की सेवा प्रदान करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल का नाम इतिहास में दर्ज हो गया है। जीवन में कोई शॉर्टकट नहीं होता, कड़ी मेहनत से ही आप किसी भी पेशे में शीर्ष पर पहुंचेंगे। बताया गया कि आरटीसी स्टाफ के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तरनाका अस्पताल को सुपर स्पेशियलिटी के रूप में अपग्रेड किया गया है। उन्होंने कहा कि उस अस्पताल को लेकर एक नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गयी है। वर्तमान में इस कॉलेज में 128 छात्र पढ़ रहे हैं। यह राज्य का सर्वश्रेष्ठ कॉलेज बन गया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज के छात्रों को विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उपाय किये जा रहे हैं। बाद में, सज्जनार ने वार्षिक खेल प्रतियोगिता के हिस्से के रूप में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में जीतने वाली 50 महिला छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र सौंपे। इस कार्यक्रम में संगठन के कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) कृष्णकांत, ओएसडी सैदिरेड्डी, तारनाका अस्पताल के सीएमओ डॉ. शैलजामूर्ति, प्रशासक डॉ. श्रीनिवास, कार्यकारी अभियंता (सिविल) राममोहन, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल वसुंधरा तुलसी, वाइस प्रिंसिपल सोनी और अन्य ने भाग लिया।

बीआरएस ही तेलंगाना के हितों की रक्षा करेगी : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने आज कहा कि बीआरएस पार्टी ही तेलंगाना के भविष्य की रक्षा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना राज्य के लिए बीआरएस पार्टी की ऐतिहासिक आवश्यकता है और कहा कि आगामी चुनाव तेलंगाना के लोगों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में आयोजित मीट-द-प्रेस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केसीआर ही एकमात्र नेता हैं जो राज्य के लोगों के अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, केसीआर की बस यात्रा से कांग्रेस और भाजपा में भय व्याप्त हो गया है। लोकसभा चुनाव में बीआरएस की दोहरे अंकों की जीत देखने को मिलेगी। केसीआर के रहते प्रधानमंत्री मोदी की गोदावरी नदी के पानी को चेन्नई की ओर मोड़ने की साजिश सच नहीं हो पाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सामाजिक आरक्षण हटाने का समर्थन करने का कोई सवाल ही नहीं है और उन्होंने कहा कि उन्होंने मुस्लिम अल्पसंख्यकों के आरक्षण पर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है। सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनकी गारंटी पर सीएम का धोखा अब उजागर हो गया है। उन्होंने पूछा कि मोदी आरआर टैक्स के आरोपों की जांच क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्होंने मोदी से यह भी पूछा कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी को पैसे के बैग ले जाने वाले टेंपो क्यों नहीं पकड़े? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तेलंगाना राज्य में बीआरएस पार्टी को निशाना बनाने के लिए एक साथ आए हैं।

उन्होंने कहा, हाल के विधानसभा चुनावों से पहले, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने उस चुनाव में रेवंत रेड्डी को लाभ पहुंचाने के लिए फैसले लिए थे। केंद्रीय विशेषज्ञ समिति, जिसने कभी कलेश्वरम को नहीं देखा, दिल्ली में बैठी और इसके द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया।

चावल की हेराफेरी में दो पर मामला दर्ज

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को कागजनगर मंडल के चिंतागुडा गांव में एक अड्डे पर छापेमारी की और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए दो व्यक्तियों से 122 क्विंटल चावल जब्त किया। अधिकारियों ने कहा कि कागजनगर शहर के सैयद आरिफ और इसाक अहमद पर कथित तौर पर चावल को इधर-उधर करने का मामला दर्ज किया गया है। आगे की कार्रवाई के लिए चावल को विभाग के गोदाम में स्थानांतरित कर दिया गया।

---

18 मई को जारी होगा श्रीवारी अर्जितसेवा टिकट कोटा

27 मई तक ऑनलाइन जारी होते रहेंगे कोटे

तिरुमाला, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी तिरुमाला श्रीवारी अर्जित सेवा टिकटों के लिए अगस्त कोटा 18 मई को सुबह 10 बजे ऑनलाइन जारी करेगा। इन सेवा टिकटों के इलेक्ट्रॉनिक डिप के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 20 मई को सुबह 10 बजे तक किया जा सकता है। जिन लोगों को ये टिकट मिलेंगे उन्हें 20 से 22 मई की रात 12 बजे से पहले भुगतान करने पर लकीडिप पर टिकट आवंटित किए जाएंगे। कल्याणोत्सवम, ऊंजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम, सहस्रादिपालंकार सेवाटिकटों के साथ-साथ 15 से 17 अगस्त तक श्रीवारी मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक पवित्रोत्सव सेवा टिकटों का कोटा 21 मई को सुबह 10 बजे ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

टीटीडी वर्चुअल सेवाओं और उनके देखने के स्लॉट के लिए अगस्त कोटा 21 मई को दोपहर 3 बजे ऑनलाइन जारी करेगा। अगस्त के लिए अंगप्रदक्षिणम टोकन कोटा 23 मई को सुबह 10 बजे, श्रीवाणी ट्रस्ट टिकटों का ऑनलाइन कोटा 23 मई को 11 बजे, बुजुर्गों, विकलांगों और लंबे समय से बीमार लोगों को तिरुमाला श्रीवारा की यात्रा करने में सक्षम बनाने के लिए मुफ्त विशेष दर्शन टोकन का कोटा 23 मई को दोपहर 3 बजे, अगस्त महीने के लिए विशेष प्रवेश दर्शन टिकटों का कोटा 24 मई को सुबह 10 बजे, तिरुमाला और तिरुपति में अगस्त कमरे का कोटा 24 मई को दोपहर 3 बजे, तिरुमाला-तिरुपति श्रीवारी सेवा कोटा 27 मई को सुबह 11 बजे, नवनीता सेवा दोपहर 12 बजे और परकामणि सेवा दोपहर 1 बजे ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

21 से 29 मई तक श्री वेंकटेश्वर स्वामी का वार्षिक ब्रह्मोत्सव

तिरुपति, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वार्षिक ब्रह्मोत्सवम 21 से 29 मई तक आंध्र आश्रम, ऋषिकेश में भव्यता से आयोजित किया जाएगा। 14 मई को कोइल अलवर थिरुमंजनम, 20 मई की शाम को सेनाधिपति उत्सवम और अंकुरारपनम का आयोजन होगा। ब्रह्मोत्सव में प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से 9 बजे तक और शाम 7 बजे से 8.30 बजे तक स्वामी वाहन सेवा संचालित की जाती है।

21 मई को सुबह- ध्वजारोहण, संध्या- पेडसेषा वाहनम्, 22 को प्रातःकाल- छोटा वाहन, संध्या- हम्सा वाहनम्, 23 को प्रातःकाल- सिंह रथ, संध्या- मुत्यापुपंदिरि वाहनम्, 24 को प्रातःकाल- कल्पवृक्ष वाहन, संध्या- सभी देवताओं का वाहन, 25 को प्रातःकाल- मोहिनी अलंकारम्, संध्या- गरुड़वाहनम्, 26 को प्रातःकाल- हनुमान वाहनम्, संध्या- गजवाहनम्, 27 को प्रातःकाल- सूर्य प्रभा वाहनम्, संध्या- चन्द्रप्रभ वाहनम्, 28 को सुबह- रथ महोत्सव, शाम- घोड़ागाड़ी, 29 को प्रातःकाल- चक्र स्नान, शाम- ध्वजारोहण का आयोजन होगा। इस अवसर पर टीटीडी हिंदू धर्मप्रचार परिषद, अन्नमाचार्य परियोजना और दास साहित्य परियोजनाओं के तत्वावधान में प्रतिदिन आध्यात्मिक, भक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन और कोलाट का आयोजन किया जाएगा।

मंदिरों की भूमि का विवरण इकट्ठा करने का निर्देश

धर्मस्व कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार बंदोबस्ती विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामयार ने अधिकारियों को मंदिर की भूमि के हस्तांतरण को रोकने के लिए उचित उपाय करने का निर्देश दिया है। बुधवार को धर्मस्व आयुक्त कार्यालय में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में बंदोबस्ती आयुक्त, सूचना नागरिक संपर्क विभाग के विशेष आयुक्त हनुमंत राव सहित कई अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, सहायक आयुक्त और मुख्य मंदिरों के कार्यकारी अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने अधिकारियों को राज्य भर में धर्मस्व विभाग के कब्जे में मंदिरों की भूमि का विवरण इकट्ठा करने और उन भूमियों के हस्तांतरण को रोकने के लिए उचित उपाय करने और मंदिर को पुनः प्राप्त करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। भूमि जो अब तक अलग कर दी गई थी। गर्मी की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने अधिकारियों को राज्य के सभी मंदिरों में आने वाले भक्तों को पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं, पीने का पानी, हरी चटाई, कालीन और छतरियां प्रदान करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को मंदिरों के धन के दुरूपयोग को रोकने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया।

सिटी नेचर चैलेंज में दूसरी बार शीर्ष पर रहा हैदराबाद

2023 से इस स्पर्धा में भाग ले रहा शहर

संगारेड्डी, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 26 से 29 अप्रैल तक 4 दिनों के लिए आयोजित सिटी नेचर चैलेंज-2024 में भाग लेने वाले दुनिया भर के शहरों और कस्बों के बीच हैदराबाद लगातार दूसरी बार शीर्ष शहरों में से एक था। हैदराबाद ने 2023 में इस आयोजन में भाग लेना शुरू किया था। हैदराबाद जहां देश में पहले स्थान पर था, वहीं उत्तराखंड में नानकमत्ता देश में दूसरे स्थान पर रहा। वार्षिक वैश्विक आयोजन में 670 से अधिक शहरों और कस्बों ने भाग लिया, जिसमें हांगकांग के बाद हैदराबाद एशिया में दूसरे और दुनिया में 13वें स्थान पर था। ला पाज, बोलीविया, मॉन्टेरी मेक्सिको और सैन एंटोनियो दुनिया में पहले तीन स्थानों पर रहे।

चार दिवसीय आयोजन के दौरान, 527 पर्यवेक्षकों ने 2,092 प्रजातियों की जांच की, जिनमें

वनस्पति और जीव-जंतु शामिल हैं। इन पर्यवेक्षकों ने 4 दिनों के दौरान 34,388 अवलोकन किये हैं। नीम का पेड़ (262) और सेक्रेड फिग (135) सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पौधे थे, जबकि मोर (206) और रेड-वेंटेड बुलबुल हैदराबाद में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली पक्षी प्रजातियां थीं।

अनुभवी पक्षी विशेषज्ञ श्रीराम रेड्डी ने कहा कि दुनिया भर से पर्यवेक्षकों की भागीदारी में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा है कि प्रतिभागियों की संख्या पिछले साल के 350 से बढ़कर इस साल 527 हो गयी है। बढ़ी हुई भागीदारी परिणामों में परिलक्षित हुई है क्योंकि पहचानी गई प्रजातियों की संख्या पिछले वर्ष के 1,900 से बढ़कर 2,092 हो गई है।

सिटी नेचर चैलेंज की शुरूआत कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंसेज के एलिसन यंग और रेबेका जॉनसन और लॉस एंजिल्स काउंटी के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय की लीला हिगिंस ने की थी। प्रतियोगिता शुरू में लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को तक ही सीमित थी। बाद में इसका विस्तार दुनिया के अन्य हिस्सों तक किया गया। सिटी नेचर चैलेंज का उद्देश्य शहरी जैव विविधता का दस्तावेजीकरण करना था।

बाचुपल्ली दीवार ढहने के मामले में 6 गिरफ्तार

7 लोगों की हो गई थी मौत

हैदराबाद, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली में एक निर्माणाधीन स्थल पर मंगलवार को दीवार गिरने के मामले में पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई थी। साइबराबाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में बिल्डर अरविंद रेड्डी, साइट इंजीनियर सतीश, प्रोजेक्ट मैनेजर फ्रांसिस, ठेकेदार राजेश और दो अन्य को गिरफ्तार किया। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304-II (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया।

भारी बारिश के बाद मंगलवार शाम को एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट परिसर की दीवार गिरने से छह श्रमिकों और एक चार वर्षीय लड़के की मौत हो गई। यह घटना मेडचल मलकाजगिरी जिले के बाचुपल्ली में रेणुका येलम्मा मंदिर कॉलोनी में हुई। पुलिस के अनुसार, 30 से 40 फीट ऊंची दीवार गिर गई, जिससे ओडिशा और छत्तीसगढ़ के प्रवासी निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई। परिसर की दीवार को सहारा देने वाली छह फुट चौड़ी मिट्टी की बाधा भारी बारिश के बाद टूट गई, जिससे दीवार अस्थायी शेड पर गिर गई। रात भर चले बचाव अभियान के बाद पुलिस ने बुधवार सुबह 7 शव बरामद किए थे। मृतकों की पहचान राम यादव (44), गीता बाई (40), हिमांशु (4), शंकर गौड़ (18), श्रीपति महेजी (23), बिंद्रेश भवानी चौहान (30) और खुशी (20) के रूप में हुई है। प्रवासी श्रमिक एक पांच मंजिला अपार्टमेंट इमारत की साइट पर काम कर रहे थे और वहां अस्थायी शेड में रह रहे थे।

श्री गोविंदराजस्वामी मंदिर में कोइल अलवर तिरुमंजनम

मंदिरों में चला सफाई अभियान, पवित्र जल का हुआ छिड़काव

तिरुपति, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोइल अलवर तिरुमंजनम गुरुवार सुबह श्री गोविंदराजस्वामी मंदिर, तिरुपति में आयोजित किया गया। मालूम हो कि मंदिर में 16 से 24 मई तक ब्रह्मोत्सव का आयोजन होगा। ब्रह्मोत्सवम से पहले, कोइल अलवर थिरुमंजनम को एक परंपरा के रूप में आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर सुबह 6.30 बजे से 9.30 बजे तक कोइल अलवर थिरुमंजनम का आयोजन किया गया। इसके तहत श्री गोविंदराजस्वामी सन्निधि, श्री पार्थसारथी स्वामीवारी सन्निधि, श्री अंडाल अम्मावरु, श्री कल्याण वेंकटेश्वर स्वामी, श्री पुंडरीकवल्ली मंदिर के सभी परिसरों, दीवारों, छत, पूजा सामग्री आदि को पानी से साफ करने के बाद, नमककोपु, श्री चूर्णम, कस्तूरी हल्दी, पाचकू, गद्दा कपूर, चंदन पाउडर, केसर, किचिलीगड्डा आदि से मिश्रित पवित्र जल पूरे मंदिर में फैलाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को सर्वदर्शन की अनुमति दी गई। कार्यक्रम में तिरुमाला श्री श्री श्री चिन्नाजेयार स्वामी, मंदिर की उप ईओ श्रीमती शांति, एईओ श्री मुनिकृष्ण रेड्डी, अधीक्षक श्री नारायण, मंदिर निरीक्षक राधाकृष्ण और पुजारी टीम ने भाग लिया।

केटीआर के जनसभा में लगे जय श्रीराम के नारे

हनुमान दीक्षा स्वामियों ने किया जमकर विरोध

निर्मल, 9 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय चुनाव प्रचार के मद्देनजर भैंसा में केटीआर के रोड शो में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान जय श्रीराम के नारे लगे और पथराव हुआ।

ओल्ड पोस्ट ऑफिस कॉर्नर मीटिंग में हनुमान दीक्षा स्वामियों ने खबरदार लिखे फ्लेक्स लेकर प्रदर्शन किए। केटीआर के संबोधन के बीच में जय श्रीराम के नारे लगाए गए और केटीआर पर लहसुन, छोटे पत्थर फेंक कर उनका विरोध किया। विरोधियों का दावा है कि वरंगल में भगवान राम पर उनके कहे वाक्य से हिंदुओं के भावनाओं को ठेस पहुंची है। केटीआर पर चले पत्थर से उनके अंगरक्षकों को चोट पहुंची। उनका उपचार एरिया अस्पताल में किया गया। इस दौरान केटीआर ने कांग्रेस और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.